स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

स्वतंत्र भारत

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

लखनऊ, शुक्रवार
26 जून, 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष 12
सं. 2083 वि.
वर्ष 79, अंक - 304 पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

आईसीसी के नए नियम की सचिन तेंदुलकर ने की जमकर तारीफ

वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप का कहर

39 सेकेंड में भूकंप के 2 बड़े झटके : 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा, सैकड़ों की मौत

काराकास। वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे। लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के मुताबिक अब तक सैकड़ों मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 से अधिक घायल हैं।

कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने गुरुवार को मृतकों और घायलों के आंकड़ों की पुष्टि करते हुए कहा कि कई लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

भूकंप का सबसे अधिक असर राजधानी काराकास और आसपास के इलाकों में देखा गया, जहां अनेक बहुमंजिला इमारतें धराशायी हो गईं। सुरक्षा कारणों से काराकास हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। कई क्षेत्रों में संचार और बिजली व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। प्रशासन ने राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करते हुए सेना, आपदा प्रबंधन एजेंसियों और राहत दलों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया है। अधिकारियों के अनुसार यह पिछले

एक शताब्दी से अधिक समय में वेनेजुएला में आया सबसे विनाशकारी भूकंप माना जा रहा है। इसके झटके पड़ोसी देशों तक महसूस किए गए। राजधानी काराकास से करीब 1700 किलोमीटर दूर ब्राजील के अमेजन क्षेत्र में भी इमारतें हिलने लगीं, जिसके बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी वेनेजुएला की सहायता के लिए हाथ बढ़ाया है। अमेरिकी प्रशासन ने खोज एवं बचाव दलों के साथ चिकित्सा सहायता भेजने की घोषणा की है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन तथा ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने शोक व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया है।

कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने संकट की इस घड़ी में विभिन्न देशों से मिल रही मानवीय सहायता और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया है। राहत एजेंसियां मलबा हटाने और फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटी हैं। देशभर में अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया है और अस्थायी राहत शिविर स्थापित किए जा रहे हैं।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय : योगी

कांग्रेस ने सत्ता के स्वार्थ में किया था बाबा साहेब के सपनों पर प्रहार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में बने रहने के लिए आपातकाल लगाने का पाप किया

- आपातकाल की 51वीं बरसी 'संविधान हत्या दिवस' पर 'लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह

था। आज पूरा देश 25 जून 1975 का काला दिन याद कर रहा है, जब कांग्रेस ने देश के लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया था। सत्ता में बने रहने और न्यायालय के आदेश लागू न होने देने के लिए इंदिरा गांधी ने नागरिकों के अधिकार छीनने का प्रयास किया। कांग्रेस का यह पाप लोकतंत्र और बाबा साहेब के सपनों पर सीधा प्रहार था। लालू प्रसाद व मुलायम सिंह यादव की वर्तमान पीढ़ी कांग्रेस का चाबुक भूलकर उसी के साये में राजनीति कर रही है।

मुख्यमंत्री गुरुवार को आपातकाल की 51वीं बरसी 'संविधान हत्या दिवस' पर लखनऊ में आयोजित 'लोकतंत्र सेनानी सम्मान समारोह' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान भी किया।सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस ने लोकतंत्र के समर्थक राजनीतिक दलों, जनसामान्य व मीडिया से जुड़े सभी लोगों की आवाज को दबाया। ऐसा क्या था कि कांग्रेस को आपातकाल थोपना पड़ा, एक ही निष्कर्ष निकलता है कि कांग्रेस ने सिर्फ अपनी सत्ता बनाए रखने के लिए यह पाप किया और इस पाप को छिपाए रखने के लिए नौजवानों, राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं व सामाजिक संगठनों की आवाज को दबाने की चेष्टा की। सीएम ने कहा कि इंदिरा गांधी के अत्याचार से आमजन व राजनीतिक दलों के नेता कराह रहे थे। लोकतंत्र के समर्थन में जेल जा रहे थे। ऐसे ही नेताओं लालू प्रसाद व मुलायम सिंह यादव की वर्तमान पीढ़ी आज उसी कांग्रेस के साये में अपनी राजनीति करती दिखाई दे रही है।

लोकतंत्र सेनानियों को प्रतिवर्ष 5 लाख की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा जल्द

आपातकाल की 51वीं बरसी 'संविधान हत्या दिवस' के अवसर पर सीएम ने घोषणा की कि प्रदेश सरकार लोकतंत्र सेनानियों के लिए जल्द ही 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराएगी। सीएम ने लोकतंत्र सेनानियों के स्वस्थ व दीर्घायु होने की कामना करते हुए कहा कि उनका अंतिम संस्कार भी राजकीय सम्मान के साथ किए जाने की व्यवस्था बनाई जा रही है। प्रदेश में 3,780 लोकतंत्र सेनानी तथा 1,461 उनके आश्रित हैं। सरकार वर्ष 2018 से लोकतंत्र सेनानियों व मरणोपरांत उनके आश्रितों को प्रत्येक माह 20 हजार रूपये की सम्मान राशि दे रही है। साथ ही लोकतंत्र सेनानी या उनके उत्तराधिकारी (पति अथवा पत्नी) को एक सहायक के साथ पूरे प्रदेश में परिवहन निगम की सभी श्रेणी की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान की गई है। लोकतंत्र सेनानियों को राजकीय चिकित्सालयों में निःशुल्क चिकित्सा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

राहुल कौशल बने रक्षा मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति सदस्य

नई दिल्ली। भाजपा नेता राहुल कौशल निवासी मोहल्ला आदर्श नगर को रक्षा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के लिए राजभाषा विभाग द्वारा सदस्य नामित किया गया है। राहुल कौशल डीएवी पीजी कॉलेज बुलंदशहर के छात्र संघ महामंत्री भी रहे हैं। इनके सदस्य बनाए जाने पर समर्थकों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई है। राहुल कौशल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उम्मीदों पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया जाएगा। पूरी लगन और निष्ठा से उत्तरदायित्व का निवर्हन किया जाएगा। उक्त समिति में देश भर से तीन सदस्य बनाए हैं।

मिशन-2027 के लिए बीजेपी का बड़ा संगठनात्मक दांव

यूपी में 64 भाजपा पदाधिकारियों की नई टीम घोषित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देते हुए भारतीय जनता पार्टी ने

- राष्ट्रीय नेतृत्व की मंजूरी के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने जारी की सूची
- सामाजिक, क्षेत्रीय संतुलन पर विशेष जोर

अपने नए संगठनात्मक ढांचे का ऐलान कर दिया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन सिन्हा की सहमति के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश पदाधिकारियों की नई टीम घोषित की। नई टीम में कुल 64 पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। घोषित सूची के अनुसार 19 उपाध्यक्ष, 8 प्रदेश महामंत्री, 19 प्रदेश मंत्री, 6 क्षेत्रीय अध्यक्ष, 3 कार्यालय पदाधिकारी, एक मुख्य प्रवक्ता, एक प्रदेश मीडिया संयोजक, एक प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक तथा 6 मोर्चा अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। पार्टी ने संगठन में अनुभवी नेताओं के साथ नए चेहरों को भी स्थान देकर आगामी चुनावों के लिए मजबूत रणनीति का संकेत

दिया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में गठित इस नई टीम को बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने, सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और आगामी चुनावी तैयारियों को धार देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा ने इस टीम के जरिए सामाजिक, क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने का प्रयास किया है, जिससे प्रदेश के विभिन्न वर्गों में पार्टी की पकड़ और मजबूत हो सके। नई टीम में सुरेश राणा, सत्यपाल सैनी, प्रियंका रावत, अर्चना मिश्रा, पूजा पाल और आलोक गुप्ता समेत 19 नेताओं को प्रदेश उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं रामप्रताप सिंह चौहान, गीता शाक्य, अभिजात मिश्रा, उपेंद्र रावत और संजय राय सहित आठ नेताओं को प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। प्रदेश मंत्री पद पर 19 नेताओं को मौका दिया गया है। क्षेत्रीय संगठन को मजबूत करने के लिए पश्चिम क्षेत्र की क्षेत्रीय अध्यक्ष की कमान नबाब सिंह नागर, ब्रज क्षेत्र की पूरन लाल लोधी, कानपुर क्षेत्र की राम किशोर साहू, अवध क्षेत्र की अवधेश द्विवेदी, काशी क्षेत्र की अशोक चौरसिया तथा गोरखपुर क्षेत्र की विनोद राय को सौंपी गई है। संगठन के मीडिया और प्रचार तंत्र को मजबूत करने के लिए दिनेश प्रताप सिंह को मुख्य प्रवक्ता, मनीष दीक्षित को प्रदेश मीडिया संयोजक तथा हिमांशु राज पंडित को प्रदेश सोशल मीडिया संयोजक नियुक्त किया गया है।

अहमदाबाद एयरपोर्ट पर टला बड़ा विमान हादसा

अहमदाबाद। गुजरात के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ा विमान हादसा होते-

- एक ही टैक्सी-वे पर आमने-सामने आ गए एयर इंडिया और इंडिगो के विमान, पायलटों की सतर्कता से बची बड़ी दुर्घटना

होते टल गया। एयर इंडिया और इंडिगो के दो यात्री विमान एक ही टैक्सी-वे पर आमने-सामने आ गए, जिससे कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। हालांकि दोनों विमानों के पायलटों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण संभावित दुर्घटना टल गई। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। डीजीसीए के अनुसार मुंबई से अहमदाबाद पहुंची एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-2493 ने रनवे संख्या-23 पर सुरक्षित लैंडिंग की थी। लैंडिंग के बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने विमान को टैक्सी-वे 'सी' से होकर टैक्सी-वे 'पी' और फिर टैक्सी-वे 'जी' के रास्ते अंतरराष्ट्रीय एप्रन तक जाने की अनुमति दी थी।

भगवान राम के चढ़ावे में चोरी से मन बेहद व्यथित : केजरीवाल

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर सियासी घमासान के बीच आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर में चढ़ाई गई बहुमूल्य वस्तुओं की कथित चोरी के मामले पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण से उनका मन बेहद व्यथित है। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवान राम को श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए आभूषण, पादुका और अन्य मूल्यवान वस्तुओं के गायब होने की खबरें अत्यंत गंभीर हैं और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

अयोध्या पहुंचने के बाद मीडिया से बातचीत में केजरीवाल ने कहा कि वह पहले भगवान राम के दर्शन करेंगे और उसके बाद इस मुद्दे पर विस्तार से

अपनी बात रखेंगे। उन्होंने कहा कि करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़े इस मामले में पूरी पारदर्शिता जरूरी है और जनता को सच्चाई जानने का अधिकार है। आम आदमी पार्टी प्रमुख ने मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में सामान्य तौर पर पहले प्राथमिकी दर्ज की जाती है और उसके बाद जांच आगे बढ़ती है, लेकिन यहां बिना एफआईआर के ही एसआईटी गठित कर दी गई।

कक्षा-9 में पढ़ाया जाएगा आपातकाल का अध्याय

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत स्कूली पाठ्यक्रम में किए जा रहे बदलावों के क्रम में अब कक्षा-9 के विद्यार्थियों को वर्ष 1975-77 के आपातकाल के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाएगा। एनसीईआरटी द्वारा तैयार नई सामाजिक विज्ञान पुस्तक 'अंडरस्टैंडिंग सोसाइटी - इंडिया एंड बियॉन्ड' में पहली बार इस विषय को प्रमुखता से शामिल किया गया है। पुस्तक में 25 जून 1975 से 21 मार्च 1977 तक लागू रहे आपातकाल की पृष्ठभूमि, उसके कारणों और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर पड़े प्रभाव का उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि इस दौरान कई मौलिक अधिकार निलंबित किए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लगाई गई और विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया गया था।

चढ़ावा मामले में आठ लोगों के विरूद्ध एफआईआर, दो हिरासत में

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राम मंदिर के चढ़ावा चोरी के मामले में गुरुवार को पहली एफआईआर दर्ज कर ली गई। यह कार्रवाई जांच रिपोर्ट के

- ट्रस्टी अनिल मिश्रा के दो रिश्तेदार, चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत कई नामजद

आधार पर की गई है। मुकदमा कृष्णमोहन की तहरीर पर दर्ज किया गया है। एफआईआर में अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को नामजद किया गया है। इसमें ट्रस्टी अनिल मिश्रा के दो रिश्तेदार, चंपत के ड्राइवर टिन्नू समेत आठ नामजद व अन्य अज्ञात आरोपी बनाए गए हैं। वहीं, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा को हिरासत में लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के मीडिया प्रभारी के मुताबिक एफआईआर में अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा, अविनाश शुक्ला, रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव और मनीष यादव को नामजद किया गया है। वहीं, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा को हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि चढ़ावे की राशि के संग्रहण और जमा प्रक्रिया में सामने आई कथित अनियमितताओं की जांच के बाद यह मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक पड़ताल में कुछ तथ्यों को चिन्हित किया था।

अमेजन सीईओ का ऐलान, कुल निवेश प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर के पार पहुंचेगी

नई दिल्ली। दुनिया की अग्रणी ई-कॉमर्स और प्रौद्योगिकी कंपनी अमेजन ने भारत में निवेश को लेकर अब तक का सबसे बड़ा एलान किया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद घोषणा की कि अमेजन वर्ष 2026 से 2030 के बीच भारत में 48 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश करेगी। इस फैसले के साथ भारत में अमेजन की कुल निवेश प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। एंडी जेसी ने बताया कि अमेजन ने वर्ष 2010 से अब तक भारत में लगभग 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। पिछले

वर्ष कंपनी ने 2026-2030 के दौरान 35 अरब डॉलर निवेश करने की योजना घोषित की थी, लेकिन भारत में तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था, क्लाउड सेवाओं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मांग को देखते हुए निवेश राशि को बढ़ाकर 48 अरब डॉलर कर दिया गया है। अमेजन के अनुसार अतिरिक्त 13 अरब डॉलर का निवेश विशेष रूप से क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षेत्र में किया जाएगा।

अजगी

विडम्बना

अनुभवी नेतृत्व के अभाव में नहीं मिल रहा दिशा-निर्देशन

लापरवाही की आंच से जूझ रहा अग्निशमन विभाग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। 15 बच्चों को अकाल मौत के मुंह में झोंक देने वाले अलीगंज कोचिंग अग्निकांड की खुली रही परतें बताती हैं कि ऐसे

- जूनियर अधिकारियों से चलाया जा रहा काम
- फायदा उठा रहे भवन व संस्थान मालिक

हादसे न होने देने के लिए जिम्मेदार अग्निशमन विभाग खुद ही लापरवाही की आग से खेल रहा है। इसकी जांच करने तथा इसे दूर करने के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। उच्च स्तरीय सूत्रों का कहना है कि उत्तर प्रदेश फायर एंड इमरजेंसी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारियों के कई पद स्वीकृत किए गए हैं लेकिन इन पर नियुक्ति को लेकर पूरी तरह से उदासीनता बरती जा रही है। हालत यह है कि इस समय सुपरवाइजर अधिकारियों के 100 प्रतिशत पद रिक्त हैं। जो सीट खाली हो गई उसे पर नियुक्ति का मामला वर्षों तक लटका रहता है। नतीजा यह है कि विभाग स्टाफ की जबरदस्त कमी का सामना कर रहा है। इस वजह से जूनियर पद के कम अनुभव वाले अधिकारियों से अस्थाई रूप से

संबद्धता करके काम चलाया जा रहा है। स्वाभाविक है कि इन अधिकारियों को आपात स्थितियों से निपटने का पर्याप्त अनुभव और तकनीक का ज्ञान नहीं होता। नतीजा यह है कि अग्नि एवं जीवन सुरक्षा के कार्य पूरी तरह दिशाहीन है और जरा भी गंभीर हादसा तमाम लोगों की जान ले लेता है। सूत्र यह भी बताते हैं कि जिम्मेदार अनुभवी अधिकारियों के न होने के कारण ही तमाम बिल्डिंगों और संस्थानों के मालिक अपने यहां संभावित आग की घटनाओं से बचाव के पुख्ता इंतजाम करने को पूरी तरह दरकिनार किए रहते हैं। कई जगहों पर तो अलार्म और सायरन जैसे बुनियादी सिस्टम तक नहीं लगाए जाते। किसी भी भवन पर कब्जे की नौ श्रेणियां निर्धारित की गई हैं और उनके लिए अग्निशमन व्यवस्थाएं भी तय हैं लेकिन अधिकांश में इनका पालन नहीं हो रहा है। सभी भवनों में आग से बचाव के इंतजाम सुरक्षित करने के लिए नियमित रूप से जांच का प्रावधान है लेकिन पहली बात यह कि लंबे समय तक जांच होती ही नहीं और अगर हुई भी तो केवल औपचारिकता निभाने भर की होती है। इससे भवनों और संस्थानों के स्वामियों के हौसले और बढ़ते हैं। ये सब केवल दिशाहीनता और कर्तव्यों की उपेक्षा के कारण होता है। यह तब है जब छोटे-बड़े सभी विभागीय क्रियाकलापों के लिए स्पष्ट नियमावली निश्चित है लेकिन उनका पालन सुनिश्चित करने वाली शक्ति भी तो होनी चाहिए।

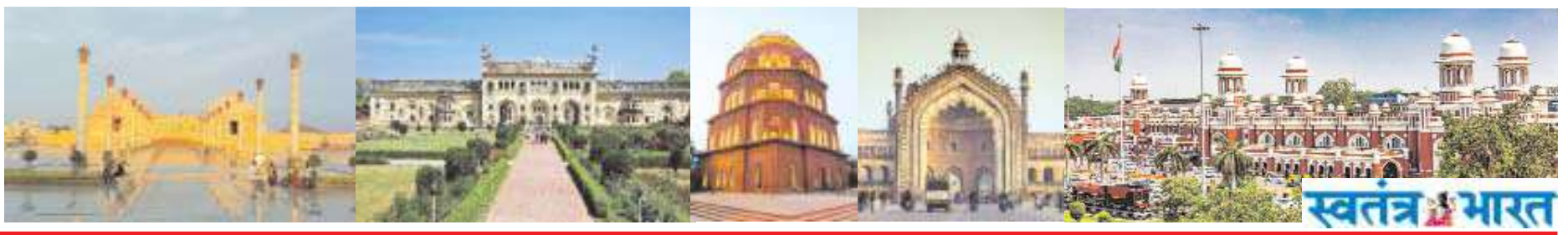

स्वतंत्र भारत

बस अड्डों, प्रमुख मार्गों, टोल प्लाजा, सीमाओं पर सघन जांच की जाए

अग्नि सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता जन-जीवन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने स्लीपर बसों, स्कूल बसों, स्टेज कैरिज बसों एवं कान्ट्रैक्ट कैरिज बसों में अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता एवं कार्यशीलता सुनिश्चित कराये जाने के संबंध में परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता एवं जिम्मेदारी भी है। हाल ही में लखनऊ में एक चार मंजिला कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगने की गंभीर घटना घटित होने के उपरान्त स्पष्ट है कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में अग्नि सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता एवं उनकी कार्यशीलता जन-जीवन की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

परिवहन मंत्री ने कहा है कि यात्री वाहनों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिक यात्रा करते हैं। ऐसी स्थिति में वाहनों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता एवं उनकी प्रभावशीलता सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है, जिससे किसी भी आकस्मिक अग्नि दुर्घटना की स्थिति में प्रारम्भिक स्तर पर आग पर नियंत्रण स्थापित कर यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 के नियम-128 के उपनियम (13) (3) के अनुसार प्रत्येक पर्यटक यान अग्निशमन यंत्र (जो ड्राई पाउडर टाइप हो और इंजन कक्ष के पास लगा हो) से सुसज्जित होना आवश्यक है। परिवहन मंत्री ने स्कूल बसों की विशेष जांच करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि आगामी 1 जुलाई से सभी शैक्षणिक संस्थान खुलेंगे। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्कूल बसों के संचालन के लिए निर्गत सुरक्षा

मानकों के अन्तर्गत भी अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता अपेक्षित है। परिवहन मंत्री ने जुलाई माह में संपूर्ण प्रदेश में व्यापक अभियान चला कर जांच की कार्रवाई करने एवं प्रतिदिन इसकी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि समस्त स्लीपर बसों, स्कूल बसों, स्टेज कैरिज बसों एवं कान्ट्रैक्ट कैरिज बसों की मोटर वाहन निरीक्षक,एटीएस सेन्टर द्वारा फिटनेस जाँच के समय अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता, क्षमता, वैधता, कार्यशीलता एवं वाहन में उसके उचित स्थान पर स्थापित होने का विशेष रूप से परीक्षण किया जाये। यह सुनिश्चित किया जाये कि अग्निशमन यंत्र निर्धारित अवधि के भीतर रिफिल,सर्विस किया गया हो तथा उस पर अंकित वैधता अवधि समाप्त न हुई हो। जिन वाहनों में अग्निशमन यंत्र उपलब्ध न हो अथवा अग्निशमन यंत्र कार्यशील अवस्था में न पाया जाये अथवा उसकी वैधता समाप्त हो चुकी हो, ऐसे वाहनों की कमियों के निराकरण तक फिटनेस प्रमाण-पत्र निर्गत न किया जाये तथा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाये। परिवहन मंत्री ने समस्त प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा विशेष अभियान चलाकर बस अड्डों, प्रमुख मार्गों, टोल प्लाजा, जनपद सीमाओं तथा अन्य उपयुक्त स्थानों पर उपरोक्त श्रेणी के वाहनों की सघन जांच करने के निर्देश दिए हैं। जांच के दौरान अग्निशमन यंत्र न पाये जाने अथवा निर्धारित मानकों के अनुरूप न होने की स्थिति में मोटरयान अधिनियम, 1988 एवं केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 के प्रासंगिक प्रावधानों के अन्तर्गत प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। विशेष रूप से स्लीपर बसों की जांच करते समय आपातकालीन निकास, हैमर, अग्निशमन यंत्र, विद्युत वायरिंग एवं अन्य सुरक्षा उपकरणों की भी जांच की जाये। स्कूल बसों की जांच के दौरान अग्निशमन यंत्र के अतिरिक्त सुरक्षा मानकों के अनुपालन का भी सत्यापन किया जाये, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

डिजिटल इंडिया के संकल्प को सरोजनीनगर में साकार कर रहे हैं विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'डिजिटल इंडिया' अभियान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के डिजिटल उत्तर प्रदेश एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से सरोजनीनगर विधानसभा में

- **सरोजनीनगर की परिकल्पना को मिल रहा नया आयाम**

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा 'डिजिटल सरोजनीनगर' की अभिनव परिकल्पना को निरंतर साकार किया जा रहा है। इसी संकल्प के अंतर्गत संचालित रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं युवा सशक्तिकरण केन्द्र आज युवाओं के कौशल विकास एवं आमजन तक डिजिटल सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। वर्तमान में सरोजनीनगर विधानसभा के

विभिन्न क्षेत्रों में 17 रण बहादुर सिंह डिजिटल शिक्षा एवं युवा सशक्तिकरण केन्द्र संचालित हैं, जहाँ आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के बच्चों और युवाओं को पूर्णतः निःशुल्क डिजिटल एवं कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। इन केन्द्रों पर रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जिससे युवा आधुनिक तकनीकी कौशल प्राप्त कर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसरों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से अब तक 1,001 से अधिक छात्र-छात्राएं विभिन्न डिजिटल एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जबकि 480 से अधिक विद्यार्थी वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह पहल सरोजनीनगर के युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाकर उन्हें आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बना रही है।डिजिटल शिक्षा के साथ-साथ 17 केन्द्रों में से 7 केन्द्रों पर ई-गवर्नेंस सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं, जहाँ अब तक 7,000 से अधिक नागरिकों ने विभिन्न ऑनलाइन सरकारी सेवाओं का लाभ प्राप्त किया है।

खबर एक नज़र

अमरनाथ यात्रा के लिए रसद सामग्री रवाना

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। श्री अमरनाथ सेवा संस्थान, प्रताप मार्केट अमीनाबाद द्वारा आयोजित 34वें विशाल अमरनाथ भंडारे के लिए रसद सामग्री गुरुवार को कश्मीर के मनीगाम बेस कैंप के लिए रवाना की गई। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शिव पूजन कर ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। संस्थान के महामंत्री ओम प्रकाश निगम ने बताया कि 1 जुलाई से शुरू होने वाले भंडारे में अमरनाथ यात्रियों को निःशुल्क चाय, नाश्ता, शुद्ध देशी घी से निर्मित भोजन, जलेबी, इमरती, लखनवी चाट, इडली-डोसा सहित विभिन्न व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे। यात्रियों के लिए विश्रामगृह, कंबल और क्लॉक रूम की सुविधा भी रहेगी। कार्यक्रम में सुधाकर त्रिपाठी, राजेंद्र अग्रवाल, साकेत शर्मा, डॉ. अनिल रस्तोगी, प्रदीप कुमार वर्मा, मुकेश गुलाटी समेत बड़ी संख्या में शिवभक्त उपस्थित रहे।

राजवीर ने शूटिंग चैंपियनशिप में किया शानदार प्रदर्शन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ । लामार्टिनियर कॉलेज की शूटिंग टीम के कप्तान राजवीर सिंह कक्कड़ ने नई दिल्ली स्थित डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 49वीं उत्तर प्रदेश राज्य शूटिंग चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-18 यूथ वर्ग की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 400 में से 383 अंक हासिल किए। इस प्रदर्शन के आधार पर राजवीर ने प्रतिष्ठित ऑल इंडिया जी.वी. मावलंकर शूटिंग चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है। उनकी उपलब्धि पर विद्यालय, परिवार और खेल प्रेमियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी है।

होम्योपैथिक भेषजिक भर्ती का परिणाम जारी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने होम्योपैथिक भेषजिक भर्ती के 397 पदों के लिए अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। आयोग ने लिखित परीक्षा और अभिलेख परीक्षण के आधार पर 395 अभ्यर्थियों का चयन किया है, जबकि दिव्यांग वर्ग की दो उपश्रेणियों में उपयुक्त अभ्यर्थी न मिलने से दो पद रिक्त रह गए। चयनित अभ्यर्थियों में 159 अनारक्षित, 83 अनुसूचित जाति, 7 अनुसूचित जनजाति, 107 अन्य पिछड़ा वर्ग तथा 39 ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवार शामिल हैं। आयोग ने श्रेणीवार कटऑफ भी जारी की है, जिसमें अनारक्षित वर्ग की कटऑफ 48.75 अंक रही। चयनित अभ्यर्थियों की सूची आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है।

स्कूल चलो अभियान, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण, मिशन पहचान व फन डे पर दिया गया जोर

संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण सुदृढ़ करने पर समीक्षा बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद लखनऊ के सचिव ओ.पी. त्रिपाठी की अध्यक्षता में गुरुवार को संस्कृत परिषद कार्यालय में निरीक्षक संस्कृत पाठशाला उत्तर प्रदेश प्रयागराज एवं समस्त मण्डलीय उप निरीक्षक संस्कृत पाठशालाओं के साथ संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण सृजन, स्कूल चलो अभियान, गुणवत्ता पूर्ण शिक्षण अधिगम बिन्दुओं पर समीक्षा बैठक आहूत की गयी।

सचिव संस्कृत शिक्षा परिषद द्वारा बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण को संवर्धित करने, संस्कृत परिषद द्वारा विद्यालयों को उपलब्ध कराये गये शैक्षिक पंचांग के अनुसार पठन-पाठन की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों का नियमित

निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में दिये गये निर्देशानुसार पठन-पाठन कराने के निर्देश सुनिश्चित करने, कैरियर गाइड लाइन पोर्टल पंख पर संस्कृत विद्यालयों के परीक्षार्थियों का पंजीकरण कराकर मार्गदर्शन प्राप्त कराने पर जोर दिया गया। मिशन पहचान के अंतर्गत विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, ज्ञान में वृद्धि हेतु प्रार्थना सभा में प्रतिदिन रोस्टर के अनुसार एक विद्यार्थी द्वारा सदृश्य सूचना पट्ट पर 'आज का सुविचार' संस्कृत भाषा में लिखा जाएगा तथा सभा में उसकी व्याख्या की जायेगी। विद्यार्थियों द्वारा दैनिक समाचार पत्रों का वाचन कर देश-दुनिया व प्रासंगिक विषयों पर समाचार व विचार सुनाया जाएगा। सुविचार पंजिका में प्रतिदिन के विचार को लिपिबद्ध किया जाना एवं माह के सर्वश्रेष्ठ विचार वाले विद्यार्थी को माह के अंत में सम्मानित किया जाना तय किया गया। छात्र-छात्राओं में सृजनात्मक कौशल एवं वैज्ञानिक अभिवृत्ति और अभिरुचि विकसित करने के लिये तथा प्रत्येक शनिवार को फन डे (आनन्दमय दिवस) के अंतर्गत वाद-विवाद, क्विज, निबंध लेखन एवं स्थानीय भ्रमण आदि के द्वारा अधिगम को संवर्धित करने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये।

दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट पर खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने लखनऊ द्वारा जारी निर्देशों एवं निर्धारित

- **प्रदेशव्यापी विशेष अभियान में 489 छापे, 658 नमूने संग्रहित**

निरीक्षण बिंदुओं के अनुपालन में दूध एवं दुग्ध उत्पादों यथा दूध, खोया, पनीर, दही, घी एवं स्किम्ड मिल्क पाउडर आदि की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी विशेष औचक निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान दूध एवं दुग्ध उत्पादों की निर्माण इकाइयों, बल्क मिल्क चिलिंग सेंटर, थोक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों एवं गोदामों का व्यापक निरीक्षण किया गया। अधिकारियों द्वारा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत स्वच्छता व्यवस्था, कच्चे माल की गुणवत्ता, अभिलेखों का रख-रखाव, पैकेजिंग एवं लेबलिंग मानकों तथा संभावित मिलावट की जांच करते हुए प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई की गई। विशेष अभियान के अंतर्गत प्रदेश में कुल 489 छापे मारे गए तथा 658 खाद्य नमूने संग्रहित कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए हैं। कार्रवाई के दौरान कुल 1398.42 क्विंटल खाद्य पदार्थ जब्त किए गए, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 9.72 करोड़ रुपये है। वहीं अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में भंडारित एवं मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त पाए गए 122.888 क्विंटल खाद्य पदार्थों, जिनका अनुमानित मूल्य लगभग 21.85 लाख रुपये है, का विनष्टीकरण कराया गया।

रक्तदान शिविर में 191 यूनिट रक्तदान

स्वतंत्र भारत, लखनऊ। हुसैनी ब्लड डोनर क्लब द्वारा यौमे आशूरा के अवसर पर इमामबाड़ा गुफरानमआब में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। केजीएमयू के सहयोग से आयोजित शिविर में विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लेकर 191 यूनिट रक्तदान किया। क्लब के अध्यक्ष डॉ. कामिल रिजवी और महासचिव रेहान रजा रिजवी ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

लखनऊ में प्रवर्तन पर सवाल : अभियान के बाद फिर 'सेटिंग' का खेल

अवैध बस संचालकों और ओवरलोड वाहन माफियाओं के हौसले बुलंद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । राजधानी लखनऊ में परिवहन विभाग के प्रवर्तन तंत्र की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। आरोप है कि नए एआरटीओ (प्रवर्तन) आलोक कुमार यादव के पदभार संभालने के बाद शुरुआती दिनों में कुछ दिनों तक अभियान चलाकर वाहनों पर कार्रवाई की गई, लेकिन इसके बाद स्थिति फिर पुराने ढर्रे पर लौट गई। परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों का दावा है कि अब ओवरलोड वाहनों, बिना परमिट बसों और निजी वाहनों के व्यावसायिक संचालन पर प्रभावी अंकुश नहीं दिखाई दे रहा है। लखनऊ और आसपास के प्रमुख मार्गों पर बड़ी संख्या में निजी वाहन नियमों को ताक पर रखकर कमर्शियल उपयोग में संचालित हो रहे हैं। वहीं कई रूटों पर बिना वैध परमिट और बिना निर्धारित मानकों का पालन किए बसों का संचालन जारी है। आरोप यह भी है कि प्रवर्तन तंत्र की निष्क्रियता अथवा एआरटीओ की कथित 'सेटिंग' के कारण अवैध वाहन संचालकों के हौसले बुलंद हैं। परिवहन विभाग में प्रवर्तन शाखा की प्रमुख जिम्मेदारियों में ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई, बिना परमिट चल रहे वाहनों की जांच, टैक्स चोरी रोकना, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कराना, फिटनेस और वैध दस्तावेजों की जांच तथा अवैध परिवहन संचालन पर रोक लगाना शामिल है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि यदि ये जिम्मेदारियां प्रभावी ढंग से निभाई जा रही हैं तो राजधानी में अवैध संचालन आखिर कैसे जारी है? आखिर बिना शह के कैसे जारी है अवैध संचालन जानकारों का कहना है कि यदि लखनऊ में विशेष अभियान चलाकर बस अड्डों, टोल प्लाजा, प्रमुख चौराहों और हाईवे मार्गों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो बड़ी संख्या में ऐसे वाहन पकड़े जा सकते हैं जो नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इससे न केवल सड़क सुरक्षा को खतरा है बल्कि सरकार के राजस्व को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन अवैध बस संचालकों और ओवरलोड वाहन मालिकों पर लगातार कार्रवाई होनी चाहिए, वे आखिर किस भरोसे बेखौफ होकर सड़कों पर दौड़ रहे हैं? क्या प्रवर्तन तंत्र की कार्रवाई केवल दिखावे तक सीमित है या फिर इसके पीछे कोई बड़ा खेल चल रहा है? यह जांच का विषय है। परिवहन विभाग के उच्च अधिकारियों और शासन स्तर पर अब इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठने लगी है। यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह केवल विभागीय लापरवाही का मामला नहीं बल्कि राजस्व हानि और सड़क सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा साबित हो सकता है।

बिना परमिट बसों और निजी वाहनों के व्यावसायिक संचालन पर प्रभावी कार्यवाही जल्द शुरू होगी। लखनऊ में एआरटीओ प्रवर्तन दल की कमी से अभियान प्रभावित है। जल्द ही अन्य जिलों के एआरटीओ प्रवर्तन टीम का सहयोग लेकर लखनऊ में सघन जांच अभियान चलाकर अवैध,डग्गामार बसों,ओवरलोड वाहनों के संचालन पर प्रभावी कार्रवाई की जायेगी।अभी फिलहाल एक एआरटीओ प्रवर्तन के उपर जांच अभियान की जिम्मेदारी है। **-के डी सिंह गौर,अपर परिवहन आयुक्त, प्रवर्तन**

बुनियादी शिक्षा को नई गति, सरकार ने एआरपी व्यवस्था का किया पुनर्गठन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । लखनऊ, 25 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बुनियादी शिक्षा में गुणवत्ता सुधार

- **हर ब्लॉक में पांच चयनित एआरपी संभालेंगे शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार की जिम्मेदारी**

को नई गति देने के लिए अकादमिक नेतृत्व व्यवस्था को और मजबूत बना रही है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित ब्लॉक संसाधन केंद्रों (बीआरसी) की अकादमिक व्यवस्था को नई संरचना देते हुए अकादमिक रिसोर्स पर्सन्स (एआरपी) प्रणाली का व्यापक पुनर्गठन किया गया है। अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन पार्थ सारथी सेन शर्मा के हस्ताक्षर से जारी शासनादेश में एआरपी के चयन, कार्यदायित्व, प्रशिक्षण, मूल्यांकन और जवाबदेही संबंधी विस्तृत प्रावधान निर्धारित किए गए हैं। शासनादेश के अनुपालन में स्कूल शिक्षा महानिदेशक एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को जुलाई तक रिक्त एआरपी पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं, ताकि नए शैक्षणिक सत्र में ब्लॉक स्तर का अकादमिक सहयोग तंत्र पूरी क्षमता के साथ कार्य कर सके। नई व्यवस्था के अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में पांच चयनित एआरपी और एक नामित डायट मेंटर मिलकर शैक्षणिक सहायता टीम का गठन करेंगे। यह अकादमिक टीम विद्यालयों में शिक्षण-अधिगम प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने, शिक्षकों को सतत शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने, कक्षा-कक्ष की चुनौतियों के समाधान तथा विद्यार्थियों के अधिगम स्तर में सुधार की दिशा में कार्य करेगी।एआरपी का चयन पूरी तरह मेरिट आधारित होगा। नई व्यवस्था में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक योग्य और अनुभवी शिक्षकों को इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक दायित्व से जोड़ा जा सके। अब सेवानिवृत्ति में केवल पांच वर्ष शेष रहने वाले शिक्षक भी एआरपी पद के लिए पात्र होंगे, जबकि पहले यह सीमा 10 वर्ष थी। अब किसी भी विषय के परिषदीय शिक्षक आवेदन कर सकेंगे, जबकि पहले केवल चयनित विषयों के शिक्षकों को ही पात्रता प्राप्त थी। चयन प्रक्रिया को अधिक सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए माइक्रो टीचिंग का प्रावधान समाप्त कर दिया गया है। अब चयन केवल लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर होगा। जिला स्तर पर गठित चयन समिति पूरी प्रक्रिया का संचालन करेगी।निपुण भारत मिशन को बालवाटिका से कक्षा 5 तक विस्तारित करने की दिशा में यह व्यवस्था महत्वपूर्ण आधार प्रदान करेगी।

बागवानी क्षेत्र को मिलेगी नई उड़ान, लखनऊ में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित करेगी भारत सरकार

केंद्रीय कृषि किसान कल्याण,ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने की घोषणा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण,ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तर प्रदेश के बागवानी क्षेत्र को नई गति देने के उद्देश्य से लखनऊ में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किए जाने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से किसानों को गुणवत्तायुक्त एवं रोगमुक्त पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उद्यानिकी क्षेत्र का विस्तार होगा और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को लखनऊ स्थित योजना भवन के वैचारिकी सभागार में उत्तर प्रदेश के कृषि रोडमैप, कृषि क्षेत्र की विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य योजनाओं तथा

ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की संयुक्त समीक्षा की। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि के लिए समृद्ध उत्तर प्रदेश सबसे अनिवार्य है। उत्तर प्रदेश जितनी तेजी से कृषि, ग्रामीण विकास और किसानों की समृद्धि के क्षेत्र में आगे बढ़ेगा, विकसित भारत का लक्ष्य उतनी ही शीघ्रता से साकार होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार आपसी समन्वय तथा साझा प्रयासों से इस राष्ट्रीय संकल्प को अवश्य पूरा करेंगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चना, मसूर एवं सरसों की सरकारी खरीद की अवधि बढ़ाए जाने की मंजूरी भी प्रदान की। उन्होंने इस संबंध में स्वीकृति का आशय पत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपा। मुख्यमंत्री ने इसके लिए केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के अधिकाधिक किसानों को अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा और उनके हितों का बेहतर संरक्षण सुनिश्चित होगा। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के आगामी चरण के लिए पात्र 6,18,482 लाभार्थियों की सूची मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंपते हुए प्रदेश सरकार को बधाई दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में गरीब कल्याण की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। पात्रता के आधार पर प्रत्येक जरूरतमंद परिवार को आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने निर्देश दिए कि योजना के अगले चरण में भी सभी पात्र लाभार्थियों को पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से लाभान्वित किया जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के लखनऊ आगमन के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत नए आवासों की स्वीकृति, चना, मसूर एवं सरसों की सरकारी खरीद की अवधि बढ़ाए जाने तथा उत्तर प्रदेश के बागवानी क्षेत्र के लिए लखनऊ में क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किए जाने की स्वीकृति के लिए भी केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार प्रकट किया।

मानक विपरीत संचालित 55 प्रतिष्ठान सील, 78 के खिलाफ नोटिस जारी

लविप्रा का दूसरे दिन भी शहर में चला अभियान, कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, होटल, कॉम्पलेक्स, नर्सिंग होम समेत अन्य पर कार्रवाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण ने शहर में मानकों के विपरीत संचालित प्रतिष्ठानों के खिलाफ लगातार दूसरे दिन भी अभियान चलाया। गुरूवार को दिन भर चली कार्रवाई के दौरान 55 प्रतिष्ठानों को सील किया गया, जबकि 78 भवन मालिकों/प्रबंधकों के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है। इस अभियान की जद में दर्जनों कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, डांस स्टूडियो, कंप्यूटर इंस्टीट्यूट, नर्सिंग होम, होटल, व्यावसायिक कॉम्पलेक्स समेत अन्य प्रतिष्ठान आए हैं। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने अलीगंज में हुये दर्दनाक अग्निकांड के बाद जोनल अधिकारियों के साथ बैठक की थी। जिसमें उन्होंने शहर भर में अभियान चलाकर कोचिंग सेंटर, लाइब्रेरी, होटल, नर्सिंग होम समेत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच करने के निर्देश दिये थे। इसके अनुपालन में बुधवार को सभी 07 जोनों में अभियान चलाकर 71 प्रतिष्ठानों को सील किया गया था, जबकि 83 भवन मालिकों के खिलाफ नोटिस जारी हुयी थी। सचिव विवेक श्रीवास्तव ने बताया कि गुरूवार को भी एलडीए के प्रवर्तन अनुभाग ने अग्निशमन विभाग व लखनऊ पुलिस की संयुक्त टीम के साथ अभियान चलाया। प्रवर्तन जोन-7 में संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने टीम के साथ ठाकुरगंज, बालागंज व दुबग्गा क्षेत्र में कार्रवाई की। जिसमें लक्ष्य एकेडमी, अमेरिकन इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंग्लिश, देवयोग लाइब्रेरी, रेवांता हॉस्पिटल, हनुमंत लाइब्रेरी समेत 07 प्रतिष्ठान सील किये गये, जबकि 20 के खिलाफ नोटिस जारी किया गया है।

पत्रकारपुरम में आरोही कॉम्पलेक्स सील प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने टीम के साथ गोमती नगर के विराज खण्ड, विनीत खण्ड, विनय खण्ड, विकास खण्ड व विराम खण्ड में अभियान चलाया। जिसमें पत्रकारपुरम स्थित आरोही कॉम्पलेक्स, टाइम्स इंस्टीट्यूट, एजुकेयर, टॉपर्स इंस्टीट्यूट, त्रिवेणी अल्मिराह, भूमि आई.ए.एस समेत 12 प्रतिष्ठानों को सील किया गया, जबकि 18 भवन मालिकों को नोटिस दिया गया है।

कृष्णानगर में 10 प्रतिष्ठान सील प्रवर्तन जोन-2 के जोनल अधिकारी रवि नंदन सिंह के नेतृत्व में टीम ने कानपुर रोड योजना व कृष्णानगर क्षेत्र में अभियान चलाया। इस दौरान कौटिल्य एकेडमी, दिशा कंप्यूटर, कान्हा लाइब्रेरी, सागर लाइब्रेरी, महिन्द्रा कोचिंग, रेस आई.ए.एस समेत 10 प्रतिष्ठान सील किये गये, जबकि 11 को नोटिस दिया गया है। इसके अलावा प्रवर्तन जोन-3 में जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने अभियान चलाकर आदर्श कॉम्पलेक्स, नारायण कॉम्पलेक्स, वेदांत कप्यूटर एकेडमी समेत 4 प्रतिष्ठानों को सील किया।

अलीगंज में 10 प्रतिष्ठान सील

प्रवर्तन जोन-4 में एसडीएम विपिन कुमार शिवहरे ने टीम के साथ कार्रवाई करते हुए आकार लाइब्रेरी, हनुमंत कॉम्पलेक्स, मेकअप स्टूडियो, ध्येय आई.ए.एस, शुभ रंजन कॉम्पलेक्स, टॉप रैंकर ज्ञान भवन समेत समेत 10 प्रतिष्ठान सील किये, जबकि 11 भवन मालिक/प्रबंधकों को नोटिस दिया गया है।

हजरतगंज में चलाया गया अभियान

प्रवर्तन जोन-6 के जोनल अधिकारी प्रभाकर सिंह ने टीम के साथ हजरतगंज में अभियान चलाया। यहां कंचन आई.ए.एस लाइब्रेरी, एक्मे एकेडमी समेत 6 प्रतिष्ठान सील किये गये। वहीं, प्रवर्तन जोन-5 में साइलेंस जोन लाइब्रेरी, कोटा स्टडी फोरम, आकाश कोचिंग समेत 6 प्रतिष्ठान सील किये गये।

छात्रवृत्ति योजना से लाखों छात्रों को मिला संबल, प्रयागराज प्रदेश में सबसे आगे

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार प्रभावी कार्य कर रही है। खासतौर पर पिछड़े वर्ग के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में योगी सरकार की छात्रवृत्ति योजनाएं बेहद कारगर साबित हुई हैं। सरकार की पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति,शुल्क प्रतिपूर्ति योजना लाखों छात्रों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर उभरी है। लाभार्थियों की संख्या के मामले में प्रयागराज जिला पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा है। प्रयागराज में सबसे ज्यादा 1.69 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का मजबूत आधार दे रही है। योगी सरकार की इस पहल से लाखों परिवारों को सीधा लाभ मिला है और छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का मार्ग आसान हुआ है। वर्ष 2025-26 में पिछड़ा वर्ग दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत करीब 27 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई है। प्रयागराज में 1,69489 छात्रों को छात्रवृत्ति का लाभ मिला है। प्रयागराज के बाद गाजीपुर जिला दूसरे स्थान पर रहा है, जहां 1.34 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई है। वहीं आजमगढ़ में 1.19 लाख से ज्यादा छात्रों को लाभ मिला है। इसी तरह जौनपुर में 1.15 लाख से अधिक छात्रों को योजना का लाभ मिला है, जबकि वाराणसी में 88,859 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। यह आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश के विभिन्न जिलों में छात्रवृत्ति योजना व्यापक स्तर पर प्रभाव छोड़ रही है। छात्रवृत्ति वितरण के आंकड़ों पर नजर डालें तो कक्षा 11-12 में 4,72,764 छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की गई है। जबकि 3,80,667 छात्रों और 2 ट्रांसजेंडरों को भी छात्रवृत्ति दी गई है। वहीं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में 10,01,084 छात्राओं, 9,31,906 छात्रों और 8 ट्रांसजेंडरों को छात्रवृत्ति का लाभ दिया गया है। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना केवल इंटरमीडिएट स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि उच्च शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स तक को कवर करती है। कक्षा 11 और 12 के छात्रों के साथ-साथ बीटेक, एमबीबीएस, एमबीए जैसे प्रोफेशनल कोर्स तथा बीए, बीएससी, बीकॉम, आईटीआई और पॉलिटेक्निक जैसे पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों को भी इसका लाभ दिया जा रहा है।

संजय सिंह ने एसआईटी को सौंपे राम मंदिर जमीन घोटाले के पुख्ता दस्तावेज

एसआईटी अध्यक्ष ने कार्रवाई का दिया भरोसा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में जमीन खरीद घोटाले के पुख्ता दस्तावेज (एसआईटी) के अध्यक्ष आईएएस विजय विश्वास पंत से मुलाकात कर भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेजों का विस्तृत संकलन उन्हें सौंपा। करीब आधे घंटे तक चली बैठक में उन्होंने बिंदुवार तथ्यों के साथ जमीन खरीद, चंदे के दुरुपयोग तथा कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े 11 सेट दस्तावेज प्रस्तुत किए। इसके बाद मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम के नाम पर देशभर के करोड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ दान दिया, लेकिन उस आस्था के साथ विश्वासघात किया गया है। उन्होंने कहा कि अब एसआईटी के सामने सभी दस्तावेज हैं और दोषियों पर निष्पक्ष एवं कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

दस्तावेजों में करोड़ों रुपये के संदिग्ध भूमि सौदों का विवरण

संजय सिंह ने बताया कि इन दस्तावेजों से यह स्पष्ट होता है कि करोड़ों रुपये के चंदे का उपयोग बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर जमीन खरीदने में किया गया। उन्होंने दावा किया कि दान में मिली जमीन 1 करोड़ रुपये में बेची गई, लगभग 9 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन 55 करोड़ 47 लाख रुपये में खरीदी गई तथा लगभग 3 करोड़ रुपये मूल्य की जमीन 24 करोड़ रुपये में खरीदी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इनमें से एक जमीन नजूल भूमि थी, जिसे न बेचा जा सकता है और न खरीदा जा सकता है, फिर भी ट्रस्ट ने चंदे का पैसा खर्च कर उसे खरीद लिया। बाद में एक ही गवाह–तत्कालीन भाजपा महापौर ऋषिकेश उपाध्याय और ट्रस्ट सदस्य अनिल कुमार मिश्रा–का होना पूरे प्रकरण को और अधिक संदिग्ध बनाता है।

भाजपा नेताओं और उनके रिश्तेदारों की भूमिका पर उठाए सवाल : संजय सिंह ने कहा कि उस समय के भाजपा महापौर ऋषिकेश उपाध्याय के रिश्तेदार दीप नारायण से जुड़े कई दस्तावेज भी एसआईटी को दिए गए हैं। उनके अनुसार दान में प्राप्त जमीन बाद में ट्रस्ट को करोड़ों रुपये में बेची गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सौदों के माध्यम से ट्रस्ट को आर्थिक नुकसान पहुंचाकर कुछ लोगों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। संजय सिंह ने कहा कि 18 मार्च 2021 का एक दस्तावेज अत्यंत गंभीर है, जिसमें कुसुम पाठक और हरीश पाठक से रवि मोहन तिवारी तथा सुल्तान अंसारी ने लगभग 2 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी और मात्र पांच मिनट बाद वही जमीन लगभग साढ़े 18 करोड़ रुपये में ट्रस्ट को बेच दी गई। उन्होंने कहा कि दोनों रजिस्ट्रियों

जमीन सौदों पर भी गंभीर अनियमितताओं का आरोप : संजय सिंह ने बताया कि विभिन्न दस्तावेजों में ऐसे अनेक सौदे दर्ज हैं जिनमें लाखों रुपये मूल्य की जमीनें कई गुना अधिक कीमत पर ट्रस्ट द्वारा खरीदी गईं। उन्होंने कहा कि एक मामले में 20 लाख रुपये में खरीदी गई जमीन सात महीने बाद ढाई करोड़ रुपये में ट्रस्ट को बेच दी गई। एक अन्य मामले में लगभग 92 लाख रुपये मूल्य की जमीन 5 करोड़ 60 लाख रुपये में खरीदी गई। कुछ दस्तावेजों में खरीद मूल्य का स्पष्ट उल्लेख तक नहीं है, जिसकी भी जांच आवश्यक है।

अध्यक्ष ने बिलिंग एजेन्सियों के कसे पेंच

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश के उपभोक्ताओं को सही रीडिंग का बिल मिले इसके लिये आज बिलिंग एजेन्सियों के पेंच कसे गये। उ0प्र0 पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने कहा कि सभी को सही रीडिंग का बिल समय से मिलेगा तभी उपभोक्ता को बिल जमा करने में सुविधा रहती है। अतः सभी एजेन्सियाँ ओ.सी.आर. बढ़ायें और शतप्रतिशत उपभोक्ताओं को समय से सही बिल देना सुनिश्चित करें। ओ.सी.आर. एक आधुनिक तकनीक है जिसका उपयोग बिजली के मीटर में दर्ज रीडिंग और आंकड़ों की तस्वीर को सीधे स्कैन करके मशीन द्वारा पढ़े जाने वाले टेक्स्ट में बदलने के लिए किया जाता है। वीडियों कांफ्रेन्सिंग द्वारा की गयी इस समीक्षा में अध्यक्ष ने कहाकि जो लोग निश्चित बिलिंग लक्ष्यों के अनुरूप अपना कार्य नहीं कर पायेगे उनके विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। डा.आशीष कुमार गोयल ने गुरूवार को प्रदेश में बिल वितरण के कार्य में लगी बिलिंग एजेन्सियों के प्रतिनिधियों को सख्त निर्देश दिये हैं कि प्रत्येक उपभोक्ताओं को सही रीडिंग का समय से बिल दिये जायें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री के सख्त निर्देश है कि उपभोक्ताओं को समय से सही रीडिंग का बिल उपलब्ध कराया जाये। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बरदास्त नही की जायेगी। बैठक में प्रबंध निदेशक नितीश कुमार तथा अनेक वरिष्ठ अधिकारियों के अतिरिक्त बिलिंग कम्पनियों के प्रतिनिधि शामिल थे।

राजा भैया के पिता उदय प्रताप सिंह समेत 13 लोग नजरबंद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । मोहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतापगढ़ प्रशासन ने जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा विधायक राजा भैया के पिता राजा उदय प्रताप सिंह समेत 13 लोगों को एहतियातन नजरबंद कर दिया है। गुरुवार तड़के पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भारी सुरक्षा बल के साथ उनके कुंडा स्थित आवास पहुंची और नजरबंदी का आदेश चस्पा किया। प्रशासन के अनुसार सभी लोगों को गुरुवार सुबह पांच बजे से शुक्रवार रात नौ बजे तक पुलिस निगरानी में रखा जाएगा। प्रशासन की यह कार्रवाई कुंडा क्षेत्र के शेखपुर आशिक गांव को लेकर की गई है, जिसे मोहर्रम के दौरान संवेदनशील माना जाता है। इस गांव में स्थित हनुमान मंदिर परिसर में राजा उदय प्रताप सिंह हर वर्ष मोहर्रम के दिन हनुमान पाठ और भंडारे का आयोजन कराते रहे हैं। वर्ष 2015 में इसी कार्यक्रम और मोहर्रम के ताजिए को लेकर हिंदू और मुस्लिम समुदाय के बीच विवाद हो गया था, जिसके बाद प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा था। उस समय स्थिति इतनी तनावपूर्ण हो गई थी कि मोहर्रम की दसवीं के अगले दिन तत्कालीन जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में ताजिया दफन कराया गया था। बताया जाता है कि गांव में वर्ष 2012 में एक बंदर की मृत्यु के बाद स्थानीय लोगों ने वहां हनुमान मंदिर

> ■ शेखपुर आशिक में 12 साल पुराने विवाद के चलते प्रशासन अलर्ट, भारी पुलिस बल तैनात; शुक्रवार रात तक निगरानी में रहेंगे सभी

का निर्माण कराया था। इसके बाद से राजा उदय प्रताप सिंह ने मंदिर परिसर में हनुमान पाठ और भंडारे की परंपरा शुरू की। शुरुआती वर्षों में मोहर्रम और भंडारे के कार्यक्रम बिना किसी विवाद के साथ-साथ चलते रहे, लेकिन 2015 के बाद प्रशासन ने क्षेत्र को अतिसंवेदनशील श्रेणी में रख दिया। सूत्रों के अनुसार वर्ष 2016 में जिला प्रशासन ने भंडारे की अनुमति नहीं दी थी, जिसके बाद मामला न्यायालय तक पहुंचा। तब से लगभग हर वर्ष मोहर्रम के अवसर पर राजा उदय प्रताप सिंह को एहतियातन नजरबंद किया जाता रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि इस बार उन्हें सातवीं बार नजरबंद किया गया है। मोहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। पूरे क्षेत्र को चार सेक्टरों में बांटा गया है। सुरक्षा व्यवस्था में एक क्षेत्राधिकारी, छह इंस्पेक्टर, 30 उपनिरीक्षक, 40 हेड कांस्टेबल, 80 कांस्टेबल, 30 महिला आरक्षी, एक प्लाटून पीएसी और तीन फायर टेंडर तैनात किए गए हैं। नजरबंद किए गए सभी लोगों के घरों पर भी पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन का कहना है कि मोहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकना उसकी प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है और सभी आवश्यक एहतियाती कदम उठाए गए हैं। दूसरी ओर, इस कार्रवाई को लेकर क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं भी तेज हो गई हैं।

सहारनपुर का युवक कर्नाटक से गिरफ्तार

मोबाइल में मिले पाकिस्तानी नंबर, संदिग्ध चैट और हथियारों वाली तस्वीरें

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने की कथित साजिश के मामले में सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवासी एक युवक को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान मोहम्मद सुहैल (20) के रूप में हुई है, जो सहारनपुर जिले के गंगोह क्षेत्र का रहने वाला बताया जा रहा है। एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (ञ्जस्) और अन्य केंद्रीय एजेंसियों का दावा है कि वह पाकिस्तान से जुड़े संदिग्ध आतंकी नेटवर्क के संपर्क में था और सोशल मीडिया के माध्यम से कट्टरपंथी तत्वों से जुड़ा हुआ था। जानकारी के अनुसार सुहैल पिछले कुछ समय से कर्नाटक के दावणगेरे जिले में एक फैक्ट्री और निर्माण कार्यों में पेंटर के रूप में काम कर रहा था। खुफिया एजेंसियों को उसके बारे में इनपुट मिलने के बाद संयुक्त अभियान चलाकर उसे बन्नीकोडु गांव से हिरासत में लिया गया। बाद में उसे पूछताछ के लिए तुमकुरु ले जाया गया, जहां एनआईए और एटीएस की टीमें उससे लगातार पूछताछ कर रही हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार कुछ दिन पहले कर्नाटक से गिरफ्तार किए गए दो अन्य संदिग्ध युवकों से पूछताछ के दौरान सुहैल का नाम सामने आया था। इसके बाद उसके गतिविधियों और संपर्कों पर निगरानी रखी गई। प्रारंभिक जांच में उसके मोबाइल फोन से पाकिस्तान के कंट्री कोड वाले कई नंबर, संदिग्ध व्हाट्सएप समूहों की जानकारी, ऑडियो क्लिप और हथियारों के साथ खींची गई तस्वीरें मिलने का दावा किया गया है। एजेंसियों का कहना है कि बरामद डिजिटल सामग्री की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है ताकि उसके नेटवर्क और इरादों के बारे में स्पष्ट जानकारी मिल सके।सूत्रों के मुताबिक जांच के दौरान राम मंदिर को लेकर हुई कुछ कथित चर्चाओं और संदेशों की भी पड़ताल की जा रही है। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने अभी तक किसी अंतिम निष्कर्ष की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। जांचकर्ता यह पता लगाने में जुटे हैं कि युवक किसी संगठित मॉड्यूल का हिस्सा था या फिर सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावित होकर गतिविधियों में शामिल हुआ। गिरफ्तारी के बाद सहारनपुर स्थित उसके घर पर भी पुलिस और खुफिया एजेंसियों की नजर बनी हुई है। परिवार ने युवक के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर अनभिज्ञता जताई है। उसके पिता लियाकत ने कहा कि परिवार मजदूरी कर जीवनयापन करता है और उनका बेटा हाल ही में काम की तलाश में कर्नाटक गया था। उन्होंने दावा किया कि उन्हें उसके किसी संदिग्ध गतिविधि में शामिल होने की जानकारी नहीं थी। सुरक्षा एजेंसियां अब युवक के मोबाइल डेटा, बैंकिंग लेनदेन, सोशल मीडिया गतिविधियों और विदेशी संपर्कों की गहन जांच कर रही हैं। राम मंदिर देश के सबसे संवेदनशील धार्मिक स्थलों में से एक माना जाता है, इसलिए इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय मानते हुए जांच को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे नेटवर्क और कथित साजिश की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी।

6 जुलाई को होगी राज्य परिवहन प्राधिकरण की बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश की बैठक 06 जुलाई 2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे से कार्यालय परिवहन आयुक्त, उत्तर प्रदेश, टेहरी कोठी, महात्मा गांधी मार्ग, लखनऊ में सम्पन्न होगी। यह जानकारी देते हुए सचिव, राज्य परिवहन प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश ने बताया कि उक्त बैठक में परमिटों के नवीनीकरण एवं हस्तान्तरण हेतु प्रस्तुत आवेदन पत्रों, नये परमिटों के आवेदन पत्रों, मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा-86 के अंतर्गत परमिटों को निरस्त,निलम्बित करने की कार्यवाही एवं अन्य तात्कालिक प्रकरणों पर विचार किया जायेगा। संबंधित व्यक्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से प्राधिकरण के समक्ष उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते है।

टीईटी परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से संपन्न कराया जाए

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ । कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2026 की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों,वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन निर्धारित मानकों के अनुरूप सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा सामग्री की सुरक्षा से लेकर परीक्षा केंद्रों की निगरानी तक प्रत्येक स्तर पर विशेष सतर्कता बरती जाए।अभ्यर्थियों की चेकिंग एवं फ्रिस्किंग पूरी गंभीरता के साथ की जाए। उन्होंने कहा कि गोपनीय परीक्षा सामग्री का भंडारण कोषागार के डबल-लॉक सिस्टम में किया जाए तथा प्रश्नपत्रों एवं अन्य गोपनीय सामग्री का परिवहन सेक्टर मजिस्ट्रेट की अभिरक्षा में सुनिश्चित किया जाए। परीक्षा केंद्रों पर स्थापित कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाए। कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि प्रश्नपत्रों को खोलने, वितरण करने तथा परीक्षा समाप्ति के उपरांत पुनः सील करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराई जाए। इसके लिए परीक्षा से संबंधित सभी कार्मिकों को पूर्व में ही संवेदनशील एवं प्रशिक्षित किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि संपूर्ण प्रक्रिया की अनिवार्य रूप से वीडियोग्राफी कराई जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना समाप्त हो सके। साथ ही, निरीक्षकों का कक्ष आवंटन स्टेटिक मजिस्ट्रेट द्वारा किया जाए, मोबाइल फोन एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लागू रहे, सभी संबंधित कार्मिकों से 'नो रिलेशन सर्टिफिकेट' प्राप्त किया जाए तथा परीक्षा सामग्री की पैकिंग एवं सीलिंग में निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाए।

मिशन-2027 का बिगुल : योगी मैदान में, संगठन एक्शन में, विपक्ष को घेरने की पूरी तैयारी

मिशन-2027 के लिए बीजेपी का बड़ा संगठनात्मक दांव

मंगल सिंह

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 भले अभी दूर दिखाई दे रहा हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी मोर्चे पर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। सरकार और संगठन दोनों स्तर पर ऐसी गतिविधियां शुरू हो चुकी हैं

> ■ सरकार विकास के मोर्चे पर, संगठन चुनावी मोर्चे पर

जिन्हें राजनीतिक विश्लेषक मिशन-2027 की औपचारिक शुरुआत मान रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं, विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं, जबकि दूसरी ओर भाजपा संगठन बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक अपनी चुनावी रणनीति को अंतिम रूप देने में जुट गया है। भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट संकेत दे दिया है कि 2027 का चुनाव विकास, सुशासन और संगठन की ताकत के दम पर लड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फोकस उन जिलों पर है जहां नई परियोजनाओं, निवेश, रोजगार और आधारभूत ढांचे के विकास को चुनावी विमर्श का केंद्र बनाया जा सकता है। यही वजह है कि हाल के महीनों में मुख्यमंत्री के दौरे और कार्यक्रमों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है। उधर संगठन स्तर पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह लगातार बैठकों का दौर चला रहे हैं। मंडल, जिला और क्षेत्रीय इकाइयों के साथ मंथन कर बूथ प्रबंधन, मतदाता संपर्क और सामाजिक समीकरणों पर विशेष रणनीति तैयार की जा रही है। हाल ही में घोषित नई प्रदेश टीम को भी इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। भाजपा की कोशिश केवल अपने पारंपरिक वोट बैंक को मजबूत करने तक सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं, महिलाओं,

किसानों, पिछड़े वर्गों और नए मतदाताओं तक पहुंच बढ़ाने की भी है। पार्टी का मानना है कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों का बड़ा वर्ग आगामी चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि भाजपा ने विपक्ष को केवल राजनीतिक मुद्दों पर जवाब देने की रणनीति नहीं बनाई है, बल्कि विकास कार्यों और संगठनात्मक मजबूती के सहारे चुनावी बढ़त बनाए रखने का खाका भी तैयार कर लिया है। यही कारण है कि एक ओर सरकार विकास कार्यों की रफ्तार बढ़ा रही है तो दूसरी ओर संगठन कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाने की कवायद में जुटा है। भाजपा के भीतर चल रही बैठकों और तैयारियों से साफ संकेत मिल रहे हैं कि पार्टी ने विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। आने वाले महीनों में सरकार और संगठन की गतिविधियों में और तेजी देखने को मिल सकती है। राजनीतिक तौर पर इसे विपक्ष के लिए चुनौती और भाजपा के लिए चुनावी अभियान की शुरुआती दस्तक माना जा रहा है। 2027 की जंग के लिए बीजेपी ने नया संगठनात्मक रणक्षेत्र सजा दिया है, 64 पदाधिकारियों की टीम घोषित हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देते हुए भारतीय जनता पार्टी ने अपने नए संगठनात्मक ढांचे मजबूत एजेंडों के साथ चुनावी मैदान में उतारेगी ।पार्टी सूत्रों के अनुसार नई टीम जल्द ही प्रदेशभर में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देगी और बूथ से लेकर मंडल तथा जिला स्तर तक नए अभियान चलाए जाएंगे। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन ही आगामी चुनावी सफलता की सबसे बड़ी कुंजी साबित होगा। नई टीम की घोषणा के साथ ही उत्तर प्रदेश की राजनीति में चुनावी तैयारियों का बिगुल बज चुका है और अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि भाजपा का यह नया संगठनात्मक कुनबा 2027 की चुनावी चुनौती को किस तरह साधता है।

काकोरी जैन मंदिर में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। काकोरी जैन मंदिर में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को गर्भकल्याणक

■ 16 स्वप्नों के फलादेश से आनंदित हुए श्रद्धालु

उत्तर भाग की सभी धार्मिक क्रियाएं बेहद पवित्र माहौल में संपन्न हुईं। सुबह की शुरुआत प्रातः 5:00 बजे नांदीमंगल, सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा और देवागम विधि के साथ हुई, जिसके बाद देवों द्वारा भगवान का नित्य अभिषेक, पूजन किया गया। इसके बाद विधि दीदी व सुनीता दीदी की दीक्षा विधि संपन्न हुई। दोपहर के सत्र में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बनता था, जब महायागमंडल आराधना के साथ तीर्थंकर प्रभु के माता-पिता की गोद भराई एवं सीमंतनी क्रिया का भावपूर्ण मंचन किया गया। शाम के सत्र में जैन काशी मूडबिद्री (कर्नाटक) के जगतगुरु स्वस्ति चारुकीर्ति भट्टारक स्वामी जी के पावन सानिध्य में माता पद्मावती की भव्य प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद गर्भ कल्याणक की आंतरिक क्रियाएं, महाआरती और शास्त्र सभा का आयोजन हुआ। रात्रि में सजे भव्य इंद्र दरबार में तत्व चर्चा हुई, जिसमें सौधर्म इंद्र का आसन कंपायमान होने और माता द्वारा देखे गए सोलह स्वप्नों के फलादेश को देखकर पूरी धर्मसभा तालियों और जयकारों से गूंज उठी।

महापर्व है गर्भ कल्याण-आचार्य विशुद्ध सागर

आचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि ÷गर्भ कल्याणक जीव के रूपांतरण का महापर्व है। जब संसार में किसी तीर्थंकर बालक का अवतरण होने वाला होता है, तो केवल एक माता की कोख ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि का कण-कण पवित्र हो जाता है। माता के देखे गए 16 स्वप्न इस बात के प्रतीक हैं कि आने वाली आत्मा जगत का कल्याण करने वाली है। संसार के माता-पिता मोह में बांधते हैं, लेकिन तीर्थंकर के माता-पिता वह पुण्यशाली जीव होते हैं जो मोक्ष मार्ग का साक्षी बनते हैं। गर्भ में आने से पहले ही रत्नों की वर्षा होना यह बताता है कि जिसके भीतर आत्म-वैभव प्रकट होने वाला हो, बाह्य संपदा स्वतः उसके चरणों में झुक जाती है। उन्होंने कहा कि अपने भीतर के कलुष को धोकर, प्रभु के गुणों को अपने जीवन में उतारना ही वास्तविक कल्याणक मनाना है। मंदिर के प्रमुख विशाल जैन व संयोजक ब्रिजेश जैन बंटी ने बताया कि शुक्रवार को भगवान का जन्म जन्म कल्याण महोत्सव मनाया जाएगा। इस मौके पर आदीश जैन, सरिता जैन, सिद्धार्थ जैन, विकास कुमार, अभिषेक, श्वेता जैन, समीक्षा जैन, अलका जैन, अमरीश जैन, अंकित जैन, साधना जैन, हितेंद्र जैन, चंद्र प्रकाश जैन आदि लोग मौजूद रहे।

गर्मी के बीच खुले परिषदीय विद्यालय बच्चों की किलकारियों से लौटी रौनक

स्वतंत्र भारत, इटौंजा। ग्रीष्मावकाश के बाद गुरुवार को क्षेत्र के प्राथमिक और पूर्व माध्यमिक विद्यालय फिर से खुल गए। पूर्व माध्यमिक विद्यालय महिंगवा, परसहिया, इटौंजा, कुम्हरावा समेत विभिन्न स्कूलों में शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं का स्वागत किया। विद्यालय खुलने से परिसर में एक बार फिर बच्चों की चहल-पहल और किलकारियां सुनाई देने लगीं। हालांकि भीषण गर्मी और उमस के चलते पहले दिन छात्रों की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम रही। कई विद्यालयों में शिक्षक साफ-सफाई और व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुटे नजर आए। शिक्षकों का कहना है कि मौजूदा मौसम को देखते हुए विद्यालयों का संचालन एक जुलाई से शुरू किया जाता तो बच्चों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती थी। गर्मी के कारण छात्र-छात्राएं भी परेशान दिखाई दिए।

सौंदर्यीकरण की बाट जोह रहा ऐतिहासिक लासा देवी मंदिर

गोमती तट स्थित सिद्धपीठ में हर वर्ष उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

स्वतंत्र भारत, इटौंजा। राजधानी क्षेत्र के लासा व अकड़रिया खुर्द गांव के निकट गोमती तट पर स्थित ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का लासा देवी मंदिर आज भी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। स्थानीय लोगों

■ स्थानीय लोगों ने उठाई विकास की मांग

के अनुसार लगभग ढाई सौ वर्ष पूर्व स्थापित इस मंदिर का इतिहास एक दलित परिवार से जुड़ा है, जिसने देवी के स्वप्नादेश के बाद मंदिर का निर्माण कराया था। मंदिर परिसर में आज भी वह प्राचीन गड्ढा मौजूद है, जहां से कीमती कांच निकलने की बात कही जाती है। कार्तिक पूर्णिमा, दशहरा और नवरात्र के अवसर पर यहां विशाल मेले का आयोजन होता है, जिसमें दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचकर गोमती स्नान और देवी

दर्शन करते हैं। परिसर में शिव मंदिर और हनुमान मंदिर भी स्थित हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पूर्व विधायक द्वारा पर्यटन विभाग से 94.14 लाख रुपये की लागत से मंदिर के कायाकल्प की घोषणा की गई थी, लेकिन अब तक कार्य शुरू नहीं हो सका। क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री से मंदिर के सौंदर्यीकरण और पर्यटन स्थल के रूप में विकास की मांग की है, ताकि इस ऐतिहासिक धरोहर को नई पहचान मिल सके।

नोटिस के बावजूद स्टेशन रोड पर जारी अवैध निर्माण

स्वतंत्र भारत संववाददाता, लखनऊ। स्टेशन रोड स्थित भवन संख्या 62/10ए पर बिना स्वीकृत नक्शे के कराए जा रहे निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि अशोक भार्गव द्वारा कराए जा रहे निर्माण के संबंध में वाद संख्या 2092/25 लंबित होने और नोटिस जारी होने के बावजूद निर्माण कार्य लगातार जारी है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रस्तावित व्यावसायिक भवन में पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है, जिससे भविष्य में यातायात समस्या बढ़ सकती है। मामले को लेकर कई शिकायतें लखनऊ विकास प्राधिकरण को दी गई हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों ने प्राधिकरण के उच्च अधिकारियों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

धारदार हथियार से हमला, घायल ने की कार्रवाई की मांग

स्वतंत्र भारत संववाददाता, लखनऊ। थाना वजीरगंज क्षेत्र के जवाहर नगर निवासी मसूद अहमद खान पर कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से धारदार हथियार से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। हमले में घायल मसूद अहमद खान को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित पक्ष की ओर से कशिश फातिमा ने वजीरगंज थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी घटना पर चिंता जताते हुए क्षेत्र में कानून व्यवस्था मजबूत किए जाने की मांग की है।

निर्जला एकादशी पर श्रद्धालुओं ने रखा व्रत

स्वतंत्र भारत लखनऊ। निर्जला एकादशी के अवसर पर गुरुवार को राजधानी के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही भक्तों ने भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना कर व्रत रखा और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। शहर के विभिन्न विष्णु और लक्ष्मीनारायण मंदिरों में विशेष पूजा, भजन-कीर्तन तथा धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। श्रद्धालुओं ने निर्जल रहकर व्रत का पालन किया और जरूरतमंदों को शरबत, फल एवं जल का वितरण भी किया।

कर्मचारियों के लिए कल्याणकारी योजना शुरू

स्वतंत्र भारत निलमथा। करीब एक लाख फ्रंटलाइन कर्मचारियों के लिए नई कल्याणकारी योजना शुरू की गई है। इसके तहत 15 लाख रुपये तक दुर्घटना बीमा, 5 लाख रुपये तक स्वास्थ्य बीमा, आय सुरक्षा, बच्चों के लिए छात्रवृत्ति, पत्नी व बेटियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण, एनपीएस और उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहयोग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस योजना 'अभयम' की शुरुआत डेल्हिवरी ने की है। एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं चीफ एचआर ऑफिसर सूरज सहारन ने कहा कि यह पहल कर्मचारियों और उनके परिवारों को बेहतर सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा प्रदान करेगी।

कब्जे की कोशिश से परिवार में दहशत, निष्पक्ष जांच की मांग

स्वतंत्र भारत संववाददाता, लखनऊ। 19 जून को कथित रूप से निजी फाइनेंस कंपनी के लोगों द्वारा संपत्ति पर कब्जे की कोशिश किए जाने से प्रभावित परिवार में दहशत का माहौल बन गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हाईकोर्ट का स्टे होने के बावजूद दबाव बनाने का प्रयास किया गया, जिससे सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची। उनका कहना है कि मामले में संबंधित अधिकारियों की निष्क्रियता के कारण उन्हें न्याय नहीं मिल सका। पीड़ित परिवार ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और हुए नुकसान की भरपाई की मांग की है।

गणित ओलम्पियाड में लखनऊ के छात्र को गोल्ड मेडल

स्वतंत्र भारत संववाददाता, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस के छात्र लकी अग्रवाल ने यूनिफाइड इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलम्पियाड में गोल्ड मेडल हासिल किया है। उन्होंने 94 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम जोनल रैंक प्राप्त कर विद्यालय और शहर का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर सीएमएस की संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने छात्र को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय के हेड कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच लकी ने गणित, लॉजिकल रीजनिंग और क्रिटिकल थिंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

175 रेलवे स्टेशनों पर लगीं सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें

स्वतंत्र भारत संववाददाता, लखनऊ। इंडस टावर्स ने उत्तर रेलवे के सहयोग से अपने सीएसआर कार्यक्रम 'नारी सम्मान' के तहत 175 रेलवे स्टेशनों पर 500 सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें स्थापित की हैं। दिल्ली, फिरोजपुर, अंबाला, मुरादाबाद और लखनऊ मंडल के स्टेशनों पर लगाई गई ये मशीनें चौबीसों घंटे महिला यात्रियों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराएंगी। अनुसार मशीनें आईओटी आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम से लैस हैं और इनके माध्यम से अब तक लगभग तीन करोड़ सैनिटरी नैपकिन वितरित किए जा चुके हैं। इंडस टावर्स के मुख्य परिचालन अधिकारी तेजिंदर कालरा ने कहा कि यह पहल महिलाओं की गरिमा और स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पांडे ने कहा कि लाखों महिला यात्रियों की सुविधा और सम्मान रेलवे की प्राथमिकता है। यह पहल सार्वजनिक स्थानों को महिलाओं के लिए अधिक अनुकूल और समावेशी बनाने में मदद करेगी। 'नारी सम्मान' कार्यक्रम इंडस टावर्स की सीएसआर पहल 'प्रगति' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य माहवारी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और महिलाओं को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना

अपने पुत्र नदीमअहमद को दुर्व्यवहार के कारण 22.06.2026 से चलअचल संपत्ति से बेदखलकर संबंधविच्छेद कर लिये। वह अपने कृत्यों का स्वयं जिम्मेदार होगा। अनीसअहमद पुत्र स्व इस्लाम नि .मो चौकआलाखां,थाना/तहसील, सदर शाहजहांपुर ।

सी.आर.-588/ D-27

सूचना

मेरे बडे पुत्र सहजाद आलम व उसकी पत्नी, बच्चो का चाल-चलन व आचरण ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति व सम्बन्ध से बेदखल कर दिया है भविष्य में ये अपने समस्त कृत्यों के स्वंय जिम्मेदार होगें। अमानतुल्ला अंसारी पुत्र सलामतुल्ला अंसारी ग्रा0-कटरा शंकरनगर, बलरामपुर।

सी.आर.-583/ D-38

NOTICE

It is hereby informed to the general public that I have changed my name from after marriage KM VAISHALI A LAL to VAISHALI YADAV. In the future, I shall be known and recognized by the VAISHALI YADAV W/O DINESH KUMAR YADAV Address: 633/701, KASHI NAGAR, KANCHANPUR MATIYARI, CHINHAT, LUCKNOW, UP

सी.आर.-584/ L-25

NOTICE

It is hereby informed to the general public that I have changed my name from MAULISHREE SINGH to MAULISHREE SINHA. In the future, I shall be known and recognized by the MAULISHREE SINHA W/O PRASHANT SINGH Address:-H.No.C-46, Aliganj, Sec-E-1, Aliganj, LUCKNOW, UP

सी.आर.-584/ L-25

सामाजिक संतुलन, संगठनात्मक मजबूती और जीत का स्पष्ट रोडमैप

स्वतंत्र भारत, संवाददाता, लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी द्वारा घोषित नई प्रदेश टीम ने संगठनात्मक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर एक स्पष्ट संदेश दिया है। टीम की संरचना पर नजर डालें तो यह साफ दिखाई देता है कि सामाजिक प्रतिनिधित्व, क्षेत्रीय संतुलन और संगठनात्मक मजबूती को विशेष महत्व दिया गया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में गठित इस नई टीम को आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार संगठन के रूप में देखा जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक प्रतिनिधित्व का है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नई टीम में विभिन्न सामाजिक वर्गों को पर्याप्त भागीदारी दी गई है। पंकज चौधरी ने सामाजिक समीकरणों को साधने के साथ-साथ सभी वर्गों को संगठन में सम्मानजनक स्थान देकर समावेशी नेतृत्व का परिचय दिया है। 46 प्रदेश पदाधिकारियों में 28 पदाधिकारी ओबीसी और अनुसूचित जाति वर्ग से हैं, जो कुल संख्या का लगभग 61 प्रतिशत है। वहीं 18 पदाधिकारी सामान्य वर्ग से लिए गए हैं, जिनमें ब्राह्मण, क्षत्रिय और अन्य सामान्य वर्ग की जातियों को संतुलित प्रतिनिधित्व दिया गया है। यह संतुलन इस बात का संकेत है कि संगठन किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर सभी सामाजिक समूहों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम कर रहा है ! नई टीम को देखकर यह कहा जा सकता है कि पंकज चौधरी ने संगठन के भीतर लंबे समय से चर्चा में रहने वाले अधिकांश सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को संतुलित करने में सफलता प्राप्त की है। अनुभवी नेताओं और नई पीढ़ी के कार्यकर्ताओं के बीच सामंजस्य स्थापित करने की कोशिश भी इस सूची में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। राजनीति में केवल चुनाव जीतने की रणनीति ही महत्वपूर्ण नहीं होती, बल्कि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय और ऊर्जावान बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक होता है। पंकज चौधरी की यह नई टीम उसी दिशा में एक मजबूत कदम मानी जा रही है। सामाजिक समावेशन, क्षेत्रीय संतुलन और संगठनात्मक क्षमता के आधार पर गठित यह टीम न केवल संघर्ष करने की क्षमता रखती है, बल्कि आगामी राजनीतिक चुनौतियों में सफलता का आधार भी बन सकती है। नई ऊर्जा, नए उत्साह और व्यापक सामाजिक प्रतिनिधित्व के साथ गठित यह टीम पंकज चौधरी के नेतृत्व में संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का सामर्थ्य रखती है। राजनीतिक कार्यकर्ताओं के बीच भी यह विश्वास दिखाई दे रहा है कि यह टीम केवल मैदान में लड़ेगी ही नहीं, बल्कि जीत का परचम भी लहराएगी।

एफ0 सी0 जे0 फार्म नं0 13 भाग,1
हेतु संदर्शित की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान अतिरिक्त उपजिलाधिकारी महोदय, लखीमपुर-खीरी
वाद संख्या- 3338 सन 2026 तारीख पेशी-02.07.2026
गीता देवी बनाम कमलू आदि
1. रामदेवी पत्नी झब्बूलाल निवासी बसैगापुर, परगना-श्रीनगर, तहसील-लखीमपुर, जिला-खीरी
2. राजरानी पत्नी गोबरे निवासी मझरा, परगना-श्रीनगर, तहसील-लखीमपुर, जिला-खीरी
3. शिवरानी पत्नी मोहनलाल निवासी बिलरिया, तहसील-लहरपुर, जिला-सीतापुर

चूंकि उपरोक्त नामित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक 2026 के 07-02 दिवस को 10:30 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यक रूपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जाएगा व अवधारित किया जाएगा
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मोहर सहित आज दिनांक को निकाली गयी।

आज्ञा से
न्यायाधीश
न्यायालय अतिरिक्त अधिकारी/मजिस्ट्रेट
लखीमपुर खीरी

सी.आर.- 589/D-CN

सूचना

मेरे पिता late BALDEV SINGH S/O GURDIP SINGH EXGS.140612P.L/H SIG में सेवारत थे उनके सेवा अभिलेखों में मेरा नाम त्रुटिवश HARPRIT SINGH तथा जन्मतिथि 15/12/1984 अंकित हो गई थी, जबकि मेरा सही नाम HARPREET SINGH तथा सही जन्मतिथि 01/01/1990 है। मेरे समस्त शैक्षिक एवं अन्य वैध अभिलेखों में नाम HARPREET SINGH तथा जन्मतिथि 01/01/1990 ही दर्ज है। मेरा सही नाम HARPREET SINGH एवं जन्मतिथि 01/01/1990 को ही मान्य माना जाए। हरप्रीत सिंह पुत्र स्वर्गीय बल्देव सिंह ग्राम गोगांवां, पोस्ट मूडा सवारान, तहसील गोला गोकर्णनाथ, जिला लखीमपुर खीरी

सी.आर.- 589/D

उ0 प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

"ई-निविदा विशिष्टीकरण संख्या एस०ई०-1032 के अन्तर्गत "अन्तर्गत 1.1 के0वी0 पी0टी0सी0 एच0आर0एल0एस0 अनआर्मर्ड कापर कन्ट्रोल केबिल" हेतु ई-निविदा आमंत्रित की गयी है।

बिड नं0 : GEM/2026/B/7697509, बिड पोर्टल : bidplus.gem.gov.in, निविदा का प्रकार : खुली ई-निविदा, धरोहर धनराशि : रू० 0.75 लाख, मुख्य विवरण : निविदा जमा करने की प्रारंभिक तिथि : 24.06.2026, 14:23 निविदा समाप्त होने की तिथि: 14.07.2026, 20:00, निविदा तकनीकी भाग-प्रथम खुलने की तिथि : 14.07.2026, 20:30

टिप्पणी :– निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि संशोधन / शुद्धिपत्र / कोरिजेन्डम आदि हेतु जेम-पोर्टल का नियमित अवलोकन करते रहें।

ई–मेल : seesdc1@upptcl.org, सम्पर्क नं० : 91 9415220628

मुख्य अभियन्ता, (कार्य एवं परि0) वि०उ०पा०रि०म०प्र०, यू०पी०सी०टी० सी०एल०, विद्युत उपकेन्द्र परिकल्पना मण्डल–प्रथम, 13वीं तल, शक्ति भवन विस्तार, 14–अशोक मार्ग, लखनऊ

No. 108-ESDC-I (G.S.)/Tender Notice Dated: 25.06.2026

"Save Electricity for Nation"

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा प्रणाली द्वारा सिलबंद अंतिम निविदा तिथि दिनांक 06.07.2026 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुअल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	09592026 दिनांक 24.06.2026
2	निविदा संख्या	19-SrDEN-I-LKO-2026-27
3	कार्य का नाम : लखनऊ– आलमबाग लखनऊ सिटल डीजल शेड में सावधन अनुरक्षणों सहित नए प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण।	
4	अनुमानित लागत	Rs. 64546561.34
5	धरोहर राशि	Rs. 1290900.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से नौ माह।
7	निविदा बाजने की प्रारम्भ तिथि	02.07.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	16.07.2026 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट :– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 2196/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र सूचना

सं. 106–टेली / टेंडर / 08 / 2026–27 (शुद्धिपत्र) दिनांक : 25.06.2026

संदर्भ : निविदा सूचना सं. 106–टेली / टेंडर / 08 / 2026–27 दिनांक : 18.06.2026 के लिए शुद्धिपत्र।

उपरोक्त सन्दर्भित निविदा सूचना जो कि पूर्व में प्रकाशित की गयी है उसमें निम्नलिखित शुद्धियां की जा रही है :–

1. दिनांक 18.06.2026 को प्रकाशित होने वाली निविदा को प्रशासनिक कारणों से अगले आदेश तक निरस्त कर दिया गया है। अन्य शर्तें पूर्ववत ही रहेंगी। 2214/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम लाल बाबू तिवारी (LAL BABU TIWARI) पुत्र हरि नारायन तिवारी है, जो मेरे शैक्षिक अभिलेखों में अंकित हैं। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड सं- 6774 1885 3776 में मेरा नाम एल. बी. तिवारी अंकित हो गया है जो कि गलत है। भविष्य में मुझे मेरे सही नाम लाल बाबू तिवारी (LAL BABU TIWARI) पुत्र स्व. हरि नारायन तिवारी के नाम से जाना व पहचाना जाये। एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकायें स्वयं मेरे द्वारा पूर्ण कि गई है। लाल बाबू तिवारी पुत्र स्व0 हरि नारायन तिवारी निवासी, - 171ए/18 के, कसारी-मसारी, 60 फिट रोड, पोस्ट- जी.टी.बी नगर, थाना-धूमनगंज, प्रयागराज, (उत्तर प्रदेश)।
पिन नं- 211016

सी.आर.- 587/D

हेतु सन्दर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान अपर जिलाधिकारी महोदय वित्त एंव राजस्व जनपद - बाराबंकी
वाद संख्या - D202204120002623
धारा 30 राजस्व संहिता 2006
राजेश कुमार आदि
बनाम
रश्मिराज आदि
बनाम

1-विशाल कुमार पुत्र शिवराम सोनी निवासी रामपुर भवानीपुर तहसील सिरौली गौसपुर जिला बाराबंकी पिन कोड - 225206
2-प्रिन्स पुत्र पारसनाथ निवासी ग्राम - दादरा परगना प्रतापगंज तहसील नवाबगंज जिला - बाराबंकी
3-श्रीमती संगीता सिंह पत्नी धीरेन्द्र बहादुर सिंह निवासी कटिहारा तहसील - बांसडीह जिला बलिया पिन कोड 277304 ------ प्रतिवादी

ता0 पेशी 30-06-2026

चूंकि/उपर्नामांकित को इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतएव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए सन् 2006 ई0 के माह 06 के 30 दिवस को 11 बजे पूर्वाह्न में स्वयं या सम्यकरूपेण अनविश्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 2026 ई0 के 06 माह के 23 के दिवस को निकाली गई।

न्यायाधीश

सी.आर.- 591/D-CN

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

छपरा जं. एवं आनन्द विहार (टं) के बीच नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) रेलगाड़ी संख्या 12527/12528 का शुभारंभ

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे छपरा जं.-आनन्द विहार (टं) के बीच नई सुपरफास्ट एक्सप्रेस (साप्ताहिक) रेलगाड़ी संख्या 12527/12528 का नियमित संचालन निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार प्रारम्भ करेगी:-

12527/12528 छपरा जं. - आनन्द विहार (टं) - छपरा जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस रेलगाड़ी (साप्ताहिक)

रेलगाड़ी सं.: 12527 छपरा जं.-आनन्द विहार (टं) सुपरफास्ट एक्सप्रेस (28.06.2026 रवि से प्रभावी) आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 12528 आनन्द विहार (टं)-छपरा जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस (29.06.2026 सोम से प्रभावी) आगमन	प्रस्थान
—	20:50	छपरा जं.	09:40	—
22:00	22:05	बलिया	08:20	08:25
23:05	23:10	गाज़ीपुर जं.	07:10	07:15
23:50	23:55	ज़ाखनिया	06:30	06:35
01:15	01:20	शाहगंज जं.	04:50	04:55
01:53	01:55	जौनपुर जं.	03:28	03:30
03:28	03:30	सुलतानपुर जं.	01:38	01:40
06:20	06:30	लखनऊ	23:00	23:10
08:15	08:20	कानपुर सेंट्रल	21:35	21:40
11:48	11:50	अलीगढ़ जं.	18:08	18:10
13:18	13:20	गाज़ियाबाद	16:56	16:58
14:00	—	आनन्द विहार (टं)	—	16:25

यात्रा के दिन: 12527 छपरा जं. से प्रत्येक रविवार को दिनांक 28.06.2026 को एवं 12528 आनन्द विहार (टं) से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 29.06.2026 को।
स्थान: प्रथम यात्रा यात्रा-2 टीयर, यात्रा-3 टीयर, यात्रा-3 टीयर इकॉनोमिक, शयनयान एवं सामान्य।
रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलवाइन हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
www.nr.indianrailways.gov.in पर जाएं

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2187/2026

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय, (न्यायिक) मोहम्मदी, जिला खीरी

वाद संख्या सन् वादी
रन्जीत बनाम जसविन्दर सिंह प्रतिवादी
1-जसविन्दर सिंह पुत्र वेयंत सिंह निवासी ग्राम-सूरजपुर नं0-1 भैंसिया, तहसील-गदरपुर,
जिला-ऊधमसिंह नगर, प्रान्त उत्तराखण्ड।
2-हरपाल सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी ग्राम-जसमढ़ी, परगना-पसगवां, तहसील-मोहम्मदी,
जिला-लखीमपुर खीरी।

चूँकि उपरोक्त नामांकित ..... ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि..... अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के माह 07 दिवस 07 को समय प्रातः 10:00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रुपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रुप से सुना जायेगा व अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित सन् के माह दिवस को निकाली गयी।

ता0 पेशी- 07/07/2026 न्यायालय उपजिलाधिकारी (न्यायिक) मोहम्मदी-खीरी

सी.आर.- 585/D-CN

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय श्रीमान अपर आयुक्त प्रशासन महोदय देवी पाटन मंडल गोण्डा
अपील संख्या-सी202608000000653/2026
अपील संख्या-सी202608000000073/2026
लक्ष्मी प्रसाद आदि प्रति अजीत कुमार आदि

ता. पेशी- 01-07-2026

बनाम - कल्पनाथ उर्फ बाऊर पुत्र स्व. भगौती प्रसाद निवासी ग्राम बिकरवा परगना पहाड़ापुर तहसील करनैलगंज जिला गोण्डा।
चूंकि ऊपर नामांकित लक्ष्मी प्रसाद आदि ने इस न्यायालय में यह निवेदन किया है कि निस्तारण राजस्व अपील अत एव आपको एतद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक-01-07-2026 को पूर्वान्ह 10 बजे स्वयं या सम्यकरूपेण अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हों और ऐसा करने में सफल न रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित दिनांक-24-06-2026 को निकाली गई।

न्यायालय अपर आयुक्त प्रशासन देवी पाटन मंडल, गोण्डा

सी.आर.- 586/L-CN

14 करोड़ रुपये की ठगी करने वाला कंपनी निदेशक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) उत्तर प्रदेश ने 14 करोड़ रुपये की कथित निवेश ठगी के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक आरोपी को पश्चिम बंगाल के खड़गपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रोहित कुमार उपाध्याय के रूप में हुई है, जो बस्ती जिले का निवासी बताया गया है। ईओडब्ल्यू के अनुसार यह मामला थाना आलमबाग, लखनऊ में दर्ज मुकदमा संख्या 384/2017 से संबंधित है। मामले में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र और गबन के आरोप लगाए गए हैं। जांच में सामने आया कि पियर्स अलाइड कारपोरेशन लिमिटेड और डीपीयर्स अलाइड कारपोरेशन लिमिटेड के संचालकों, निदेशकों और कर्मचारियों ने भारतीय रिजर्व बैंक से एनबीएफसी के रूप में पंजीकरण प्राप्त किए बिना निवेश योजनाएं संचालित कीं। आरोप है कि कंपनी ने लोगों को कम समय में धन दोगुना और तिगुना करने का लालच देकर आरडी और एफडी जैसी योजनाओं में निवेश कराया। निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए उन्हें कथित तौर पर कूटरचित बॉण्ड और रसीदें दी गईं।

बाद में कंपनी की लखनऊ, बिजनौर और अन्य स्थानों की शाखाएं बंद कर दी गईं और निवेशकों की लगभग 14 करोड़ रुपये की राशि का गबन कर लिया गया। इसके बाद कंपनी से जुड़े आरोपी फरार हो गए। ईओडब्ल्यू की जांच के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्यों में रोहित कुमार उपाध्याय की भूमिका सामने आने के बाद उसकी गिरफ्तारी के प्रयास लगातार किए जा रहे थे। जांच एजेंसी के अनुसार आरोपी कई वर्षों से फरार था और उसकी तलाश बिहार पुलिस भी कर रही थी। लगातार निगरानी और तकनीकी सूचना के आधार पर ईओडब्ल्यू की टीम ने पश्चिम बंगाल के खड़गपुर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है और मामले में अन्य आरोपियों तथा निवेशकों की धनराशि के संबंध में आगे की जांच जारी है।

बंद स्कूल परिसर में फंदे से लटका मिला युवक का शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नवाबगंज थाना क्षेत्र के सराय जयराम गांव में गुरुवार को ससुराल में रह रहे युवक का शव बन्द पड़े स्कूल परिसर में फंदे से लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मूलरूप से कासगंज जनपद के पटियारी थाना क्षेत्र के मन्सा नगर गांव निवासी धर्मवीर (30) पुत्र लालबहादुर अपनी पत्नी पूजा एवं बेटी के साथ ससुराल नवाबगंज के जयरामपुर गांव में रहता था। जहां गुरुवार सुबह ससुर के घर से कुछ दूर स्थित एक बंद हो चुके पुराने स्कूल परिसर में उसका शव फंदे पर लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

राइस मिल में विषैली गैस रिसाव की चपेट में आए दो कर्मियों की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के बहजोई थाना क्षेत्र में स्थित एक राइस मिल में बुधवार की देर रात्रि विषैली गैस रिसाव की चपेट में आने से दो व्यक्तियों की मौत हो गई। राइस मिल में गैस रिसाव की सूचना मिलते ही गुरुवार सुबह पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत बचाव कार्य की जानकारी लेते हुए थाना पुलिस को अग्रिम कार्रवाई के निर्देश दिए। इस घटना का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। घटना को लेकर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि बहजोई थाना क्षेत्र अंतर्गत एसआर राइस मिल में बीती रात करीब 2:30 बजे मक्का की नमी सुखाने का काम किया जा रहा था, वहां पर एक व्यक्ति टैंक (चैंबर) में उतरा और विषैली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गया। उसे बचाने दूसरा कर्मी उतरा और वह भी वहीं टैंक में गिर पड़ा। दोनों कर्मियों को बेहोश देख अन्य कर्मी उनको बचाने के लिए आगे जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके। इस सूचना पर बहजोई थाना एसएचओ तुरंत पुलिस टीम के साथ मौके पर आए। पुलिस टीम ने किसी तरह से गैस रिसाव की चपेट में आए दोनों कर्मियों को टैंक से सावधानी के साथ दोनों को निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांसें थम चुकी थी। एसपी ने बताया कि मृतकों की पहचान विजय और ओमपाल निवासीगण ग्राम संभाराम सहाय थाना मूड़ापांडे जिला मुरादाबाद के रूप में हुई हैं। मृतकों के शवों का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया गया है। मिल मालिक द्वारा मृतकों के परिजनों से बातचीत की जा रही है। वहीं घटना में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।मौके पर किसी प्रकार की कानून व्यवस्था की स्थिति नहीं है। पुलिस इस हादसे की जांच कर रही है।उधर, लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उक्त हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के प्रति गहरा दुख जताया है। उन्होंने तुरंत राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। साथ ही मृतकों के शोक संतप्त परिजनों को नियमानुसार मदद के लिए प्रशासन को निर्देश दिए हैं।

खबर एक नजर

अलीगंज अग्निकांडः 15 मौतों के बाद एसआईटी रिपोर्ट पीएमओ को भेजी गई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। अलीगंज स्थित बहुमंजिला भवन में हुए भीषण अग्निकांड में 15 लोगों की मौत और कई लोगों के झुलसने के बाद पूरे मामले की मॉनिटरिंग अब शीर्ष स्तर पर की जा रही है। राज्य सरकार ने घटना के तुरंत बाद राहत एवं बचाव अभियान, मृतकों और घायलों को दी गई सहायता, दर्ज एफआईआर, आरोपियों की गिरफ्तारी, अधिकारियों के निलंबन तथा एसआईटी जांच से संबंधित सभी बिंदुओं को शामिल करते हुए विस्तृत रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेजी है। रिपोर्ट में घटना के कारणों, प्रारंभिक जांच में सामने आई लापरवाहियों, भवन की स्वीकृति और फायर सेफ्टी मानकों की स्थिति, अब तक हुई प्रशासनिक और कानूनी कार्रवाई तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रस्तावित कदमों का भी उल्लेख किया गया है।

किशोरी से दुष्कर्म कर वीडियो वायरल करने वाला गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के सरोजनीनगर क्षेत्र स्थित न्यू गड़ौरा अंडरपास से सरोजनीनगर पुलिस ने नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म कर उसका वीडियो बनाने तथा वायरल करने की धमकी देकर लगातार शोषण करने वाले वांछित आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया सरोजनीनगर थाने में 17 मई को पीड़ित परिवार ने थाने में तहरीर देकर बताया गया कि आरोपी अम्बुज वर्मा ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसका वीडियो भी बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी लगातार पीड़िता का शोषण करता रहा, जिससे वह मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का शिकार होती रही । वहीं सरोजनीनगर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं, पॉक्सो एक्ट तथा आईटी एक्ट के तहत केस पंजीकृत किया गया । वहीं इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दो टीमों का गठन किया गया था । गिरफ्तार आरोपी की पहचान अम्बुज वर्मा (27 वर्ष) पुत्र हरिशंकर वर्मा, निवासी ग्राम सकेथू थाना खीरी जनपद लखीमपुर खीरी एवं वर्तमान पता नया सरदारीखेड़ा, आलमबाग, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है। गुरुवार को न्यू गड़ौरा अंडरपास के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर युवक का मिला शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह एक अज्ञात युवक का शव मिला, जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया युवक के शरीर पर किसी चोट के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस मृतक की पहचान कराने के साथ ही उसकी मौत के कारणों की जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, डायल-112 पर सूचना मिली थी कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 290 स्थित टोल प्लाजा के पास निर्माणाधीन चार्जिंग पॉइंट के निकट एक व्यक्ति मृत अवस्था में पड़ा है। स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और निरीक्षण किया। पुलिस ने वहां मौजूद निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों से पूछताछ की। कर्मचारियों ने बताया कि गुरुवार सुबह लगभग तीन से चार बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने युवक को एक बस से उतारा था। उसे चार्जिंग पॉइंट के पास बैठाकर वह व्यक्ति वहां से चला गया था। कर्मचारियों के अनुसार, जब उन्होंने युवक से बात की तो उसने बताया था कि उसके चाचा उसे लेने आने वाले हैं। इसके बाद सभी कर्मचारी अपने विश्राम स्थल पर चले गए। सुबह करीब आठ बजे जब वे दोबारा बाहर आए, तो युवक अचेत अवस्था में मिला। पास जाकर देखने पर उसकी मृत्यु हो चुकी थी, जिसके बाद तत्काल डायल-112 पर सूचना दी गई। पुलिस के मुताबिक, मृतक की उम्र लगभग 25 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसका कद औसत, शरीर इकहरा और रंग गेहुआ है। वह सफेद कुर्ता-पायजामा पहने हुए था। शव की तलाशी लेने पर कोई पहचान पत्र या अन्य दस्तावेज बरामद नहीं हुआ, जिससे उसकी पहचान नहीं हो सकी। घटनास्थल पर फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई है। पुलिस ने शव को एंबुलेंस की सहायता से लोकबंधु अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया है।

चेन लुटेरा गिरफ्तार, कब्जे से दो चेन समेत बाइक बरामद

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के जानकीपुरम क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला से चेन लूटने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से लूटी गई दो टूटी हुई चेन और घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद की गई है। इंस्पेक्टर ने बताया कि 21 जून को जानकीपुरम के सेक्टर-एफ निवासी रश्मी भटनागर ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सुबह 7 बजे वह अपने पति आलोक कुमार के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थी उसी दौरान उषा वाटिका पार्क के पास पीछे से आये बाइक सवार बदमाशों ने झपट्टा मारकर उनके गले से चेन लूट ली। आरोपियों की तलाश करने के दौरान टीम ने मुखबिर की सूचना पर गुरुवार को सीडीआरआई रोड से आरोपी राजपाल उर्फ दीपक कुमार (29) को गिरफ्तार किया है आरोपी मूल रूप से सीतापुर संधना के गढ़ी खेरवा गांव का रहने वाला है और मौजूदा समय में बीकेटी के बरगदी इलाके में किराए पर रहकर पेंटिंग का काम करता है। पूछताछ में आरोपी ने करीब 15 दिन पहले बीकेटी क्षेत्र में भी चेन लूट की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। आरोपी के पास से छीनी गई एक टूटी चेन भी आरोपी के कब्जे से बरामद हुई है। आरोपी ने बताया वह महंगे शौक के चलते चेन स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम दे रहा था।

समीक्षा अधिकारी की चेन उड़ाई

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी के विभूतिखंड क्षेत्र में ऑटो में सफर कर रही एक महिला समीक्षा अधिकारी टप्पेबाजों का शिकार हो गई। आरोप है कि रास्ते में कुछ महिलाएं ऑटो में सवार हुईं और धक्का-मुक्की के दौरान उनके गले से सोने की चेन और लॉकेट को छीन लिया। शंकरपुरी कमता निवासी 59 वर्षीय सरला देवी सचिवालय ल में समीक्षा अधिकारी के पद पर तैनात हैं। उन्होंने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 23 जून की सुबह करीब 10:30 बजे वह कमता चौराहे से सचिवालय जाने के लिए एक नीले रंग के ऑटो में बैठी थीं। रास्ते में ऑटो चालक ने लोहिया अस्पताल के सामने वाहन रोककर चार महिलाओं और एक लड़की को बैठा लिया। सरला देवी के मुताबिक, उस समय उन्होंने कोई संदेह नहीं किया। ऑटो में बैठी महिलाएं लगातार धक्का-मुक्की करती रहीं, जिससे उनका ध्यान भटक गया। लोहिया चौराहे पर उतरने के बाद उन्हें पता चला कि उनके गले में पहनी सोने की चेन और उसमें लगा लॉकेट गायब है। उनका आरोप है कि ऑटो में सवार महिलाओं ने भीड़ और धक्का-मुक्की का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। मामले में इंस्पेक्टर विभूतिखंड का कहना है पीड़िता की शिकायत पर मामले की जांच की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल कर आरोपी महिलाओं की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

इंदिरा बैराज में मिला युवक का शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी में गुरुवार इंदिरा बैराज के पास डैम के झाल में एक युवक का शव फंसा हुआ दिखाई दिया। टीम ने शव को बाहर निक लवाया। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज बरामद हुए, जिनके आधार पर शव की पहचान बाराबंकी को मोहम्मदपुर खाला के सूरतगंज निवासी रचित वर्मा उर्फ शीलू के रूप में हुई। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही शव गांव पहुंचा, अंतिम दर्शन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूरे क्षेत्र में शोक और संवेदना का माहौल देखने को मिला। इसके बाद परिजनों ने नम आंखों से रचित का अंतिम संस्कार किया। रचित अपने माता-पिता के इकलौते पुत्र थे। उनकी असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों ने घटना को संदिग्ध बताते हुए मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है। उनका कहना है कि मौत के पीछे की वास्तविक वजह सामने आनी चाहिए और मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जानी चाहिए। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के अनुसार आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

- मृतक की जेब से आधार कार्ड, पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेज बरामद
- शव की पहचान बाराबंकी के मोहम्मदपुर खाला के सूरतगंज निवासी के रूप में हुई

पुरानी रंजिश में फायरिंग एक युवक घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी के विभूति खंड क्षेत्र में बुधवार देर रात विजयपुर के आगे किसान चबूतरा के पास गोली चलने से एक युवक घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक बाराबंकी के मोहम्मदपुर खाला के रंजीतपुर सुनहरा निवासी मोनू शुक्ला उर्फ रोहित (25) मौजूदा समय में चिनहट क्षेत्र के विधायक चौराहा के पास रहता है। मोनू ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसका पिछले करीब 15 दिनों से सैफ, शान यादव, अक्शीर, सार्थक यादव, डेविड, लकी यादव समेत कुछ अन्य लोगों से विवाद चल रहा था। आरोप है कि उन लोगों ने उसके हाथ में तमंचा देकर वीडियो और रील बनाई थी। जिसे वायरल करने की धमकी दे रहे थे। बुधवार रात मोनू किसान चबूतरा के पास पहुंचा था। इस दौरान दूसरे पक्ष के लोग भी बाइक से वहां आ गए। दोनों पक्षों के बीच कहासुनी और विवाद शुरू हो गया। विवाद के दौरान तमंचे को लेकर छीना-झपटी हुई। इस दौरान गोली चल गई, जो मोनू के दाहिने हाथ को छूते हुए जांघ में जा लगी। सूचना पर इंस्पेक्टर विभूतिखंड पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सड़क दुर्घटना में दो की मौत, 3 घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में चोपन थाना क्षेत्र के वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर किनारे खड़े अज्ञात वाहन में पीछे से एक तेज रफ्तार अनियंत्रित मैजिक वाहन ने टक्कर मार दी जिससे उस पर सवार दो लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार गुरुवार की अल सुबह एक तेज रफ्तार मैजिक वाहन अनियंत्रित होकर वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर गुरूदेव आश्रम गुरूमुरा के पास सड़क किनारे खड़ी किसी अज्ञात वाहन में पिछे से टक्कर मार दिया। टक्कर इतनी तेज थी की मैजिक मे सवार दो युवक 32 वर्षीय मनोज कुमार पुत्र स्व रामध्यान मौर्या, निवासी लोढी राबर्टसगंज व 36 वर्षीय श्याम बाबू पुत्र रामदुलारे निवासी छपका की मौके पर मौत हो गई। मैजिक वाहन चला रहे चालक 42 वर्षीय चन्दन गुप्ता पुत्र राजकुमार निवासी चुर्क, 21 वर्षीय शिवा पुत्र राजमन निवासी छपका रावर्टसगंज और 21 वर्षीय विनय कुमार पुत्र स्व शिव प्रसाद निवासी गढ़वाल दुद्धी घायल हो गए। दुर्घटना देखकर राहगीरों ने पीआरवी पुलिस और चोपन पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर पहुंची चोपन पुलिस ने सभी घायलों को इलाज हेतु चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया। दुर्घटना में मनोज कुमार का शव मैजिक में फंसा रहा जिसे कड़ी मशक्कत से चार घंटे के बाद बाहर निकाला जा सका। घटना में घायल चंदन गुप्ता को चोपन स्वास्थ्य केन्द्र से बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया और दोनों घायलों को हल्की चोटें आने की वजह से प्राथमिक उपचार के उपरांत घर जाने के लिए छूट्टी दे दी गई। इस सन्दर्भ में चोपन थाना के उप निरिक्षक विनोद यादव ने बताया की एक मैजिक पर डीजे लेकर बारात लगाने के लिए कुछ लोग कल बुधवार को दुद्धी गये थे। आज सुबह यह लोग लौट रहे थे तभी गुरूमुरा के पास दूर्घटना हो गई जिसमें दो लोग मनोज और श्याम बाबू की मौत हो गई है। दोनों शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना में शामिल वाहन की तलाश की जा रही है और तहरीर मिलने मुकदमा पंजीकृत किया जाएगा।

बंद कमरे में मिला अधेड़ का शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में दिबियापुर थाना क्षेत्र के ककोर बुजुर्ग गांव में ब्रहस्पतिवार को एक अधेड़ व्यक्ति का सड़ा-गला शव बीती देर रात उसके घर के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में मिला जो कि करीब दो से तीन दिन पुराना है। घर से तेज दुर्गंध आने पर पड़ोसियों और परिजनों ने पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची ककोर चौकी प्रभारी आनंदी कुमारी ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक ककोर बुजुर्ग निवासी अरविंद तिवारी (50)पुत्र शरद तिवारी अपने घर में अकेले रहते थे।

वह एक सिक्योरिटी ऑफिस में कार्यरत थे। बुधवार रात करीब 10 बजे उनके भतीजे अभिषेक ने घर से तेज बदबू आने पर कमरे में जाकर देखा तो चाचा अरविंद का शव पड़ा मिला। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी। इस मामले परिजनों ने बताया कि मृतक अरविंद तिवारी शराब पीने के आदी थे और लंबे समय से अकेले रह रहे थे।

उनकी पत्नी की मृत्यु करीब 10 से 12 वर्ष पहले हो चुकी थी। उनका एक पुत्र है, जो बचपन से ही अपने ननिहाल इटावा में रह रहा है। बताया गया कि पिता-पुत्र के संबंध लंबे समय से खराब चल रहे थे।घटना के बाद जब पिता अरविंद की मौत के बारे में पुत्र को जानकारी दी गई तो उसने आने से साफ इनकार कर दिया। उसने पुलिस और परिजनों से कहा कि 'जिस दिन उसकी मां की मृत्यु हुई थी, उसी दिन से उसके लिए उसके पिता भी मर चुके हैं। 'परिजनों के अनुसार, मृतक अरविंद ने भी कभी अपने बेटे को अपने साथ रखने का प्रयास नहीं किया।

मृतक के चाचा विपिन तिवारी सहित अन्य परिजनों ने अंतिम संस्कार की जिम्मेदारी संभाली। सूचना मिलते ही मृतक की बहनें सीमा और संध्या भी घर पहुंच गईं।

शादी के दो दिन बाद दुल्हन फरार युवक ने लगाया ठगी का आरोप

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में बेला थाना क्षेत्र में शादी के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। शादी के महज दो दिन बाद दुल्हन के घर से गायब हो जाने पर युवक ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। युवक ने आरोप लगाया है कि शादी कराने वाले बिचौलियों ने उसके साथ धोखाधड़ी की है। पुलिस के मुताबिक बेला थाना क्षेत्र के दिवियापुर रोड निवासी अब्दुल अली पुत्र फिरोज अली ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि कुछ लोगों ने उसकी शादी कराने की जिम्मेदारी ली थी। इसके लिए उससे करीब 45 हजार रुपये खर्च कराए गए। युवक के अनुसार, 17 जून 2026 को उसकी शादी आगरा के भदावर क्षेत्र में कराई गई थी।पीड़ित ने आरोप लगाया कि शादी कराने वाले बिचौलियों ने व्यवस्था कराने के नाम पर उससे 30 हजार रुपये अतिरिक्त भी लिए थे। शादी के बाद दुल्हन करीब दो दिनों तक उसके बेला स्थित घर में रही, लेकिन 19 जून की सुबह वह बिना बताए घर से चली गई। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग सका। अब्दुल अली का आरोप है कि दुल्हन के अचानक गायब होने में शादी कराने वाले बिचौलियों की भूमिका हो सकती है। उसने इस पूरे मामले को सुनियोजित ठगी बताते हुए पुलिस से निष्पक्ष जांच और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।वहीं प्रभारी निरीक्षक ललितेश त्रिपाठी ने बताया कि युवक की तहरीर प्राप्त हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम में अंधी पत्नी ने पति का तकिये से मुंह दबाकर मौत की नींद सुलाया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जनपद बिजनौर के चांदपुर थाना क्षेत्र बीती रात पति के भांजे से प्यार करने वाली पत्नी ने प्रेम संबंधों का विरोध करने पर पति की हत्या कर दी। पत्नी ने सोते समय पहले पति के सिर पर लोहे की रॉड से वार कर अधमरा कर तकिए से मुंह दबाकर मौत के घाट उतार दिया। मामले का खुलासा तब हुआ, जब 5 साल के बेटे ने पुलिस के सामने अपनी मां की करतूत बता दी। शव के सिर और पैरों पर चोट के निशान मिले। पत्नी से पूछताछ की गई तो वह बार-बार बेहोश होने का नाटक करने लगी।यह वारदात बिजनौर जिला मुख्यालय से 35 किलोमीटर दूर चांदपुर थानाक्षेत्र के नाइपुरा उर्फ जूझारपुरा गांव की है। पुलिस ने आरोपित पत्नी को हिरासत में ले लिया है। गांव के पूर्व प्रधान के मुताबिक महिला का अपने पति के सगे भांजे से प्रेम संबंध था। दोनों चोरी-छिपे फोन पर बात करते थे और कई बार नहर किनारे भी मिलते देखे गए थे। पति इसका विरोध करता था, जिससे घर में अक्सर विवाद होता था। बुधवार सुबह भी पति-पत्नी के बीच मारपीट हुई थी। नाइपुरा उर्फ जूझारपुरा गांव निवासी कुमरसेन (26) की शादी करीब सात साल पहले कमेंद्री (25) से हुई थी। उनके दो बच्चे हैं - 5 वर्षीय बेटा हिमांशु और 3 वर्षीय बेटी सुनैना। बुधवार सुबह करीब 8 बजे पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। शाम करीब 4:30 बजे कमेंद्री ब्लॉक से पैसे निकालने की बात कहकर घर से निकली। करीब आधे घंटे बाद पत्नी कुमरसेन के चाचा खड़ग सिंह के घर पहुंची और बताया कि उसके पति की तबीयत खराब है और वह कुछ बोल नहीं रहे हैं। चाचा जब घर पहुंचे तो कुमरसेन का शव चारपाई पर पड़ा मिला। परिजनों ने शुरुआत में इसे सामान्य मौत समझा और पुलिस को सूचना नहीं दी। बाद में पड़ोसियों की सूचना पर रात करीब 9 बजे पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव का निरीक्षण किया तो सिर और पैरों पर गंभीर चोटों के निशान मिले। खून सूख जाने से पैर काले पड़ चुके थे। पुलिस ने घर की तलाशी ली, लेकिन कोई ठोस सुराग नहीं मिला। पूछताछ के दौरान कमेंद्री बार-बार बेहोश होने का नाटक करती रही। रात करीब 10 बजे सीओ देश दीपक सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बेटे हिमांशु से बातचीत की तो उसने बताया कि उसकी मां ने ही उसके पिता को मारा है और उनके मुंह पर तकिया रखा था। इसके बाद पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

- भांजे से करती थी प्रेम, 5 साल के बेटे ने खोला राज
- मृतक के सिर और पैरों में चोट के निशान

कोचिंग अग्निकांड : अधिशासी अभियंता का निलंबन वापस लिए जाने की मांग

संघर्ष समिति ने अलीगंज अग्निकांड की उच्चस्तरीय जांच कराने की उठाई मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर अग्निकांड की जांच के संबंध में सामने आए तथ्यों का संज्ञान लेते हुए कहा है कि इस दुखद घटना के लिए वास्तविक जिम्मेदारियों की निष्पक्ष जांच किए बिना अधिशासी अभियंता (कलेक्शन) को निलंबित करना पूरी तरह अन्यायपूर्ण, तथ्यहीन तथा बलि का बकरा बनाने की कार्रवाई है। संघर्ष समिति ने उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष से मांग की है कि संबंधित अभियंता का निलंबन तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए।संघर्ष समिति ने कहा कि समाचारों में यह तथ्य प्रमुखता से सामने आया है कि संबंधित भवन में विद्युत सुरक्षा के समुचित इंतजाम नहीं थे और भवन का आवश्यक

इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑडिट भी नहीं कराया गया था। एसआईटी जांच के दौरान विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारी यह अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सके कि भवन का विद्युत सुरक्षा ऑडिट कब किया गया था। घटना से पूर्व भवन की विद्युत सुरक्षा की जांच कब की गई थी। यह स्थिति स्पष्ट रूप से विद्युत सुरक्षा निदेशालय एवं अन्य संबंधित एजेंसियों की गंभीर लापरवाही को दर्शाती है।संघर्ष समिति ने कहा कि यदि किसी भवन में विद्युत सुरक्षा मानकों का अनुपालन नहीं किया गया, विद्युत सुरक्षा ऑडिट नहीं हुआ, अग्नि सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाएं अपर्याप्त थीं तथा संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण नहीं किया गया, तो इन गंभीर कमियों की जिम्मेदारी निर्धारित किए बिना केवल विद्युत वितरण निगम के एक अभियंता को दोषी ठहराना न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।संघर्ष समिति ने कहा कि निलंबन आदेश में स्वीकृत भार से अधिक विद्युत भार उपयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है, जबकि उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार परिसर का विद्युत भार वर्ष 2016 में विधिवत रूप से 20 किलोवाट तक बढ़ाया जा चुका था। अप्रैल, मई एवं जून 2026 में भार वृद्धि की स्थिति की जानकारी मासिक बिलिंग एवं मास्टर डाटा के माध्यम से बाद में प्राप्त होती है तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई अगले माह उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर ही की जा सकती है। ऐसी स्थिति में जुलाई 2026 से पूर्व बढ़े हुए भार के आधार पर किसी अधिकारी को दोषी ठहराना नियमसम्मत नहीं है।संघर्ष समिति ने यह भी कहा कि विद्युत वितरण निगम की जिम्मेदारी उपभोक्ता को विधिवत कनेक्शन उपलब्ध कराना एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना है। भवन के अंदर की वायरिंग, विद्युत उपकरणों की गुणवत्ता, विद्युत सुरक्षा प्रमाणन, अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन तथा समय-समय पर सुरक्षा परीक्षण की जिम्मेदारी भवन स्वामी एवं संबंधित नियामक एवं सुरक्षा एजेंसियों की होती है। इन दायित्वों की उपेक्षा कर एक अभियंता के विरुद्ध कार्रवाई करना वास्तविक तथ्यों से ध्यान हटाने का प्रयास प्रतीत होता है।संघर्ष समिति ने मांग की है कि अलीगंज अग्निकांड की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष एवं तकनीकी जांच कराई जाए, जिसमें विद्युत सुरक्षा निदेशालय, अग्निशमन विभाग, भवन स्वामी, स्थानीय प्रशासन तथा अन्य संबंधित एजेंसियों की भूमिका की भी समग्र जांच हो। साथ ही अधिशासी अभियंता (कलेक्शन) का निलंबन तत्काल वापस लिया जाए और बिना जांच किसी भी अभियंता को दोषी ठहराने की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाए।

मॉर्निंग रेड अभियान में दो दर्जन घरों में पकड़ी गई बिजली चोरी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. के प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल के निर्देश में बड़े विद्युत बकायेदारों एवं विद्युत चोरी में संलिप्त दो दर्जन उपभोक्ताओं पर विद्युत विच्छेदन की कार्रवाई करते हुये प्राथमिकी भी स्थानीय थाने में दर्ज कराई गई।वर्टिकल व्यवस्था के अन्तर्गत गुरूवार को अधिशासी अभियंता रेड असेसमेन्ट एण्ड कलेक्शन अमौसी क्षेत्र के द्वारा विद्युत चोरी रोकथाम व लाइन लॉस को कम करने के लिए फीडरो में विभागीय टीम और विजलेंस टीम द्वारा सद्यन मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया, जिसमें 95 ,सयोजनों को चेक किया गया। इसके चलते 9 उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत चोरी करते पाये गये, जिन पर कार्यवाही की गई। गोमती नगर क्षेत्र में अवैध विद्युत उपभोग के विरुद्ध विशेष कटिया हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत शिवपुरी उपकेंद्र से पोषित हरदासीखेड़ा में लगभग 100 झुग्गी-झोपड़ियों का अवैध कनेक्शन हटाया गया। 2 घरों में विद्युत संयोजन चलता पाया गया, जिस पर मीटर स्थापित था। जांच के दौरान संबंधित उपभोक्ताओं के सही नाम, पूर्ण पता, मोबाइल संख्या एवं आधार कार्ड आदि का सत्यापन उपलब्ध नहीं हो सका, साथ ही विद्युत भार भी अपेक्षाकृत कम पाया गया, जिसके कारण संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कराना संभव नहीं हो सका।इसी क्रम में गुरूवार की सुबह रेड टीम द्वारा उपकेन्द्र लौलाई तथा चिनहट में उपभोक्ताओं के मीटर एवं परिसर की चेकिंग की गयी, जिसमें 3 उपभोक्ता अवैध रूप से विद्युत का उपभोग करते पाये गये। जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गयी।

धमकी भरे लहजे को अखिलेश ने बताया अमानवीय

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जनता अब भाजपाइयों का भाषण सुनने के मूड में नहीं है। अहंकार विवेक हर लेता है। जो दूर से ये धारणा बनाये बैठे थे कि 'कोई' ईमानदार है। भ्रष्ट नहीं है। जन-सेवा में निस्वार्थ भाव से लगा है। भौतिक-लालच से परे है, अब तथाकथित माननीय का 'म्यूट कर दिया गया वो वीडियो' देखकर, उनका भी सारा भ्रम टूटकर चकनाचूर हो गया है।अखिलेश यादव ने कहा कि जो व्यक्ति सैकड़ों कैमरों के सामने किसी मां की गोद उजड़ जाने के सबसे बड़े दुख के क्षण में भी एक दुखी परिवार को सांत्वना देने की जगह धमकी भरे लहजे में, अपने कठोर हाव-भाव के साथ बोल रहा हो, वो कितना हृदयहीन, संवेदना शून्य, निष्ठुर और निर्मम होगा, अब ये बात सबके सामने खुल गई है। इसे ही क्रूर-व्यवहार कहते हैं, ये बेहद अमानवीय है। अब इनके झूठे नायकत्व का सारा मायाजाल तार-तार हो गया है। सबसे ज्यादा ठेस इनके सबसे बड़े उन प्रशंसकों और समर्थकों को लगी है, जो इनकी 'मिथ्या दिव्यता' के गुणगान करते नहीं थकते थे। वो अब अपने घर की महिलाओं को ही मुंह दिखाने लायक नहीं बचे, अन्य महिलाओं का सामना करने की तो बात ही बहुत दूर है। वो जब ये सोचकर देख रहे हैं कि कहीं ऐसी दुखद घटना उनके परिवार के साथ घटती और उनके घर की किसी 'मां' के साथ ऐसा दुर्व्यवहार होता तो क्या होता, ये विचार करके ही वो कांप जा रहे हैं और सोच रहे हैं कि वो किस पाताली कूप में कूदकर अपनी शर्मिंदगी छिपाएं।अखिलेश यादव ने कहा कि याद रखा जाए इनकी कटु-वचन वाणी का ये पहला उदाहरण नहीं है। पत्रकार से लेकर अधिकारी तक पहले भी सरेआम इनका शिकार हो चुके हैं। जिसके लोक व्यवहार में खोट होता है, वो अकेले में कैसा व्यवहार करता होगा, जनता ये समझ गई है। अब क्या तथाकथित माननीय ये कहेंगे कि पूरी दुनिया में फैल चुका उनका वीडियो एआई जेनरेटेड है। सच तो ये है कि अगर जनता चाहे तो एआई से होंठों को पढ़कर ये बता सकती है कि 'वास्तव में उन्होंने किन अपशब्दों का इस्तेमाल किया था'। जिसका अपने वचन-व्यवहार पर नियंत्रण नहीं, वो प्रदेश पर क्या नियंत्रण करेगा और दिल्ली पर राज के सपने क्या देखेगा। इनके इस कुकृत्य की वजह से अब प्रदेश, देश, दुनिया की कोई महिला चाहे वो मां हो या बहन, वो अब भाजपा का पूर्ण बहिष्कार करेगी। इस घटना ने संपूर्ण विश्व में भाजपा की दिखावटी, सजावटी, बनावटी छवि को मिट्टी में मिला दिया है। अब भाजपा इनको पद से हटा भी देगी तो भी 'आधी आबादी' के वोट नहीं पायेगी। क्योंकि 'बात जब मां की आती है तो हर सरहद मिट जाती है। जनता ने भाजपाइयों का 'नारी वंदन' का सच कैमरे के सामने देख लिया है। भाजपा और उनके संकीर्ण सोच के संगी-साथी सभी लोगों की सामंती सोच में जब नारी के लिए ही कोई स्थान नहीं है तो नारी के मान-सम्मान के लिए क्या होगा।

बीबीएयू के प्रो. नवीन प्राकृतिक खेती के लिए सम्मानित

किसानों की आजीविका सुधार और जैविक खेती को बढ़ावा देने के प्रयासों को मिली सराहना

स्वतंत्र भारत लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू), लखनऊ के पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रोफेसर नवीन कुमार अरोड़ा को प्राकृतिक एवं जैविक खेती के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर में सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री और पांच बार सांसद रहे अनुराग सिंह ठाकुर ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया।मानव विकास संस्थान, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित प्राकृतिक खेती विषयक कार्यक्रम में प्रो. अरोड़ा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनुराग सिंह ठाकुर ने की, जबकि पद्मश्री सम्मान से अलंकृत नेकराम शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा को बिलासपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुदृढ़ करने, किसानों को प्रकृति आधारित कृषि पद्धतियों से जोड़ने तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने क्षेत्र में किसानों को टिकाऊ खेती अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ जैव उर्वरक उत्पादन को भी बढ़ावा दिया है।इस उपलब्धि पर बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने प्रो. अरोड़ा को बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत योगदान का सम्मान है, बल्कि विश्वविद्यालय के लिए भी गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के शिक्षक समाज और किसानों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।प्रो. अरोड़ा ने बिलासपुर में जैव उर्वरक उत्पादन इकाई की स्थापना कर किसानों को पर्यावरण अनुकूल और कम लागत वाली खेती की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया है। इस पहल से स्थानीय किसानों को रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और प्राकृतिक खेती अपनाने में मदद मिल रही है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को पूर्ण रूप से जैविक और प्राकृतिक खेती आधारित राज्य बनाना सामूहिक लक्ष्य है। इसके लिए किसानों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों और सामाजिक संस्थाओं की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा जैसे वैज्ञानिकों का अनुभव और शोध किसानों की आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कृषि क्षेत्र में स्थायी और समावेशी विकास को भी गति प्रदान करेंगे। प्राकृतिक खेती न केवल भूमि की उर्वरता बनाए रखती है बल्कि किसानों की लागत कम कर उनकी आय बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध होती है।अपने संबोधन में प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और कृषि क्षेत्र की बढ़ती चुनौतियों को देखते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रही है।उन्होंने विश्वास जताया कि वैज्ञानिक नवाचार, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और किसानों की सक्रिय भागीदारी से प्राकृतिक खेती को व्यापक स्तर पर अपनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी किसानों के हित में अनुसंधान, प्रशिक्षण और तकनीकी सहयोग के माध्यम से उनका योगदान जारी रहेगा।कार्यक्रम में एक हजार से अधिक किसानों ने भाग लिया। इस दौरान अनुराग सिंह ठाकुर, प्रो. नवीन कुमार अरोड़ा, पद्मश्री नेकराम शर्मा, मानव विकास संस्थान के संस्थापक रसम चंदेल तथा विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने किसानों को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में जागरूक किया।वक्ताओं ने किसानों से रासायनिक खेती पर निर्भरता कम कर प्राकृतिक और जैविक खेती अपनाने का आह्वान किया, ताकि कृषि उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण आजीविका तीनों को एक साथ सुदृढ़ बनाया जा सके।

छत्रपति शाहूजी महाराज की जयंती 'आरक्षण दिवस' पर कार्यक्रम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। इंदिरा गाधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के ओबीसी विभाग और एससी विभाग के संयुक्त तत्वाधान देश के इतिहास में दलित,पिछड़े और वँचित तबकों के लिए आरक्षण की नींव रखने वाले महापुरुष राजर्षि छत्रपति शाहू जी महाराज की जयंती 'आरक्षण दिवस जितनी आबादी, उतना हक़ 'मनाया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिन्द ने कहा कि जिस तरह शाहूजी महाराज ने समाज में मौजूद जाति-पाति,ऊंच -नींच,पाखंड -अंधविश्वास और महिला शोषण को महसूस कर उनके लिए न्याय,शिक्षा और भागीदारी पर ऐतिहासिक कार्य किया। उसी तरह आज कांग्रेस पार्टी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ,पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी भी आज देश में सभी वर्गों को आबादी

के अनुपात में हिस्सेदारी दिलाने की मांग लगातार कर रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एससी डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि बीजेपी की सरकार द्वारा देश की संस्थाओं के माध्यम से हमें मानसिक और आर्थिक गुलाम बनाने की नीतियों को समय समय पर पहचान कर उसके खिलाफ आवाज उठाना पड़ेगा। अपने संबोधन में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने देश में धार्मिक नफ़रत और लूट को उजागर करते हुए आरएसएस बीजेपी को चेताया कि राम मंदिर में हुए चढ़ावा लूट की वजह से जनता में आक्रोश है और आगामी 2027 विधानसभा में जनता भगवान के घर में डकैती के पाप के लिए आरएसएस बीजेपी को सबक सिखाएगी।विधायक वीरेंद्र चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि आरएसएस बीजेपी सरकार जातिगत जनगणना का कार्य समय से पूरा कर आबादी के अनुपात में आरक्षण का काम आगे बढ़ाए। ताकि देश की सभी संस्थाओं में सभी वर्गों को आबादी के अनुपात में नौकरी और सभी संसाधनों में हिस्सेदारी तय हो सके। तभी देश का विकास संभव है।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश ओबीसी अध्यक्ष मनोज यादव ने कहा कि भारतीय इतिहास में शाहूजी महाराज एकलौते राजा हुए जो लोकतंत्र चाहते थे और दुर्भाग्य से यह भी सच है कि लोकतंत्र से चुनी हुई आरएसएस बीजेपी सरकार आज देश में लोकतंत्र कमजोर कर राजशाही को मज़बूत कर रही है जिसमें अडानी नाम का एक राजा लगातार देश के सभी संस्थाओं संसाधनों पर कब्जा करता जा रहा है। उन्होंने विभाग का आगामी कार्यक्रम जारी करते हुए कहा कि अगले पूरे महीने प्रदेश भर के प्रत्येक जनपद में बहुजन विचार पर गोष्ठी एवं पदयात्रा का आयोजन होगा।

सुरक्षा मानकों के नाम पर उगाही का खेल शुरू : अखिलेश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार 'कोचिंग बंदी' ले आई। भाजपा अपना भ्रष्टाचार छिपाने के लिए जनता को सुरक्षा मानकों के नाम पर परेशान कर रही है। माना सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन क्या पिछले 10 साल से सरकार सो रही थी। सरकार के पास 1 दिन में इतना स्टॉफ कहां से आया कि पूरे प्रदेश में हजारों लोगों को जांच के बाद नोटिस थमा दिया गया। सच्चाई ये है कि अब सुरक्षा मानकों और अनुमति आदि के नाम पर करोड़ों की उगाही का खेल शुरू हो गया है। भाजपाई आपदा में सम्पदा ढूंढ लेते हैं।उन्होंने कहा कि कोचिंग संस्थानों को बंद करने से, उन लाखों बच्चों का क्या होगा, जो तैयारी कर रहे हैं। इससे अच्छा तो नोटिस देकर सुरक्षा मानकों के लिए तुरंत व्यवस्था करने के निर्देश दिए जाएं, जिससे किराये पर रह रहे बच्चों के कोर्स समय पर खत्म हो सकें। इस तरह की 'कोचिंग बंदी' से तो महंगाई से परेशान लोगों के खर्चे और भी बढ़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा अगर अपनी 'भ्रष्टाचार बंदी' कर दे तो हर समस्या का हल निकल आए। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी चरम पर हैं इस सरकार में कोई विभाग और क्षेत्र भ्रष्टाचार से अछूता नहीं है।

यूपी में गर्मी से मिलेगी राहत, आ रहा मॉनसून

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। यूपी समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी पड़ रही है, जिसकी वजह से मॉनसून का इंतजार हो रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि अगले तीन से चार दिनों में दक्षिण पश्चिम मॉनसून के गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार के बाकी हिस्सों और उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कुछ और हिस्सों में पहुंच जाएगा। इस हफ्ते पश्चिमी तट, पूर्वोत्तर भारत और उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में बहुत भारी बारिश होगी। 27-29 जून तक उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, 28 जून को असम, मेघालय में कहीं-कहीं बहुत ज्यादा भारी बारिश होने वाली है। अगले तीन से चार दिनों में पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों में बिहार और झारखंड के कुछ इलाकों में लू चलने वाली है।उत्तर पश्चिम भारत की बात करें तो 25 जून और 30 जून एक जुलाई के दौरान जम्मू कश्मीर, लद्दाख, 30 जून-एक जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, 29 जून से एक जुलाई के दौरान उत्तराखंड में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने वाली है। 30 जून से एक जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज्यादा से लेकर व्यापक बारिश होने वाली है। 26-29 जून के दौरान जम्मू कश्मीर, लद्दाख में, 28-29 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश, 25-28 जून के दौरान उत्तराखंड में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होगी। 25-27 जून और 29 जून एक जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में, 30 जून से एक जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश, 29 जून से एक जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश, 26 जून को पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं का अनुमान है।मध्य भारत की बात करें तो 25 जून से एक जुलाई के दौरान पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश, 26-27 जून और 30 जून से एक जुलाई के दौरान विदर्भ, 25-26 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होगी। 25 जून और 28-29 जून को विदर्भ, 27 जून से एक जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होगी। 27-29 जून के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश, 26-29 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में, 25-28 जून के दौरान विदर्भ में आंधी तूफान आएगा। बिजली गिरने और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही, 25-29 जून के दौरान छत्तीसगढ़ में तेज हवाएं चलेंगी। 25 जून को पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रेश, 25 जून और 27-28 जून को विदर्भ में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी। छत्तीसगढ़ में 27-28 जून को बरसात होगी। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 25-26 जून के दौरान और पूर्वी मध्य प्रदेश में 25 जून को तेज हवाएं चलने वाली हैं।

जागरूकता अभियान : एलडीए ने होटल संचालकों संग की बैठक

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा शहर में बहुमंजिला भवनों में अग्नि सुरक्षा मानकों के प्रभावी अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता एवं मॉनिटरिंग अभियान संचालित किया जा रहा है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर इस अभियान के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में चरणबद्ध रूप से संबंधित संस्थानों के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं।इसी क्रम में गुरूवार को होटल एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए होटल संचालकों के साथ इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के प्लूटो सभागार में बैठक की गयी। बैठक में एलडीए, अग्निशमन विभाग, विद्युत विभाग समेत अन्य सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिसके द्वारा अग्नि सुरक्षा से संबंधित आवश्यक मानकों एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इस मौके पर एलडीए द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से होटल संचालन में अपनाये जाने वाले सुरक्षा उपायों को स्पष्ट किया गया।बैठक में विशेष रूप से यह निर्देशित किया गया कि किचन में इस्तेमाल किये जाने वाले एलपीजी सिलेंडरों को सीढ़ियों, बेसमेंट अथवा संकुचित स्थानों पर न रखा जाए। एयर कंडीशन सर्किट पर अतिरिक्त विद्युत भार न डाला जाए तथा जनरेटर एवं बैटरियों को उचित वेंटिलेशन वाली जगहों पर स्थापित किया जाए। साथ ही यह स्पष्ट निर्देश जारी किए गए कि सभी भवनों में आपातकालीन निकास अनिवार्य रूप से उपलब्ध हों तथा उनमें किसी प्रकार का अवरोध न हो।

इसी तरह विद्युत सुरक्षा के दृष्टिगत अवगत कराया गया कि सभी संस्थानों में मानक गुणवत्ता की वायरिंग एवं आवश्यक सुरक्षा उपकरणों का उपयोग किया जाना अनिवार्य है। जिससे किसी भी संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। बैठक के दौरान अग्निशमन विभाग से संबंधित प्रश्नों एवं समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने होटल संचालकों से अपील करते हुए कहा कि नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत निर्धारित मानकों का हर हाल में पालन सुनिश्चित कराया जाए। इसमें किसी भी तरह का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि अब एलडीए द्वारा भवन स्वीकृति से पूर्व सभी आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों के लिए अग्नि सुरक्षा मानकों के अनुपालन हेतु नोटरीकृत शपथपत्र अनिवार्य किया गया है, साथ ही जिन भवनों में फायर एनओसी आवश्यक नहीं है वहां भी न्यूनतम मानकों का पालन सुनिश्चित करते हुए शपथपत्रों का अभिलेखीकरण व साप्ताहिक समीक्षा की जाएगी।उन्होंने बताया कि अगले चरण में जिम, कोचिंग सेंटर, क्लब, रेस्टोरेंट एवं विद्यालयों सहित अन्य संस्थानों के मालिकों/प्रबंधकों के साथ जागरूकता बैठक आयोजित की जाएंगी। बैठक में एलडीए के मुख्य अभियंता मानवेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य नगर नियोजक के.के. गौतम, संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह एवं सोम कमल सीताराम, अधीक्षण अभियंता नवनीत शर्मा, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अंकुश मित्तल समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व एमएलसी के बेटे ने दुकानदार से की मारपीट व पिस्टल तानी, गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज स्थित श्रीराम टावर में बुधवार की रात सपा के पूर्व एमएलसी जयचंद भदौरिया के बेटे विवेक सिंह ने मोबाइल दुकानदार पर पिस्टल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली मिस कर गई यही नहीं उसने दुकानदार के सीने पर पिस्टल की नोक से कई वार किए। गाली-गलौज करके जान से मारने की धमकी दी घटना के बाद मौके से फरार हो गया। इससे नाराज दुकानदारों ने हजरतगंज कोतवाली पहुंचकर प्रदर्शन के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अपर पुलिस आयुक्त मध्य ने बताया कि महबूबगंज सहादतगंज निवासी काविश अदित श्रीराम टावर में अर्जुन गुप्ता के साथ पार्टनरशिप में मोबाइल वाला नाम से दुकान चलाते हैं। उन्होंने तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि दुकान पर एक युवक मोबाइल लेने पहुंचा और उससे कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर युवक ने पिस्टल निकालकर धमकाना शुरू कर दिया। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना रिकॉर्ड हो गई है।

शोर-शराबा सुनकर आसपास के दुकानदार और लोग मौके पर पहुंच गए लोगों को आता देख आरोपी वहां से फरार हो गया। घटना के बाद आक्रोशित व्यापारी हजरतगंज कोतवाली पहुंचे और दुकानदार गुप्ता का कहना है कि हमारे पास आरोपी का मोबाइल और गाड़ी नंबर है। करीब दो-तीन घंटे बीतने के बाद कार्रवाई नहीं होता देख उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मामले में कार्रवाई की मांग की

दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान

इटावा के पूर्व सपा एमएलसी जयचंद भदौरिया के बेटे विवेक सिंह के रूप में की गई वह डालीगंज में रहता है जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

जितेंद्र कुमार दूबे अपर पुलिस उपायुक्त मध्य

डीजल चोरी करने वाले मुठभेड़ में घायल, तीन गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में दोहरीघाट थाना क्षेत्र के कुसुमा गांव के पास पुलिस और ट्रकों से डीजल चोरी करने वाले गैंग के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस को गिरोह की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद तीन थानों की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरता देख बदमाशों ने भागने का प्रयास किया, जिसके दौरान पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई के दौरान उपेन्द्र राजभर पुत्र सुभाष राजभर निवासी शत्रुघ्नपुर जनपद गोरखपुर के पैर में गोली लगी जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके कब्जे से एक देशी तमंचा, एक खोखा कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस

ने मौके से त्रिपेश दूबे पुत्र घनश्याम दूबे निवासी भोपा बाजार, चौरी चौरा, गोरखपुर को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह हाईवे किनारे खड़े ट्रकों के टैंकों से डीजल चोरी कर उसे अवैध रूप से बेचता था। मामले में धीरज पुत्र राजकुमार तथा नितेश उर्फ बाबूलाल पासवान के नाम भी प्रकाश में आए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के नेटवर्क और अन्य आपराधिक गतिविधियों की जानकारी जुटा रही है। सीओ घोसी जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अजू, आदित्य जायसवाल और कृष्णा गौंड को वांछित घोषित किया है तथा उनकी तलाश के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

पति समेत ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता ने अपने सेना में कार्यरत पति और ससुराल पक्ष के सात अन्य सदस्यों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट और हत्या के प्रयास का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाना पारा में शिकायत दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। पुलिस के मुताबिक आनंदपुरी बरौरा हुसैन बाड़ी निवासी विजय कुमारी ने बताया कि उनकी शादी बीते 20 नवंबर 2023 को पारा रोड स्थित पूर्वांदीन खेड़ा निवासी पुष्पेंद्र कुमार से हुई थी। विवाह में उनके पिता ने लगभग 15 लाख रुपये नकद के साथ एसी, वॉशिंग मशीन, सोफा सेट, बेड, डाइनिंग टेबल और अन्य घरेलू सामान दिया था। विजय कुमारी का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति पुष्पेंद्र कुमार, सास-ससुर और अन्य परिजन 15 लाख रुपये नकद और एक कार लाने का दबाव बनाने लगे। मांग पूरी न होने पर उनके साथ गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक प्रताड़ना की जाती थी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि कई बार उसका गला दबाकर जान लेने की कोशिश की गई। 22 जून को ससुराल पक्ष ने फिर से 15 लाख रुपये और कार की मांग की। जब उन्होंने अपने पिता और भाई को बुलाया और भाई ने असमर्थता जताई, तो ससुराल पक्ष के लोग उग्र हो गए और घर के अंदर मारपीट शुरू कर दी। विजय कुमारी के अनुसार, जान बचाकर बाहर निकलने पर उन पर ईंट-पत्थरों से हमला किया गया। इस घटना का एक वीडियो भी पुलिस को पेन ड्राइव में सौंपा गया है। महिला ने आरोप लगाया कि उनके पति, जो सेना में हवलदार हैं, सेना में होने का रौब दिखाकर कार्रवाई न होने की धमकी देते थे। इसके अलावा, बीमारी के दौरान उनका समुचित इलाज नहीं कराया गया। पीड़िता का कहना है कि उनके गॉलब्लैडर में पथरी होने के बावजूद ऑपरेशन नहीं कराया गया। विजय कुमारी ने पति पुष्पेंद्र कुमार, जेठ राम सिंह, जेठानी अनीता सिंह, नंदोई मदन पाल, नंद राजेश्वरी, सास भगौती देवी और ससुर शिवदास सहित कुल आठ लोगों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट, हत्या के प्रयास और धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

■ दहेज उत्पीड़न व हत्या के प्रयास का मामला

25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बहराइच में बौंडी थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 25 हजार रुपये का इनामी हिस्ट्रीशीटर अपराधी असलम घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, थाना बौंडी क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देश पर क्राइम ब्रांच की स्वाट टीम और थाना बौंडी पुलिस को लगाया गया था। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि खैरा बाजार से आगे कुदई मार्ग पर कुछ अपराधी चोरी की योजना बना रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि बदमाशों ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षार्थ पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जबकि उसके दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।गिरफ्तार घायल बदमाश की पहचान असलम पुत्र नदीम निवासी सारी मेहराबाद, थाना रामगांव के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके पास से 16 हजार रुपये नकद, दो जोड़ी पायल, आठ बिछिया, एक देशी तमंचा 315 बोर और दो जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि असलम के खिलाफ विभिन्न थानों में चोरी, गैंगस्टर

समेत करीब दो दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह थाना रामगांव का हिस्ट्रीशीटर होने के साथ ही थाना फखरपुर में गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था। वहीं फरार बदमाशों की पहचान फिरोज बौंडी क्षेत्र का निवासी के रूप में हुई उसकी तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

मंडल कमीशन के मसीहा वीपी सिंह को जयंती पर किया गया याद

स्वतंत्र भारत लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह की जयंती पर राजधानी लखनऊ में सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के अधिकारों को लेकर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। होटल क्लार्क अवध में मंडल मसीहा मेमोरियल सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य लोगों ने वीपी सिंह के योगदान को याद करते हुए उन्हें सामाजिक न्याय का अग्रदूत बताया।वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता अब्दुल नासीर नासिर की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में पूर्व मंत्री एवं लोकसभा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम का विषय ÷सामाजिक न्याय में वीपी सिंह की भूमिका÷ रहा, जिस पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए।मौलाना मोहम्मद मुस्तफा मदनी नदवी ने कहा कि पवित्र कुरआन इंसानों के साथ न्याय, भलाई, सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारियों का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है और वीपी सिंह ने अपने राजनीतिक जीवन में इसी सोच को आगे बढ़ाया।मुख्य अतिथि बाबू सिंह कुशवाहा ने कहा कि वीपी सिंह ने उन वर्गों को मुख्यधारा में लाने का कार्य किया जो लंबे समय तक व्यवस्था से वंचित रहे। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए उठाए गए उनके कदमों के कारण उन्हें राजनीतिक कीमत भी चुकानी पड़ी, लेकिन आज देश के करोड़ों लोगों को उसका लाभ मिल रहा है। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डॉ. बी.पी. अशोक ने कहा कि मंडल आयोग की सिफारिशों का अध्ययन कर उन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में शामिल करना चाहिए। वहीं मऊ नगरपालिका के चेयरमैन अरशद जमाल ने अपने क्षेत्र में वीपी सिंह की स्मृति में एक स्मारक स्थापित करने की घोषणा की।संगोष्ठी को प्रोफेसर महेंद्र कुमार मौर्य, डॉ. वीरेन्द्र कुमार यादव, रामचंद्र पटेल, राजेश सिंह, हृदय राम, विपत्ति सिंह यादव, पूर्व विधायक कुबैर भंडारी और रामसागर पाल समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया। सभी ने सामाजिक न्याय, समान अवसर और पिछड़े वर्गों के सशक्तिकरण में वीपी सिंह की भूमिका को ऐतिहासिक बताया।कार्यक्रम के दौरान पद्मश्री प्रो. शादाब मोहम्मद, अरशद जमाल, इलियास बहराइची, मोहम्मद आजम खान, संगीता पाल, रूशदा तथा डॉ. बी.पी. अशोक सहित कई लोगों को सम्मानित भी किया गया।अध्यक्षीय संबोधन में अब्दुल नासीर नासिर ने मांग की कि विश्वनाथ प्रताप सिंह के योगदान को देखते हुए उन्हें सरकारी स्तर पर भी नियमित रूप से याद किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी मोहम्मद गुफरान नसीम ने किया। इस अवसर पर डॉ. रवीन्द्र सिंह, डॉ. वीरेन्द्र सिंह यादव, सऊदुल हसन, डॉ. अब्दुल्लाह नासिर, समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद आजम खान, खिलाड़ी एवं कोच सलीम बॉक्सर, मुजीबुर्रहमान सहित बड़ी संख्या में सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

बीएसएनएल की नई पहल से युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार

स्वतंत्र भारत लखनऊ। भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) ने युवाओं और इच्छुक उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से एक विशेष योजना शुरू की है। योजना के तहत ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर उद्यमियों को इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराने का अवसर दिया जा रहा है। बीएसएनएल का दावा है कि सीमित निवेश के साथ इस योजना से जुड़कर युवा प्रतिमाह 15 से 20 हजार रुपये तक की आय अर्जित कर सकते हैं।बीएसएनएल लखनऊ व्यापार क्षेत्र द्वारा जारी जानकारी के अनुसार योजना के तहत पंजीकरण की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है और इच्छुक व्यक्ति अभी भी आवेदन कर सकते हैं। योजना का उद्देश्य इंटरनेट सेवाओं का विस्तार करते हुए स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।अधिकारियों के अनुसार लखनऊ व्यापार क्षेत्र में अब तक ग्रामीण क्षेत्रों में नौ से अधिक तथा शहरी क्षेत्रों में लगभग 30 लोगों ने योजना के तहत पंजीकरण कराया है और सेवा विस्तार की दिशा में कार्य शुरू किया है।योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को कुल प्राप्त आय का 50 प्रतिशत हिस्सा दिया जाएगा। इसके लिए चयनित उद्यमियों को अपने स्तर पर प्रकाशीय रेशा केबल नेटवर्क की व्यवस्था स्थापित करनी होगी तथा उसके माध्यम से उपभोक्ताओं को ब्रॉडबैंड सेवा उपलब्ध करानी होगी।

प्रदेश के किसानों और ग्रामीण गरीबों को बड़ी सौगात

चना-सरसों खरीद अवधि बढ़ी, 6.18 लाख नए आवास स्वीकृत

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश के किसानों और ग्रामीण गरीब परिवारों के लिए केंद्र सरकार ने बड़ी राहत की घोषणा की है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को महत्वपूर्ण स्वीकृति पत्र सौंपते हुए किसानों और ग्रामीण आवास से जुड़ी कई अहम घोषणाएं कीं।

लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि चना, मसूर और सरसों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की अवधि 15 दिन के लिए बढ़ा दी गई है। अब किसान 24 जून से 8 जुलाई तक अपनी उपज समर्थन मूल्य पर बेच सकेंगे। इस निर्णय से उन किसानों को विशेष लाभ मिलेगा जो पूर्व निर्धारित अवधि में अपनी उपज नहीं बेच पाए थे।केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश

को 6 लाख 18 हजार नए आवासों की स्वीकृति दिए जाने की घोषणा भी की।

उन्होंने कहा कि इससे लाखों गरीब परिवारों का पक्का घर पाने का सपना पूरा होगा और ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर बेहतर बनेगा। अपने संबोधन में शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कृषि और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है तथा केंद्र सरकार प्रदेश को हरसंभव सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों की छोटी जोतों को अधिक लाभकारी बनाने के लिए समेकित कृषि प्रणाली को बढ़ावा देना होगा, जिससे खेती के साथ पशुपालन, बागवानी और अन्य गतिविधियों को जोड़कर किसानों की आय बढ़ाई जा सके।उन्होंने यह भी घोषणा की कि लखनऊ में उच्च गुणवत्ता वाले पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष पौध केंद्र स्थापित किया जाएगा। इससे किसानों को रोगमुक्त और बेहतर पौधे मिल सकेंगे तथा बागवानी क्षेत्र को नई गति मिलेगी।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनका प्रयास रहेगा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए शीघ्र ही एक और किस्त उपलब्ध कराई जाए, जिससे स्वीकृत आवासों का निर्माण कार्य तेजी से शुरू हो सके और पात्र परिवारों को जल्द लाभ मिल सके।उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार मिलकर किसानों की आय बढ़ाने, कृषि को अधिक लाभकारी बनाने और ग्रामीण गरीबों के जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। किसानों के लिए समर्थन मूल्य पर खरीद अवधि बढ़ाने और लाखों नए आवासों की स्वीकृति को प्रदेश के ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

नए सत्र से गोरखपुर के एक लाख स्कूली बच्चों को मिलेगा गुणवत्तापूर्ण गर्मागर्म भोजन

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वास्थ्यप्रद एवं स्वच्छ आहार-विहार का होना आवश्यक है। कुपोषण से मुक्ति के लिए जरूरी है कि स्वच्छता का ध्यान रखते हुए बच्चों को पौष्टिक आहार मिले। समाजहित में यह कार्य अक्षयपात्र फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। स्वच्छ और पौष्टिक आहार मिलने से स्वस्थ बच्चे समृद्ध समाज का आधार बनेंगे।

सीएम योगी गुरुवार शाम गोरखपुर में राज्य सरकार के सहयोग से बने, एक लाख बच्चों के लिए भोजन क्षमता वाले अक्षयपात्र फाउंडेशन के केंद्रीयकृत रसोईघर के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चों के मिड डे मील के लिए अक्षयपात्र फाउंडेशन की तरफ

से भोजन निर्माण में स्वच्छता, पोषण और गुणवत्ता का जो ध्यान रखा जाता है, वह सबके लिए सीखने लायक है। सीएम योगी ने कहा कि मथुरा, लखनऊ, वाराणसी, आगरा, कानपुर में अक्षयपात्र फाउंडेशन के रसोईघर पहले से संचालित हैं। अब सरकार के सहयोग से गोरखपुर में केंद्रीयकृत रसोईघर का निर्माण कर इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। नए शैक्षिक सत्र में 50 हजार से अधिक स्कूली बच्चों को फिर कुछ समय में ही 1 लाख बच्चों को यहां से गर्मागर्म भोजन मेन्यू के हिसाब से प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न और कन्वर्जन कास्ट सरकार उपलब्ध कराती है। बेहतर ढंग से भोजन बनाने और वितरण का कार्य अक्षयपात्र की तरफ से किया जा रहा है।

भोजन की क्वालिटी देखनी हो तो शुरुआत स्वच्छता से करें

मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के लिए सबको सोचना चाहिए। हम स्वस्थ तभी रहेंगे जब हमारा आहार स्वच्छ होगा। आहार स्वच्छ होगा तो वह स्वास्थ्यप्रद भी होगा। पौष्टक आहार से शरीर स्वस्थ होगा और शरीर स्वस्थ रहने पर ही मस्तिष्क भी स्वस्थ होगा। उन्होंने कहा कि घर हो या बाजार, भोजन की क्वालिटी देखनी हो तो शुरुआत स्वच्छता से करें। स्वच्छता में असावधानी होने पर ही फ़ूड पॉयजनिंग जैसी घटनाएं होती हैं। उन्होंने भोजन तैयार और वितरण करने में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के लिए अक्षयपात्र फाउंडेशन की सराहना की।

तीन नए बस अड्डों से चलेगी 300 नई एसी ई-सिटी बसें

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। लखनऊ को मिली 300 नई एसी ई सिटी बसों के संचालन को लेकर तैयारी तेज हो गई है। बस संचालन के लिए ऐसी रूपरेखा तैयार की गई है कि अधिक से अधिक लोगों को सुविधा मिलें और शहर में सिटी बसों से ट्रैफिक जाम की स्थिति से बचा जा सके। इसके लिए लखनऊ को तीन हिस्सों में बांटकर 100-100 सिटी बसें नए बस अड्डों से चलाने की तैयारी है।

लखनऊ में चल रही ई सिटी बसें

लखनऊ में चल रही 115 ई सिटी बसों के लिए सिर्फ दुबग्गा में डिपो हैं। यहां से रोजाना 100 से ज्यादा बसें निकलती हैं और शाम सात बजे लौटती हैं। इस दौरान सिटी बसों से ट्रैफिक जाम और सवारियों को देर रात तक सिटी बसों की सेवाएं नहीं मिल पाती। इसे देखते हुए सिटी ट्रांसपोर्ट ने 300 नई ई एसी सिटी बसों के संचालन की रूपरेखा तैयार की है। ताकि लखनऊ के हर हिस्से तक सिटी बसों की सेवाएं पहुंचे और लोगों को सफर में राहत मिल सके।

■ नई सिटी बसों के संचालन को लेकर तैयारी तेज

■ नये बस अड्डों से जाम से राहत मिलेगी

इन मार्गों पर सिटी बस टर्मिनल के लिए होगी जमीन-----

-लखनऊ-कानपुर रोड पर गंगा एक्सप्रेस वे के पास

-लखनऊ-सुलतानपुर रोड पर किसान पथ के पास

-लखनऊ-अयोध्या रोड पर स्थित कुर्सी रोड के पास

हाईटेक सिटी बस टर्मिनल बनेगा--

वृंदावन में हाईटेक सिटी बस टर्मिनल बनना तय है। नगरीय परिवहन निदेशालय पीपीपी मॉडल पर वृंदावन योजना के सेक्टर-9 स्थित पी-4 पार्किंग में हाईटेक सिटी बस टर्मिनल को स्वीकृत दे दी हैं। इस हाईटेक टर्मिनल और व्यावसायिक परिसर पर कुल 380 करोड़ खर्च होंगे। 105 करोड़ से बस टर्मिनल और 275 करोड़ वाणिज्यिक व सार्वजनिक स्थलों पर खर्च किए जाएंगे।

नई सिटी बसे आने वाली हैं। इन्हें शहर के तीन हिस्सों में बांटकर चलाया जाएगा। जमीन की तलाश है। ताकि हर क्षेत्र के लोगों को सिटी बसों की सेवाएं उपलब्ध कराया जा सके।

विमल राजन, एमडी
सिटी ट्रांसपोर्ट, लखनऊ

जनता की समस्याओं के समाधान में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : ए.के. शर्मा

स्वतंत्र भारत लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा है कि जनता की समस्याओं का त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक समाधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा।

प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए।नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने गुरुवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने ऊर्जा और नगर विकास विभाग से जुड़े मामलों की विस्तार से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे। इनमें नगर निकायों की सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सीवर और जल निकासी की समस्याएं, विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मर स्थापना एवं क्षमता वृद्धि, विद्युत आपूर्ति में बाधा, आवास योजनाओं का लाभ, सड़क निर्माण तथा प्रकाश व्यवस्था से जुड़े प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल रहे।मंत्री ए.के. शर्मा ने एक-एक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि वास्तविक राहत दिखाई देनी चाहिए। जनता की समस्याओं का निराकरण संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ किया जाए।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं के त्वरित

समाधान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जनसुनवाई कार्यक्रम शासन और जनता के बीच सीधे संवाद का प्रभावी माध्यम है, जिससे लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी से संभव हो पाता है और शासन के प्रति विश्वास भी मजबूत होता है।ऊर्जा विभाग से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नए विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, खराब ट्रांसफार्मरों के प्रतिस्थापन तथा विद्युत आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना विभाग की जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होनी चाहिए।नगर विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि सफाई व्यवस्था, पेयजल उपलब्धता, सीवर जाम, जलभराव, आवास योजनाओं और अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़े मामलों में विशेष संवेदनशीलता बरती जाए। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा।जनसुनवाई के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न शिकायतों पर की गई कार्रवाई की जानकारी भी मंत्री को दी। ए.के. शर्मा ने निर्देश दिया कि जिन मामलों का समाधान लंबित है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाए और शिकायतकर्ताओं को समय-समय पर प्रगति से अवगत भी कराया जाए।

उन्होंने कहा कि सुशासन का आधार जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान और प्रशासन की जवाबदेही है। प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के साथ कार्य कर रही है ताकि आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो सके।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

अप्रिय स्मरण

कुछ तारीखों की कड़वी यादें देश के लिए एक चेतावनी की तरह होती हैं। उनमें यह भाव निहित होता है कि इस तरह का अप्रिय प्रसंग दोबारा न घटने पाए। 25 जून 1975 ऐसी तारीख है जब भारत में आपातकाल लगा दिया गया था। यह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का सबसे विवादित अध्याय है। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने यह कदम अपने खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले और उसके अनुक्रम में देश में बढ़ते राजनीतिक विरोध से निपटने के लिए उठाया था। वास्तव में यह निरंकुश होती जा रही सत्ता के प्रति एक लोकतांत्रिक विरोध था जिसे देशवासियों ने हाथों हाथ लिया। इसका नेतृत्व प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण (जेपी) कर रहे थे और समूचा विपक्ष उनकी अगुवाई में लामबंद हो गया था। महत्वपूर्ण बात यह थे कि जनता को एकजुट करने के साथ जेपी ने सेना और पुलिस से अपील की थी कि वे सरकार के अवैध और अनैतिक आदेशों का पालन न करें। इंदिरा सरकार ने इसे देश में अराजकता और विद्रोह को बढ़ावा देने वाला कदम माना। इसी के साथ निरंकुशता और कटु हो गई और आपातकाल लगा दिया गया। स्वाभाविक रूप से मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए और प्रेस पर सेंसरशिप लागू कर दी गई। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी स्तर पर विरोध को सहन न करने का यह अपने ढंग का अलग ही उदाहरण था। पूरे देश में दमन का दौर शुरू हो गया तथा लाखों लोग जेल में ठूंस दिए गए। यह ऐसी निरंकुशता थी जिसमें औचित्य और अनौचित्य का कोई विचार ही नहीं था। जैसा अक्सर होता है कि पद पर बैठा व्यक्ति दमन का कदम उठाता है और उसके समर्थक और आगे बढ़कर सभी कार्रवाइयों को और असहनीय बना देते हैं। इस मामले में भी ऐसा हुआ। इस दमन से 21 मार्च 1977 से मुक्ति मिली लेकिन इस अवधि में कभी न भूलने वाला अनुभव पूरे देश ने प्राप्त किया। इसके बाद हुए चुनाव में इंदिरा गांधी को हार का सामना करना पड़ा। इस पूरे अप्रिय प्रसंग को लेकर वर्षों तक तमाम बहसें होती रहीं।कुछ लोगों ने इतना सब होने के बाद भी इसे उचित ठहराने का लगातार प्रयास किया लेकिन राजनीतिज्ञों के साथ ही समाज के प्रबुद्ध वर्ग ने इसे किसी भी तर्क से उचित नहीं माना। काफी समय बीत जाने के बाद कांग्रेस से कुछ अग्रणी नेताओं ने माना कि आपातकाल में ज्यादतियां हुई थी लेकिन देश ने पौने दो साल तक एक बुरे सपने का दौर तो भोगा ही। हालांकि यह भी सही है कि इमरजेंसी के बाद से लेकर आज तक सत्ता में रहने वाले नेतागण असहिष्णुता के चरम पर जाने से बचते रहे। वास्तव में लोकतंत्र की आत्मा इमरजेंसी जैसे कदमों को स्वीकार कर ही नहीं सकती। यह अच्छी बात है कि उसके बाद से हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली पर कोई खतरा नहीं आया है।

प्रशंसनीय निर्णय

विकासोन्मुख उत्तर प्रदेश के लिए बहुत संतोष की बात है कि प्रदेश सरकार और वैश्विक तकनीकी संस्थाएं मिलकर काम करेंगी। इस बारे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गूगल क्लाउड के अधिकारियों के साथ बेंगलुरु में बैठक कर आवश्यक विचार विमर्श किया है और निर्णय लिया गया है। गूगल की ओर से कहा गया कि कंपनी भारत के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उत्तर प्रदेश सरकार के साथ मिल कर इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के अवसर को लेकर उत्साहित है। दुनियाभर में मशहूर इस तकनीकी संस्था का सहयोग तकनीकी विकास की और निश्चित रूप से कई क्षेत्रों में कदम बढ़ाएगा। इससे गूगल की विशेषज्ञता का लाभ भी यूपी को मिल सकेगा। यही वजह है कि उसके साथ विचार विमर्श में यह बात प्रमुख रही कि टेक्नोलॉजी के माध्यम से सरकारी सेवाओं की पहुंच और प्रभावशीलता को कैसे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही किसानों, युवाओं, स्टार्टअप्स, एमएसएमई क्षेत्रों और आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए नवाचार आधारित समाधानों पर दोनों पक्षों के बीच विचार विमर्श किया गया। इस बातचीत के अलावा बेंगलुरु में ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर टेक्नोलॉजी, इंश्योरेंस, स्टार्टअप और मानव संसाधन से जुड़े उद्योग जगत के दिग्गजों ने प्रदेश को निवेश, नवाचार, रोजगार सृजन का सबसे संभावनाशील स्थल बताया। जाहिर है कि ऐसे समूह उत्तर प्रदेश में विकास की गतिविधियों की दिशा में प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से प्रभावित और उत्साहित हैं। यह काम अगर पहले की सरकारों ने किया होता तो आज प्रदेश विकास की दिशा में कहीं आगे होता। फिर भी योगी सरकार ने इस दिशा में काफी तेज गति से काम किया जिसके नतीजे सामने आते जा रहे हैं। राज्य में बाहरी निवेश में लगातार काफी बढ़ोतरी हुई है तथा औद्योगिक गतिविधियों के साथ शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों के लोग भी बड़ी संख्या में जुड़े हैं। इससे उनकी अपनी प्रगति तो हो ही रही है, प्रदेश भी आगे बढ़ रहा है।

विशाल बाजार और बड़ी युवा आबादी हैं भारत की शक्ति

उधर तकनीक के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहा है. एआइ, ऑटोमेशन और डाटा आधारित निर्णय प्रणाली व्यापार की कार्यशैली बदल रही है. जो व्यवसाय तकनीक अपनायेंगे, वे आगे बढ़ेंगे, जो पुराने तरीकों पर अड़े रहेंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा कठिन होगी. वैश्विक संकट का सामाजिक प्रभाव भी है. महंगाई बढ़ने से आम आदमी की क्रय शक्ति प्रभावित होती है. जब उपभोक्ता खर्च कम करता है, तो बाजार की मांग घटती है एवं व्यापार प्रभावित होता है. इसलिए सरकारों के लिए आवश्यक है कि वे रोजगार, बुनियादी ढांचे और निवेश को बढ़ावा दें. भारत सरकार के अवसंरचना, डिजिटल इंडिया, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन और स्टार्टअप नीति जैसे कदम सही दिशा में हैं. पर इनका लाभ तभी व्यापक होगा, जब उद्योग जगत भी पारदर्शिता, गुणवत्ता और नवाचार को प्राथमिकता देगा।

– आदर्श टिबरेवाल

आज का विश्व ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां राजनीति, अर्थव्यवस्था, तकनीक और भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे व्यापार और आम जनजीवन को प्रभावित कर रही हैं. रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा संकट, महंगाई और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान ने दुनिया के व्यापारिक ढांचे को बदल कर रख दिया है. ऐसे समय में संकट केवल चुनौती नहीं होता, वह नये अवसरों के द्वार भी खोलता है. बीते कुछ वर्षों में दुनिया ने देखा है कि वैश्विक व्यापार कितना परस्पर जुड़ा हुआ है. चीन में उत्पादन रुकने से अमेरिका में सामान की कमी हो जाती है, यूरोप में युद्ध होने से भारत में पेट्रोल व डीजल की कीमतें बढ़ जाती हैं, और समुद्री मार्गों में बाधा आने से छोटे व्यापारियों तक की लागत बढ़ जाती है. इससे पता चलता है कि अब व्यापार स्थानीय नहीं रहा, बल्कि हर व्यवसाय किसी न किसी रूप में वैश्विक घटनाओं से प्रभावित होता है। वर्तमान समय भारत के लिए मिश्रित प्रभाव लेकर आया है. एक ओर कच्चे तेल, गैस और आयातित वस्तुओं की कीमतें बढ़ने से उत्पादन लागत बढ़ी है, तो दूसरी ओर विश्व की बड़ी कंपनियां चीन पर निर्भरता कम कर भारत की ओर देख रही हैं. यह भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर है. यदि हम अपनी उत्पादन क्षमता, गुणवत्ता और लॉजिस्टिक को मजबूत करें, तो भारत विश्व का प्रमुख विनिर्माण और निर्यात केंद्र बन सकता है. पर आज व्यापार की सबसे बड़ी चुनौती अनिश्चितता है. डॉलर की कीमत में उतार-चढ़ाव, कच्चे माल की कीमतों में तेजी, ब्याज दरों में वृद्धि और उपभोक्ताओं की बदलती क्रय क्षमता ने व्यापारिक रणनीतियों को पूरी तरह बदल दिया है।ऐसे में केवल बड़ा कारोबार होना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि लचीला और दूरदर्शी कारोबार होना आवश्यक है. वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों का सबसे अधिक प्रभाव छोटे और मध्यम उद्योगों पर पड़ा है. कच्चे माल की कीमतें बढ़ीं, परिवहन महंगा हुआ, बैंक ऋण पर ब्याज बढ़ा और बाजार में प्रतिस्पर्धा तीव्र हो गयी है. ऐसे में कई छोटे उद्योगों के लिए नकदी प्रवाह बनाये रखना कठिन हो गया है. पर ठीक इसी दौर में डिजिटल तकनीक ने नये अवसर भी दिये हैं. आज एक छोटा व्यापारी भी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से देश-विदेश के ग्राहकों तक पहुंच सकता है. डिजिटल भुगतान, इ-कॉमर्स और सोशल मीडिया मार्केटिंग ने आज व्यापार की परिभाषा बदल दी है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका विशाल घरेलू बाजार और युवा जनसंख्या है. आज भारतीय उपभोक्ता गुणवत्ता, ब्रांड और सुविधा को महत्व देता है. यह बदलाव भारतीय उद्योगों के लिए सकारात्मक संकेत है. यदि हम 'मेक इन इंडिया' को गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा से जोड़ें, तो भारतीय उत्पाद विश्व बाजार में मजबूत पहचान बना सकते हैं. वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का महत्व भी बढ़ गया है. कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने स्पष्ट कर दिया है कि आयात पर अत्यधिक निर्भरता जोखिमभरा है. भारत को नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, सौर ऊर्जा और हरित उद्योगों पर तेजी से काम करना होगा. यह केवल पर्यावरण की आवश्यकता नहीं, आर्थिक मजबूती की भी शर्त है। उधर तकनीक के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहा है. एआइ, ऑटोमेशन और डाटा आधारित निर्णय प्रणाली व्यापार की कार्यशैली बदल रही है. जो व्यवसाय तकनीक अपनायेंगे, वे आगे बढ़ेंगे, जो पुराने तरीकों पर अड़े रहेंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा कठिन होगी. वैश्विक संकट का सामाजिक प्रभाव भी है. महंगाई बढ़ने से आम आदमी की क्रय शक्ति प्रभावित होती है. जब उपभोक्ता खर्च कम करता है, तो बाजार की मांग घटती है एवं व्यापार प्रभावित होता है. इसलिए सरकारों के लिए आवश्यक है कि वे रोजगार, बुनियादी ढांचे और निवेश को बढ़ावा दें. भारत सरकार के अवसंरचना, डिजिटल इंडिया, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन और स्टार्टअप नीति जैसे कदम सही दिशा में हैं. पर इनका लाभ तभी व्यापक होगा, जब उद्योग जगत भी पारदर्शिता, गुणवत्ता और नवाचार को प्राथमिकता देगा। आज भारतीय व्यवसायियों के सामने निर्यात का बड़ा अवसर भी है. विश्व बाजार नये आपूर्तिकर्ता खोज रहा है. टेक्सटाइल, फार्मा, इंजीनियरिंग, फूड प्रोसेसिंग, ऑटो कंपोनेंट और आइटी सेवाओं में भारत की क्षमता बहुत बड़ी है. हमें केवल सस्ती कीमत पर नहीं, विश्वस्तरीय गुणवत्ता और समय पर आपूर्ति के आधार पर प्रतिस्पर्धा करनी होगी. समझना होगा कि व्यापार केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं है. वर्तमान वैश्विक संकट ने सिखाया है कि मजबूत समाज और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे के पूरक हैं. कर्मचारियों का कौशल विकास, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी, स्थानीय समुदायों का सहयोग और नैतिक व्यापारिक व्यवहार अब केवल सामाजिक दायित्व नहीं, दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता की शर्त बन चुके हैं. वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण अवश्य हैं, पर निराशाजनक नहीं. भारत के पास जनशक्ति, बाजार, उद्यमिता और लोकतांत्रिक स्थिरता जैसी अनेक शक्तियां हैं. यदि हम आत्मविश्वास, नवाचार और अनुशासन के साथ आगे बढ़ें, तो यह संकट भारत के लिए एक नये आर्थिक युग की शुरुआत बन सकता है।

।। यथार्थ गीता ।।

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ त्रयोदशोऽध्यायः

(गतांक से आगे

दर्शन के साथ ही देवी सम्पद की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, अतः वह भी परमात्मा में स्वतः विलीन हो जाती है। भजनेवाला पुरुष परमात्मा में प्रवेश पा जाता है। ग्यारहवें अध्याय में अर्जुन ने देखा कि कौरव-पक्ष के अनन्तर पाण्डव-पक्ष के योद्धा भी योगेश्वर में विलीन होते जा रहे हैं। इस विलय के पश्चात् पुरुष का जो स्वरूप है, वही क्षेत्रज्ञ है। आगे देखें-

क्षेत्रज्ञं चापि मां विद्धि सर्वक्षेत्रेषु भारत। क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोर्ज्ञानं यत्तज्ज्ञानं मतं मम ।।2।।

हे अर्जुन ! तू सब क्षेत्रों में क्षेत्रज्ञ मुझे ही जान अर्थात् मैं भी क्षेत्रज्ञ हूँ। जो इस क्षेत्र को जानता है, वह क्षेत्रज्ञ है ऐसा उसे साक्षात् जाननेवाले महापुरुष कहते हैं और श्रीकृष्ण कहते हैं कि मैं भी क्षेत्रज्ञ हूँ अर्थात् श्रीकृष्ण भी एक योगेश्वर ही थे। क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ अर्थात् विकारसहित प्रकृति और पुरुष को तत्त्व से जानना ही ज्ञान है, ऐसा मेरा मत है अर्थात् साक्षात्कारसहित इनकी जानकारी का नाम ज्ञान है। कोरी बहस का नाम ज्ञान नहीं है।

तत्क्षेत्रं यच्च यादृक्च यद्विकारि यतश्च यत्। स च यो यत्प्रभावश्च तत्समासेन मे शृणु ।।3।।

वह क्षेत्र जैसा है और जिन विकारोंवाला है तथा जिस कारण से हुआ है तथा वह क्षेत्रज्ञ भी जो है और जिस प्रभाववाला है, वह सब मुझसे संक्षेप में सुन। अर्थात् क्षेत्र विकारवाला है, किसी कारण से हुआ है, जबकि क्षेत्रज्ञ केवल प्रभाववाला है। मैं ही कहता हूँ- ऐसी बात नहीं है, ऋषि भी कहते हैं-

ऋषिभिर्बहुधा गीतं छन्दोभिर्विविधैः पृथक्। अगर किए कि है हेतुमद्भिर्विनिश्चितैः ।।4।। छाए । ब्रह्मसूत्रपदैश्चैव

यह क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ का तत्त्व ऋषियों द्वारा बहुत प्रकार से गायन किया गया है।

क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

दानशक्ति प्रिय बोलिबो, धीरज उचित विचार ।
ये गुण सीखे ना मिलैं, स्वाभाविक हैं चार ।।

मनुष्य के अंदर कुछ गुण स्वंय से उत्पन्न होते हैं। जैसे दान करना, मीठी बातें करना, लोगों की सेवा करना, समय पर सही-गलत का निर्णय लेना। इसे कहीं और से नहीं सिखा जा सकता।

♦♦♦

आपातकाल के कैदी मेरे पिता

– के. विश्वदेव राव

उन दिनों (1976-77) दिल्ली की तिहाड़ जेल के वार्ड सत्रह में पिताजी नजरबन्द थे। जार्ज फर्नांडिस तथा 23 अन्य के साथ। सी.बी.आई. की चार्जशीट में लगी धाराओं के अनुसार उन्हें सजाये-मौत देने की मांग की गई थी। यह मेरे जन्म (22 मार्च 1978) के चन्द महीनों पहले का वृत्तांत है। अपने अग्रज सुदेव और दीदी विनीता तथा माँ सुधा से विवरण सुनता आया था। पुलिसिया आकलन में बड़ौदा डाइनामाईट केस के सभी अभियुक्तों का इन्दिरा गाँधी के सर्वाधिक खतरनाक शत्रुओं में शुमार था। हालांकि तमाम सच्चे झूठे प्रयासों के बावजूद सी.बी.आई. कोई प्रमाण नहीं जुटा पाई थी कि इन विद्रोहियों ने किसी प्रकार की प्राण-हानि पहुँचाई हो। बड़ौदा सेन्ट्रल जेल में पिताजी के साथ पाँच कैदी थे जिन्हें तन्हा कोठरी में बेड़ियों के साथ दो ताले लगाकर अलग-अलग बन्द किया जाता था। इन नब्बे वर्ग फिटवाली कोठरियों का निर्माण महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने 1876 में फांसी के सजायाफ्ता अपराधियों के लिए किया था। कुछ महीनों बाद इन कैदियों को बड़ौदा से दिल्ली के तिहाड़ जेल में ले जाया गया। वहाँ नौ राज्यों में गिरफ्तार किये गये डायनामाइट केस के अन्य अभियुक्तों को भी साथ रखा गया था। एक साहसी संवाददाता के नाते पिताजी ने अभिव्यक्ति की आज़ादी के दमन के विरूद्ध अभियान चलाया था। इंडियन फेडरेशन ऑफ़ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पुणे सम्मेलन, 1973 में) वे चुने गये थे। अतः प्रेस सेंसरशिप (25 जून 1975) लागू होते ही संघर्ष शुरू कर दिया था। फेडरेशन की राष्ट्रीय परिषद के बंगलूर अधिवेशन (फरवरी 1976) में इन्दिरा गाँधी शासन की तानाशाही की भर्त्सना वाला प्रस्ताव उन्होंने बहुमत से पारित कराया। इसके चन्द दिनों बाद ही (19 मार्च 1976) गुजरात पुलिस ने पिताजी को कैद कर लिया। इस बीच हमारे परिवार पर क्या गुजरी यह दर्दभरी दास्तां है। मेरी माँ (डा. सुधा) का बड़ौदा मंडलीय रेलवे अस्पताल से पाकिस्तान के सीमावर्ती गाँधीधाम (कच्छ) रेगिस्तानी इलाके में तबादला कर दिया गया। वे राजपत्रित रेल अधिकारी थीं। परिवार बिखर गया। पिताजी ने जेल से ही स्वाधीनता सेनानी और संपादक रहे रेलमंत्री पंडित कमलापति त्रिपाठी को विरोध-पत्र लिखा कि अंग्रेजों ने भी कभी किसी स्वाद्दीनता सेनानी के परिवार को तंग नहीं किया, तो फिर कांग्रेस सरकार की ऐसी अमानवीय नीति क्यों? आखिर स्वयं त्रिपाठी जी तथा मेरे दादाजी (नेहरू के नेशनल हेरल्ड के संस्थापक-सम्पादक) स्व. के. रामा राव भी (1942) में जेल गये थे। उनके परिवार को ब्रिटिश राज ने कभी परेशान नहीं किया था। इस पर रेल मंत्री ने दिल्ली के एक पत्रकार-प्रतिनिधि मंडल से कहा कि वे असहाय थे। ऊपर से आदेश आया था इतना सब होने के कुछ दिन पूर्व ही अचानक बड़ौदा के समाचारपत्रों में खबर छपी कि कर्नाटक पुलिस और सी.बी.आई पिताजी को सान्ताक्रूज (मुम्बई) थाने में, फिर बंगलूर की हिरासत में ले गई है। माँ ने सी.बी.आई. अधिकारियों से विरोध व्यक्त किया कि बिना परिवार को सूचित किये बड़ौदा जेल में न्यायिक हिरासत से बाहर पिताजी को कैसे ले गये? इस पर पुलिस का जवाब था, सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायमूर्ति ए. एन. राय के निर्णय के अनुसार इमेर्जेंसी में सरकार को किसी भी नागरिक की जान लेने का भी अधिकार है। इसके खिलाफ कहीं भी सुनवाई नहीं हो सकती है। बंगलूर (मल्लीश्वरम्) पुलिस हिरासत में ठण्डी फर्श पर सुलाना, बिना कुर्सी दिये घंटों खड़ा रख कर सवाल-जवाब करना, रात को तेज रोशनी चेहरे पर डालकर जगाये रखना, इसपर भी कुछ न बताने पर हेलिकाप्टर (पंखे से लटकाना) बनाना आदि यातनायें दीं गईं। बडौदा के मुख्य दण्डाधिकारी और जिला जज ने जमानत की याचिका खारिज कर दी। बाद में पिताजी की अपील सुनकर गुजरात हाई कोर्ट ने जमानत पर रिहाई का आदेश दे दिया। तभी इन्दिरा गाँधी सरकार ने उन पर मीसा (आन्तरिक सुरक्षा कानून) के तहत नजरबन्दी का आदेश लागू कर दिया। तब तक कानून था कि यदि पुलिस साठ दिन में चार्जशीट नहीं दायर कर सकी तो जमानत अपने आप मिल जाती थी। इस प्रावधान को कांग्रेस सरकार ने संशोधित कर एक सौ बीस दिन कर दिया। इसके अलावा यह भी कानून बना दिया गया कि पुलिस के समक्ष दिया गया बयान भी सबूत माना जायेगा। अर्थात जबरन लिया गया वक्तव्य भी वैध बना दिया गया जो गुलाम भारत में भी नहीं था। जब जमानत मिलने पर भी जेल के अन्दर ही पिताजी को दुबारा गिरफ्तार कर दिल्ली रवाना कर दिया गया तो ये सारे अमानविक तथा अवैध संशोधन अपनी तीव्रता खो चुके थे। तब एक चुटकुला चल निकला था कि मीसा के मायने हैं मेंइंटिनेन्स ऑफ़ इन्दिरा एण्ड संजय (इन्टर्नल सेक्युरिटि) एक्ट है। अन्याय की पराकाष्ठा तो तब हुई जब पिताजी के वकील को भी जेल में निरुद्ध कर दिया गया था। बड़ौदा जेल में पिताजी के साथ यादगार घटनायें हुईं। बड़ौदा जेल में पिताजी को भोजन की कठिनाई तो होती थी क्योंकि वे प्याज-लहसुन तक का परहेज करते है। नाश्ते में उन्हें गुड़ और भुना चना मिलता था। जिसे वे चींटियों और चिड़ियों को खिला देते थें। लेकिन सबसे कष्टदायक बात थी कि पत्रकार को समाचार पत्र नही मिलते थे। पिताजी की दशा बिन पानी की मछली जैसी थी। मगर यह दुःख शीघ्र दूर हो गया जब एक युवक रोज पिताजी के लिए अखबारों का बण्डल पहुँचाता था। जिसे तरस खाकर जेलर साहब पिताजी के बैरक में पहुँचा देते थे। वह युवक था नरेन्द्र दामोदरदास मोदी, अधुना गुजरात के मुख्य मंत्री (आज भारत के प्रधानमंत्री)। उनकी कैद के प्रथम दिन से ही पिताजी की प्रतिरोधात्मक संकल्प शक्ति को तोड़ने की साजिश सी.बी.आई. रचती रही थी। आला पुलिस हाकिमों ने केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर पिताजी को जार्ज फर्नांडिस के विरूद्ध वादामाफ गवाह (एप्रूवर) बनाने का सतत यत्न किया था। एक दिन तो उनलोगों ने पिताजी को अल्टिमेटम दे डाला कि यदि वे सरकारी गवाह नही बनेंगे तो उनकी पत्नी (मेरी माँ) को भी सहअपराधी बनाकर बड़ौदा जेल में ले आयेंगे। तब मेरी बहन विनीता चार वर्ष की और भाई सुदेव तीन वर्ष के थे। दूसरे शनिवार को माँ बड़ौदा जेल भेंट करने आईं। उनसे पिताजी ने पूछा। माँ ने बेहिचक कहा कि, जेल में खाना पकाऊँगी। यहीं रहेंगे। पर साथी (जार्ज फर्नांडिस) से गद्दारी नही करेंगे। अगले दिन सी.बी.आई वाले जानने आये। पिताजी का जवाब तीन ही शब्दों में था, लड़ेंगे. झुकेंगे नहीं। फिर यातनाओं का सिलसिला ज्यादा लम्बाया। कैदी के रूप में पिताजी तथा उनके साथियों से बड़े अपमानजनक तरीके से बर्ताव किया गया था, खासकर जब उन्हें अदालत ले जाया जाता था। हथकड़ी और मोटी रस्सी से बांध जेल से कोर्ट और वापस ले जाते थें। सैकड़ों सशस्त्र पुलिसवाले उनकी गाड़ी के आगे पीछे चलते थे। पिताजी की कलाई के साथ स्व. वीरेन जे. शाह को भी बाँधा जाता था। इस पर पिताजी ने व्यंग किया कि इन्दिरा गाँधी ने असली समाजवाद ला दिया है। श्री वीरेन शाह अरबपति, उद्योगपति (मकुन्द आयरन एण्ड स्टील के मालिक), भारतीय जनसंघ के सांसद और बाद में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बने। अर्थात श्रमजीवी पत्रकार मेरे पिता तथा पूंजीपति वीरेन शाह का संग! आपातकाल के दौरान बड़ौदा डायनामाइट केस में बंद पिताजी से जब माँ तिहाड़ जेल में मिलीं, तो उन्हें दोनों मुख्य आरोपियों (पति और जॉर्ज फर्नांडिस) को फांसी होने का डर था। लेकिन मीडिया सेंसरशिप के बावजूद जेल में बंद पिताजी को जनता के मूड का सही अंदाजा था। चुनाव बाद मोरारजी देसाई की सरकार बनी और कैबिनेट ने पहला फैसला इस केस को वापस लेने का किया। 22 मार्च 1977 को सभी रिहा हुए। बाद में, कांग्रेस की कानूनी चुनौतियों को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। हमारें परिवार की यह गाथा है।

काँव-काँव

♦♦♦

गूगल कंपनी के सहयोग से यूपी में विकास-योगी
अपना भारत,स्वदेशी भारत भी साथ में चलेगा!
नीट रीएक्जाम सफल होने पर पीएम मोदी प्रसन्न
पेपरलीक के बिना एक्जाम हो गया,चमत्कार है!
कोर्ट पर लोगों का भरोसा बड़ी चुनौती-सीजेआई
जस्टिस लोया की राह कौन जाना चाहेगा भला?
आंध्रप्रदेश में निजी गोल्ड माईनिंग प्रोजेक्ट शुरू
किसान को खेत में सिक्के मिलें तो सरकार के !
यूरोप के छब्बीस देशों में गर्म हवाओं का कहर
लखनऊवासी पसीना टपकाते चाय पी रहे हैं!
जेबरहित परिधानों में राममंदिर चढ़ावे का हिसाब
राम जी अपना हिसाब-किताब बाद में देखते हैं!

♦♦♦

प्रेरक प्रसंग

श्रम का पुरस्कार

बहुत दिनों पहले की बात है, गिलहरी पूरी तरह काली हुआ करती थी। छोटी-छोटी झाड़ियों के बीच, घास के मैदानों में, ऊंचे बड़े पेड़ों पर रेंगती फिरती कूदती फांदती लेकिन लोग उसे सुंदर प्राणी नहीं समझते थे। गिलहरी को गांव के परिवारों के साथ रहना पसंद था लेकिन गांव वाले उसे पसंद नहीं करते थे। वह घरों में पहुंच जाती तो बच्चे डर जाते और लोग उसे भगाने लगते। गांव में एक आश्रम था जिसमें साधू बाबा रहते थे। गिलहरी उनके पास रहने लगी। जो बाबा खाते वह गिलहरी खाती, जो वे यज्ञ हवन करते उसकी साक्षी बनती और जो वे जप मंत्र पढ़ते उसके पुण्य का लाभ उठाती। धीरे धीरे गिलहरी बीज, कंद और मूल खाने वाली साध्वी बन गई। कुछ समय बाद बाबा रामेश्वरम की तीर्थयात्रा पर निकले तो वह गिलहरी भी उनके साथ हो ली। रामेश्वरम के समुद्र तट पर बाबा ने जहां डेरा डाला वहीं किसी पेड़ पर एक कोटर में गिलहरी ने भी अपना घर बना लिया।

रामेश्वरम में थोड़ा ही समय बीता था कि राम और रावण का युद्ध छिड़ गया और राम जी ने सिंधु में सेतु निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया। नल और नील के नेतृत्व में बन्दर और भालू समुद्र में पत्थर डालकर सेतु बनाने लगे। यह देखकर गिलहरी भी रेत के कण उठाकर समुद्र में डालने लगी। यह छोटा सा काम था लेकिन बड़े निर्माण में छोटे से छोटे काम का महत्व होता है, यह समझकर नल नील ने उसे टोका नहीं और वह अपना काम करती रही। भगवान राम भी उसे चुपचाप काम करते देखते। जिस दिन पुल का निर्माण पूरा हुआ, उस दिन, नन्हीं सी गिलहरी द्वारा प्रदर्शित उत्तरदायित्व, लगन और श्रम की भावना को पुरस्कृत करने के लिये भगवान राम ने उसे अपने हाथों में उठाया और आशीर्वाद से भरी अपनी अंगुलियों को उस पर फेरा।

आश्चर्य! भगवान राम के हाथ और ऊंगलियों के निशान जहां लगे वहां का रंग भगवान की त्वचा जैसा सांवला हो गया और वह अत्यंत आकर्षक दिखाई देने लगी। कहते हैं तभी से गिलहरी की गणना सुंदर प्राणियों में होने लगी। गांव के बच्चे उसे देखकर खुश हो जाते, उसे बगीचों से कोई नहीं भगाता और लोग उससे खूब प्रेम करते। गिलहरी को मिले इस वरदान से उसके आगे की संतति भी सुंदर हुई। अंत में जब सेतु निर्माण का इतिहास लिखा गया तब हर कवि और रचनाकार ने उस नन्हीं गिलहरी का उल्लेख अपनी रचना में किया।

आपका पत्र मिला

ईमानदार व्यवस्था से भी सुरक्षित रहती है आस्था

अयोध्या में निर्मित भव्य राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था, संघर्ष, धैर्य और भावनाओं का प्रतीक है। सदियों के इंतजार, अनगिनत लोगों के त्याग और लंबे कानूनी संघर्ष के बाद जब प्रभु श्रीराम का मंदिर साकार हुआ, तो देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं ने इसे अपनी श्रद्धा का केंद्र माना। ऐसे पवित्र स्थान पर चढ़ावे की चोरी या अनियमितता के आरोप सामने आना केवल आर्थिक अपराध का विषय नहीं है, बल्कि यह लोगों के विश्वास और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाने वाला मामला है।

मंदिर में आने वाला प्रत्येक दान किसी व्यक्ति की निजी संपत्ति नहीं होता, वह श्रद्धालुओं की श्रद्धा का प्रतीक होता है। कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई से कुछ रुपये अर्पित करता है, कोई आभूषण चढ़ाता है, तो कोई अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा करता है।

उस विश्वास की रक्षा करना मंदिर प्रबंधन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है। जिस व्यवस्था पर लोगों ने भरोसा किया, यदि उसी व्यवस्था में बैठे कुछ लोग उस विश्वास को तोड़ते हैं तो यह अत्यंत पीड़ादायक स्थिति है।

आज के समय में बड़े धार्मिक संस्थानों के लिए पारदर्शी व्यवस्था और आधुनिक निगरानी प्रणाली जरूरी है। दान की डिजिटल व्यवस्था, नियमित ऑडिट, सीसीटीवी निगरानी, दान सामग्री का स्पष्ट रिकॉर्ड और सार्वजनिक जवाबदेही जैसी व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं के विश्वास को और मजबूत कर सकती हैं। आस्था केवल भावनाओं से नहीं, बल्कि ईमानदार व्यवस्था से भी सुरक्षित रहती है।

विभूति बुपक्या
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।

संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

दिन की बजाए रात को ही क्यों बिगड़ती है तबीयत?

हम सभी कभी ना कभी तो बीमार हो ही जाते हैं। कभी इंफेक्शन तो कभी बदलते मौसम के चलते सिरदर्द,बुखार,जुकाम जैसी समस्या हो ही जाती है। वैसे तो कोई भी शख्स किसी भी उम्र में बीमार पड़ सकता है लेकिन क्या आपने भी कभी नोटिस किया कि लोग दिन की बजाए रात को ज्यादा बीमार पड़ते हैं। अक्सर लोगों की सेहत दिन की बजाए रात को बिगड़ती है और अगर तबीयत दिन में खराब हो गई तो रात में इसके लक्षण ज्यादा दिखते हैं। क्या सच में ऐसा ही होता है या यह सिर्फ वहम (भ्रम) है? अगर आप भी इसके बारे में नहीं जानते तो चलिए आपको इसके पीछे का मेडिकल कारण बताते हैं। एक्सपर्ट की मानें तो बहुत से लोगों को ऐसा लगता है कि तबीयत दिन की बजाए रात को खराब होती है। इसके पीछे मेडिकल कारण हैं। दरअसल, शरीर की नेचुरल कार्डिएक रिदम इसमें अहम रोल प्ले करती है। बॉडी की बायोलॉजिकल क्लॉक कई प्रोसेस को रेगुलेट करती है जिसमें हार्मोन रिलीज, टेम्परेचर कंट्रोल और इम्यून रिस्पॉन्स सब शामिल हैं। रात में डाइजेशन और सर्कुलेशन सहित शरीर के कुछ फंक्शन स्लो हो जाते हैं क्योंकि उस समय शरीर आराम कर रहा होता है। इसी के चलते सांस और जोड़ों के दर्द की दिक्कत भी बढ़ सकती है। रात में, शरीर के कुछ फंक्शन जैसे डाइजेशन और सर्कुलेशन धीमे हो जाते हैं क्योंकि शरीर आराम कर रहा होता है। इसी वजह से रात के समय तबीयत अधिक बिगड़ सकती है। इसकी वजह से सांस से जुड़ी दिक्कतें और जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है। बहुत से लोग ऐसे भी है जिन्हें दमे की शिकायत रात में ज्यादा हो जाती है। ऐसा शरीर में कोर्टिसोल लेवल में बदलाव होने के कारण होता है। यह लेवल रात के समय कम हो जाता जिसके चलते शरीर की इंफ्लेमेशन से लड़ने की ताकत कम हो जाती है। जब हम रात को लेटते हैं तो लेटने की वजह से एसिड रिफ्लक्स और नाक से जुड़ी दिक्कतें बढ़ जाती है क्योंकि लेटने की पोजिशन के चलते ग्रेविटी, म्यूकस के बाहर निकलने और पेट के एसिड के मूव करने में सपोर्ट नहीं करती है। रात के समय ही स्ट्रेस और एंग्जायटी अधिक हो जाती है जिसके कारण कई बार दर्द और डिस्कम्फर्ट बढ़ जाता है। रात में इम्यून सिस्टम ज़्यादा एक्टिव हो जाता है, जिससे शरीर को इंफ़ेक्शन से लड़ने में मदद मिलती है हालांकि, इस प्रोसेस की वजह से इंफ़्लेमेशन और बुखार भी हो सकता है।

चुकंदर खाने का सही तरीका क्या है? जानिए कैसे मिलेगा दोगुना फायदा

चुकंदर को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें आयरन, फोलेट, फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर में खून की कमी को दूर करने और संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।यही वजह है कि कई लोग हीमोग्लोबिन बढ़ाने के लिए नियमित रूप से चुकंदर का सेवन करते हैं। पर, बहुत कम लोग जानते हैं कि चुकंदर खाने का सही तरीका और सही समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना इसका सेवन करना। गलत तरीके से या जरूरत से ज्यादा चुकंदर खाने पर कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं, ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव या अन्य स्वास्थ्य परेशानियां हो सकती हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि चुकंदर का सेवन किस रूप में, कितनी मात्रा में और किस समय करना चाहिए ताकि शरीर को इसका पूरा लाभ मिल सके। आइए जानते हैं चुकंदर खाने का सही तरीका और इससे जुड़ी जरूरी बातें।

चुकंदर खाने का सही तरीका

1. सुबह खाली पेट करें सेवन- चुकंदर का सेवन सुबह खाली पेट करने से शरीर इसके पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाता है। इससे ऊर्जा बढ़ती है और शरीर को दिनभर एक्टिव रहने में मदद मिलती है।

2. जूस की बजाय सलाद में खाएं- विशेषज्ञों के अनुसार चुकंदर को सलाद के रूप में खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इससे फाइबर भी मिलता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

3. गाजर और आंवला के साथ लें- चुकंदर को गाजर और आंवला के साथ मिलाकर खाने से शरीर को अतिरिक्त विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। यह खून बढ़ाने और इम्यूनिटी मजबूत करने में मददगार हो सकता है।

4. सीमित मात्रा में सेवन करें- रोजाना 1 मध्यम आकार का चुकंदर या 150-200 मिलीलीटर चुकंदर का जूस पर्याप्त माना जाता है। अधिक मात्रा में सेवन करने से कुछ लोगों को पेट संबंधी परेशानी हो सकती है। 5. किडनी स्टोन के मरीज रखें सावधानी। चुकंदर में ऑक्सालेट की मात्रा होती है। जिन लोगों को किडनी स्टोन की समस्या है, उन्हें डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करना चाहिए।

चुकंदर खाने के फायदे

शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ाने में मदद कर सकता है। ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

इन पत्तों में छिपा है भरपूर विटामिन बी12 खाते ही थकान हो जाऐगी दूर

लोगों ने ताकत वाली चीजें खाना कम कर दिया है। आजकल समोसा, बर्गर, पिज्जा, नूडल्स जैसे जल्दी और आसानी से मिल जाने वाले फूड ज्यादा खाए जाते हैं। ये टेस्ट बड्स के लिए वरदान और सेहत के लिए श्राप साबित होते हैं। इनमें पोषण की कमी होती है जिसकी वजह से जरूरी विटामिन की कमी हो जाती है। उसी मे से एक है विटामिन बी12 जो कि हमारे शरीर के लिए एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है पर अक्सर शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाती है, जिसे दूर करने के लिए हम तरह तरह के दवा और पता नहीं क्या-क्या खाते हैं।आमतौर पर विटामिन बी12 मांसाहारी भोजन जैसे मांस, मछली, अंडे और डेयरी में पाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछ पत्तों में भी विटामिन बी12 भरपूर मात्रा में होता है? ये पत्ते न केवल शरीर को ताकत देते हैं, बल्कि थकान भी जल्दी दूर कर देते हैं।

विटामिन बी12 से भरपूर पत्ते

सरसों के पत्ते- सरसों के पत्ते स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इनमें विटामिन बी12,ए, सी,के और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं। इन पत्तों को खाने से शरीर का इम्यून सिस्टम सही होता है और पाचन तंत्र भी मजबूत होता है। सरसों के पत्ते आयरन का अच्छा स्रोत होते हैं, जिससे खून की कमी दूर होती है और थकान भी दूर होती है। इन्हें सूप, पराठे या सलाद के रूप में खा सकते हैं, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी लाभकारी होते हैं।

बथुआ- बथुआ में भी विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा होती है।

यह पत्तियां शरीर को न केवल एनर्जी देता हैं, बल्कि पाचन तंत्र को भी सही बनाए रखने में मदद करती हैं। इसमे फाइबर और पोटेशियम की मात्रा भी पाई जाती है, वहीं इसके सेवन से दिल की बीमारियों का खतरा भी कम होता है।

मशरूम के पत्ते- मशरूम के पत्ते भी स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं। इनमें प्रोटीन, फाइबर, और विटामिन डी की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं और शरीर में इम्यून सिस्टम को स्ट्रॉग बनाती हैं। मशरूम के पत्तों का सेवन करने से पाचन तंत्र भी स्वस्थ रहता है और वजन को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। आप इन्हें सूप, सलाद या विभिन्न व्यंजनों में डालकर खा सकते हैं। यह स्वाद में भी बेहतरीन होते हैं और सेहत के लिए लाभकारी होते हैं।

पालक- पालक में विटामिन बी12 की अच्छी मात्रा होती है। इसमें फॉलिक एसिड और आयरन भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो शरीर को ताकत देते हैं। अगर आप पालक को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो यह थकान को जल्दी दूर करने में मदद करेगा।

चुकंदर के पत्ते- चुकंदर के पत्तों में भी विटामिन बी12 मौजूद होता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी पूरी होती है और थकान दूर होती है।

इसके नियमित सेवन से शरीर में एनर्जी बनी रहती है और संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है। यह पाचन को भी दुरुस्त रखता है और शरीर को ताजगी प्रदान करता है। इन पत्तों को अपनी डाइट में शामिल करके आप न केवल अपनी थकान को दूर कर सकते हैं, बल्कि शरीर को मजबूती भी प्रदान कर सकते हैं।

रात को चैन की नींद चाहिए? करें ये योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव और थकान के कारण सबसे ज्यादा असर हमारी नींद पर पड़ता है। पर्याप्त नींद न मिलने से न सिर्फ स्वास्थ्य प्रभावित होता है बल्कि दिनभर थकान और चिड़चिड़ापन भी बना रहता है। ऐसे में योग एक प्राकृतिक उपाय है जो न सिर्फ शरीर को रिलैक्स करता है बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है। नियमित योगाभ्यास से अनिद्रा दूर होती है और रात को गहरी नींद आती है। योग नींद और रिलैक्सेशन के लिए एक संपूर्ण उपाय है। यदि आप रोज रात को सोने से पहले 15-20 मिनट इन आसनों और प्राणायाम का अभ्यास करें, तो आपको गहरी और सुकून भरी नींद मिलेगी। **शवासन-** यह सबसे आसान और प्रभावी आसन है। इसमें सीधे लेटकर आंखें बंद करें और गहरी सांस लें। तनाव और थकान को दूर करने में यह बेहद सहायक है। यहविश्राम आसन मानसिक थकान को दूर करता है और आपको आंतरिक शांति देता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क शांत और तनाव व हल्के अवसाद से राहत पाने में मदद मिलती है। शवासन पूरे शरीर को आराम देता है। इस आसन से सिरदर्द, थकान और अनिद्रा की शिकायत को दूर किया जा सकता है। शवासन रक्तचाप कम करने में मदद करता है। **बालासन-** यह आसन मन और शरीर को शांति देता है। इसे करने से नसों में तनाव कम होता है और नींद जल्दी आती है। इस आसन का अभ्यास शरीर को आराम देता है और तनाव को कम करता है। इसके अभ्यास के लिए वज्रासन की स्थिति में बैठकर माथे को जमीन पर लगा लें। दोनों हाथों को जमीन पर रखकर जांघों से छाती पर दबाव डालें। इस अवस्था में कुछ देर रुकें। **पश्चिमोत्तानासन -** यह आसन दिमाग को शांत करता है और थकान को कम कर गहरी नींद लाने में सहायक होता है। इस आसन को करने के लिए सीधे पैरों के साथ बैठकर हाथों को आगे बढ़ाते हुए पैर की उंगलियां पकड़ें और सिर को घुटनों से लगाएं। **भ्रामरी प्राणायाम-** मधुमक्खी जैसी गूंजती ध्वनि करने से मन शांत होता है और दिमाग तुरंत रिलैक्स हो जाता है। इस प्राणायाम के अभ्यास के लिए आराम से बैठकर आंखें बंद कर लें।

पुरानी खांसी का पक्का इलाज भूना हुआ अमरूद

खांसी और जुकाम के लिए भुना हुआ अमरूद लेना एक घरेलू उपाय है। विशेषज्ञ के अनुसार, भुना हुआ अमरूद पुरानी खांसी से छुटकारा पाने में काफी फायदेमंद साबित होता है। अमरूद में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है और अमरूद में मौजूद गुण खांसी पैदा करने वाले माइक्रोबियल को रोकते हैं। एक स्टडी के मुताबिक, सर्दी में लगने वाली खांसी में भुने हुए अमरूद के साथ उसके पत्ते भी बहुत फायदेमंद रहते हैं। अमरूद एस्कॉर्बिक एसिड और आयरन का एक भरपूर स्रोत है जो लंग कंजेशन और बलगम बनने की प्रक्रिया को कम करता है। सबसे पहले एक कच्चा अमरूद लें और याद रखिए कि अमरूद कच्चा ही होना चाहिए। इसे दो हिस्सों में काट लें और सेंधा नमक लगाकर स्टोव पर भून लें। बैंगन की तरह जब अमरूद पूरी तरह से भुन जाए,तो उसे खांसी से पीड़ित व्यक्ति को खिला दें। भुना हुआ अमरूद तीन से चार दिन तक खाएं। जिन लोगों को शुगर है उन्हें अमरूद की पत्तियों का पानी पीना चाहिए। अमरूद की नरम साफ पत्तियां लें और जरूरतानुसार पानी में उबाल लें। इस पानी का सेवन करें। यह डायबिटीज रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

फायदे : अमरूद में विटामिन सी, विटामिन ए और फाइबर के अलावा पोटेशियम, फोलिक एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा भरपूर होती हैं जो हमारे शरीर के लिए बहुत बढ़िया माने जाते हैं। अमरूद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। अमरूद के सेवन से कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित रहता है और दिल को स्वस्थ बनाए रखता है। अमरूद में फाइबर की उच्च मात्रा होती है जो पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है। जिन लोगों को कब्ज की समस्या रहती हैं उन्हें काला नमक लगाकर अमरूद का सेवन जरूर करना चाहिए।

क्या वजन घटाने और दिल के लिए हैल्दी है लाल मिर्च?

लाल मिर्च केवल खाने का स्वाद बढ़ाने वाला मसाला नहीं है, बल्कि यह हमारी सेहत के लिए भी कई तरह से फायदेमंद है। भारतीय खाने में मिर्च का इस्तेमाल स्वाद और तीखापन देने के लिए किया जाता है, लेकिन इसके स्वास्थ्य लाभ कई स्तरों पर होते हैं। लाल मिर्च मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने, पाचन को सुधारने, इम्यूनिटी मजबूत करने और दिल की सेहत बनाए रखने में मदद करती है। **मेटाबॉलिज्म बढ़ाए-** लाल मिर्च में कैप्साइसिन नामक तत्व मौजूद होता है, जो इसे तीखा बनाता है। कैप्साइसिन में थर्मोजेनिक गुण पाए जाते हैं, जो शरीर में कैलोरी बर्न करने और मेटाबॉलिज्म को तेज करने में मदद करते हैं। इसका नियमित और सीमित मात्रा में सेवन करने से न केवल मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है बल्कि यह वजन कम करने में भी सहायक होता है। इसके अलावा, कैप्साइसिन शरीर में ऊर्जा खर्च बढ़ाकर फैट जलाने में मदद करता है, जिससे स्लिम और फिट रहने में आसानी होती है।

पाचन को बेहतर बनाए- लाल मिर्च का सेवन पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है। यह लार और पाचक रसों के उत्पादन को बढ़ाता है, जिससे खाने को आसानी से पचाया जा सकता है। इसके अलावा, मिर्च ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाती है, जो कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक होती है। ध्यान रहे कि अत्यधिक मिर्च खाने से सीने में जलन या एसिडिटी हो सकती है, इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

दिल का ख्याल रखे- लाल मिर्च में भरपूर एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो गुड कोलेस्ट्रॉल (HDL) बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, कैप्साइसिन ब्लड क्लॉट्स बनने से रोकता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। नियमित रूप से लाल मिर्च का सेवन करने से दिल स्वस्थ रहता है और रक्त संचार भी बेहतर होता है।

खून नहीं बनता तो करें खजूर का सेवन

अगर शरीर में खून की कमी हो या हीमोग्लोबिन का लेवल कम हो, तो इसे बढ़ाने के लिए कई नेचुरल उपाय हैं। इनमें से एक सबसे असरदार उपाय है खजूर का सेवन। खजूर में भरपूर पोषक तत्व होते हैं जो शरीर में खून की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। चलिए जानते हैं कि खजूर कैसे खून की कमी को दूर करने में मदद करता है और इसे कैसे सही तरीके से खाया जाए।

खजूर खाने के फायदे- आयरन : खजूर में आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन के बनने लिए जरूरी है। जब आयरन की कमी होती है तो खून का लेवल कम हो जाता है और एनीमिया हो सकता है। खजूर का नियमित सेवन आयरन की कमी को दूर करने में मदद करता है।

विटामिन सी : खजूर में विटामिन सी भी पाया जाता है, जो शरीर में आयरन के अवशोषण को बढ़ाता है। इसके कारण शरीर को आयरन का पूरा फायदा मिलता है, जिससे हीमोग्लोबिन के लेवल में सुधार होता है।

पोटैशियम : खजूर में पोटैशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नार्मल बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा यह शरीर को एनर्जी प्रदान करने में भी सहायक होता है।

फाइबर : खजूर में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन क्रिया को सुधारता है और कब्ज की समस्या को दूर करता है। इससे रक्त प्रवाह भी बेहतर होता है, जिससे शरीर में खून का संचार अच्छे से होता है।

खजूर का सेवन ऐसे करें

1. खजूर का सेवन सबसे अच्छे तरीके से तब होता है जब आप इन्हें रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट खाएं। इससे खजूर के पोषक तत्व शरीर द्वारा जल्दी अवशोषित होते हैं। 2. खजूर को कटा हुआ दूध में डालकर भी खाया जा सकता है। यह स्वादिष्ट होता है और शरीर को भरपूर ऊर्जा देता है। यह तरीका विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए अच्छा है। 3. खजूर को दही, नारियल पानी या दूध के साथ स्मूदी बना कर भी पी सकते हैं। यह एक स्वादिष्ट और पोषण से भरपूर तरीका है। 4. खजूर को नाश्ते के रूप में पिस्ता, बादाम और अखरोट के साथ भी खाया जा सकता है। यह एक अच्छा और हेल्दी नाश्ता बनता है जो खून की कमी को दूर करने में मदद करता है।

माइग्रेन से जीना हुआ मुश्किल? ये 4 अचूक घरेलू नुस्खे देंगे चमत्कारिक आराम!

माइग्रेन एक प्रकार का सिरदर्द है जो अक्सर एक तरफा होता है और इसके साथ कई अन्य लक्षण भी हो सकते हैं। यह दर्द आमतौर पर मध्यम से गंभीर होता है और कई घंटों से लेकर कई दिनों तक रह सकता है। इस भयंकर दर्द को मिटाने के लिए लोग दवाईयां खाते हैं, जो हेल्थ पर भी असर डलती है। कुछ लोगों में माइग्रेन के दौरान मतली और उल्टी होने लगती है। इसके अलावा माइग्रेन के दौरान अन्य लक्षण जैसे कि चक्कर आना, थकान, और भूख न लगना भी हो सकते हैं। इन सबसे बचने के लिए कुछ राहत देने वाले घरेलू उपाय आपको बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप अजमा सकते हैं। आइए आपको इन घरेलू उपाय के बारे में बताते हैं।

गुनगुना देसी घी- आप अपनी नाक में गुनगुना देसी घी की 2 बूंदें डाल सकते हैं। यह नुस्खा माइग्रेन के दर्द को कम करने काफी मदद करता है। आयुर्वेद में भी इस उपाय के बारे में बताया गया है। यह काफी फायदेमंद उपचार साबित हो सकता है। **गर्म पानी और आइस पैक-** माइग्रेन के दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप अपने पैरों को गर्म पानी में डुबोएं और गर्दन पर आइस पैक रख सकते हैं। यह उपचार सिर में ब्लड फ्लो को हटा देता है जिससे दर्द कम हो जाता है। इसको करने के बाद आपको 15 मिनट में दर्द से राहत मिल जाएगी। **मालिश करें-** आप तिल के तेल से सिर और माथे की मालिश कर सकते हैं। मालिश करने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतरीन हो जाता है और मसल्स रिलैक्स होती हैं। दर्द में काफी राहत मिलती है।

रोजाना इन फूड्स का सेवन करें- माइग्रेन से परेशान रहते हैं, तो आप अपनी डाइट में इन फूड्स एड कर सकते हैं। जिससे माइग्रेन अटैक न हो। आपको कद्दू के बीजों का सेवन करना चाहिए। इसमें मैग्नीशियम होता है जो माइग्रेन के लिए फायदेमंद साबित होगा। इस के अलावा, आप अदरक का सेवन कर सकते हैं, क्योंकि इसमें एंटीफ्लेमेटरी गुण होते हैं। अलसी के बीज का सेवन करें, हल्दी वाला दूध रात को पी सकते हैं। दोपहर के समय खारी खा सकते हैं।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ
शुक्रवार, 26 जून 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके 1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ ज्येष्ठ मासोत्तमे शुक्ल पक्षे द्वादशी तिथौ शुक्र वासरे 22/23/ विशाख नक्षत्रे 19/16/ सिद्ध योग 11/39/ बव करणे 09/15/ वृश्चिक राशिगत चन्द्रमा घं.12 मि.34पर।

व्रत एवं त्यौहार- चंपक द्वादशी। मोहर्रम (ताजिया)।

मेष : श्रम संघर्ष प्रयास से संकल्पित मनोरथ पूर्ण होगा। रुके द्रव्य की प्राप्ति होगी। यात्राओं की योजना बन सकती है।

वृष : किसी से आकस्मिक लाभ होगा। श्रेष्ठ जनों का सहयोग प्राप्त होगा। वैभव में वृद्धि होगी। बैद्धिक कार्य से निवृत्त हो जाएंगे।

मिथुन : आर्थिक कष्ट समाप्त होंगे अधिकारीयों की कृपा से राजकार्यों में सफलता प्राप्त होगी। किसी प्रकार की चिंता रहेंगी।

कर्क : नए कार्यों हेतु समय प्रतिकूल रहेगा। भ्रमण प्रियता बढ़ेगी। सामाजिक कार्यों में सचि रहेगी। संपर्कों का लाभ लेंगे।

सिंह : अधिकारी वर्ग अनुकूल रहेगा। धन के दुरुपयोग से बचें। मानसिक अशांति का समय है। यात्राएं बाधा सहित होंगी।

कन्या : अभिलाषाओं की आंशिक पूर्ति होगी। परिश्रम से किया गया कार्य वांछित फल देगा। असमंजस पैदा होंगे। नये कार्य बनेंगे।

तुला : सत परामर्श से मार्ग प्रशस्त होगा। दांपत्य सुख उत्तम रहेगा। वृद्ध परिजन की चिंता रहेगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : श्रस की अधिकता रहेगी। उदर या शिरो व्यथा रहेगी। व्यापार में उन्नति होगी। मित्रों का सहयोग रहेगा।

धनु : विरोधी परास्त्र होंगे। घरेलू व्यय भार बढ़ेगा। इच्छित वस्तु की प्राप्ति होगी। आकस्मिक यात्रा योग बनेगा।

मकर : घरेलू दायित्वों की पूर्ति। लाभ मार्ग प्रशस्त रहेगा। व्यय भार में कमी आएगी। दैनिक जीवन की विषमताएं कम होंगी।

कुंभ : अच्छी दशा वालों को मित्र मिलाप एवं शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्राप्त होगा। घरेलू कार्य का बोझ तनाव दे सकता है।

मीन : अधूरे कार्यों का निपटारा करना आपको तनाव दे सकता है। अपनी कार्य प्रणाली में परिवर्तन लाना पड़ेगा।

गोशालाओं एवं स्वच्छता योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

गौशालाओं के प्रभावी संचालन, फैमिली आईडी निर्माण एवं निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित लोकसभागार में ग्राम विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, गोशालाओं एवं जिला स्वच्छता समिति से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।बैठक में जिलाधिकारी ने महिला स्वयं सहायता समूहों को समय से भुगतान सुनिश्चित करने, फैमिली आईडी निर्माण में तेजी लाने तथा प्रधानमंत्री आवास, एनआरएलएम एवं अन्य विकास योजनाओं की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों एवं अन्नपूर्णा भवनों के शेष फिनिशिंग कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण कर संचालित करानेह के निर्देश भी दिए।गौशालाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि नामित नोडल अधिकारी संबंधित खंड विकास अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर निरीक्षण में पाई गई कमियों को दूर कराएं। उन्होंने गौशालाओं में हरा चारा, साइलेज एवं भूसे की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा सहभागिता योजना के अंतर्गत गौपालकों को समय से भुगतान करने के निर्देश दिए। न्होंने स्पष्ट किया कि भुगतान में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी।पंचायती राज विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने गांवों में स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने, नालियों की नियमित सफाई, अधूरे शौचालयों का निर्माण पूर्ण कराने तथा पंचायत सहायकों का समय से मानदेय भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही पेंशन योजनाओं के आवेदनों का समयबद्ध सत्यापन कर पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने को कहा।बैठक में जिला विकास अधिकारी श्री भूषण कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए श्री राकेश कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नियमों के विपरीत संचालित हो रही मांस की दुकानें

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। थाना क्षेत्र के बुढ़वल चौराहे से लेकर कस्बे के अंदर मंदिर मार्गों और बड़ी बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर खुलेआम मीट की दुकानों के संचालन को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। कस्बावासियों ने प्रशासन से मानकों के विपरीत संचालित दुकानों को हटाकर निर्धारित स्थानों पर स्थानांतरित कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि थाने के सामने सब्जी बाजार जाने वाले मार्ग पर स्थित बुढ़िया मैया मंदिर और करीब आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के बीच लगभग आधा दर्जन मीट की दुकानों पर खुलेआम मांस काटकर बेचा जा रहा है। इससे श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाएं आहत हो रही हैं और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।कस्बावासियों का कहना है कि शासन के निर्देशानुसार मीट की दुकानों का संचालन निर्धारित स्थानों पर किया जाना चाहिए तथा दुकानों में रेफ्रिजरेटर, काले शीशे और पर्दे की व्यवस्था होनी चाहिए। साथ ही खुले में मांस और उसके अवशेष फेंकने पर भी रोक है, लेकिन क्षेत्र में इन मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है।लोगों का आरोप है कि मांस के अवशेष आसपास फेंके जाने से क्षेत्र में दुर्गंध फैली रहती है। कौवे और कुत्ते मांस के टुकड़े और हड्डियां इधर-उधर बिखेर देते हैं, जिससे मंदिर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं को काफी असुविधा होती है।इसी प्रकार बाराबंकी-गोंडा हाईवे स्थित बुढ़वल चौराहे पर विश्व हिंदू परिषद कार्यालय के निकट समेत हाइवे के किनारे कई स्थानों पर भी खुलेआम मांस की बिक्री किए जाने की शिकायत है।कस्बावासियों और राहगीरों ने प्रशासन से मांग की है कि मानकों के विपरीत संचालित मीट की दुकानों को निर्धारित स्थानों पर स्थानांतरित कर नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाए।

कुत्ते मुंह में दबाकर घूमते हैं मांस के टुकड़े

थाना रामनगर के गनेशपुर स्थित लकडमंडी चौराहे पर साप्ताहिक बाजार के अंदर खुलेआम मांस की दुकान संचालित हो रही है किसी भी दुकानदार के पास लाइसेंस नहीं है मानक को दरकिनार कर चल रही दुकानों पर बकरी मुर्गा काटने के बाद अवशेष खुले में फेंका जाता है जिस कुत्ते मुंह में लेकर चौराहे पर दुकानदारों के यहां आसपास के घरों के पास ले जाकर छोड़ते हैं जिसको लेकर स्थानीय लोगों में जबरदस्त आंक्रोष है पास में मंदिर भी स्थित है लोगों का कहना कि प्रशासन ने यदि मांस विक्रेताओं पर लगाम नहीं कसी तो किसी भी दिन बावल की स्थिति पैदा हो सकती है।

खबर एक नजर

युवती लापता

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी । दवा लेने के लिए घर से निकली युवती लापता हो गई परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।युवती के पिता ने सुबेहा थाने में दी। तहरीर में बताया कि उनकी बेटी बुधवार को दवा लेने के लिए घर से निकली थी। देर शाम तक जब वापस नहीं लौटी, तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की लेकिन पता नहीं चला। फोन करने पर मोबाइल फोन भी बंद आ रहा था, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई। पुलिस ने गुमशुदगी की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बेचू सिंह यादव ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। युवती की तलाश के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है और उसे जल्द से जल्द सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।ँ

मामूली विवाद में हमला

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी । कस्बा हैदरगढ़ के ठाकुर द्वारा वार्ड निवासी कन्हैयालाल नेअपने साथ हुई मारपीट की थाने में तहरीर दी।बताया कि दो दिन पहले इसी थाना क्षेत्र के बीजापुर (सराय चौबे) गांव स्थित अपनी ससुराल में वैवाहिक समारोह में गया था।देर रात हंसी मजाक के बीच वहां मौजूद बिजौली गांव निवासी राजेश ने पीछे से उसके सिर पर लाठी मार दी।जिससे उसका सिर फट गया हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया है।

पूर्वांचल हादसे में कम्पनी कर्मी की मौत

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी । पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के चैनेज पर रोड मार्किंग का काम करते समय अर्टिगा कार चालक द्वारा टक्कर मार देने से कंपनी के कर्मचारी की मौत हो गई कंपनी के एसोसिएट मैनेजर द्वारा वाहन चालक के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।गायत्री प्रोजेक्ट्स लिमिटेड पूर्वांचल एक्सप्रेसवे वे के एसोसिएट मैनेजर अजय कुमार अग्रहरी ने सुबेहा थाना पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कंपनी के लिए रोड मार्किंग का काम करने वाले अजायब लाल पुत्र स्व0 बृजलाल निवासी चिल्ला गौहानी जसरा इलाहाबाद 42 वर्ष मंगलवार की सुबह 8:30 बजे सुबह चैनेज न 46650 आर एस एच पर काम कर रहा था। चल रहे काम पर पर्याप्त सेफ्टी लगी होने के बावजूद एर्टिगा गाड़ी के चालक की तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर काम कर रहे अजायब लाल को जोरदार टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया, उपचार के लिए तुरंत एम्बुलेंस से सीएचसी हैदरगढ़ ले जाया गया। जहाँ डाक्टरों ने उसे तुरन्त राम मनोहर लोहिया लखनऊ के लिए रेफर कर दिया अस्पताल पहुंचने पर उपचार के दौरान लगभग 2 घंटे बाद अजायब लाल की मृत्यु हो गयी। शव का पोस्टमार्टम करवाकर घर वालो सुपुर्द कर दिया गया है।

बैरिकेडिंग लगाने की मांग

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी । गोमती नदी के अवसानेश्वर घाट पर बुधवार की सुबह दो सगे भाइयों की गहरे पानी में डूबकर हुई मौत के बाद दुर्घटना स्थल के निकट परमानेंट बैरिकेटिंग लगाए जाने की मांग जोर पकड़ रही है। उल्लेखनीय है कि बुधवार को लोनी कटरा थाना क्षेत्र के बुढ़नापुर गांव निवासी दो सगे भाई गजेंद्र पांडे हनी 14 व देवेंद्र पांडे हैप्पी 18 वर्ष नदी के स्नान घाट पर स्नान करते समय अज्ञानता के कारण नहाते नहाते कुंड की तरफ चले गए थे और भवर में फंसकर डूब गए थे लगभग एक घंटे बाद मंदिर से जुड़े गोताखोरों ने दुर्घटनास्थल से 100 मीटर दूर श्मशान घाट के पास से एक एक करके दोनों भाइयों के शव बरामद किए थे। इससे पहले भी स्नान घाट से लगभग 7 मीटर पूर्व दिशा में स्थित कुंड के भंवर में फंसकर तमाम श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी हैं। फिर भी यहां एक चेतावनी बोर्ड लगाने के अलावा प्रशासन द्वारा इस जानलेवा कुंड से लोगों की जान बचाने के कोई ठोस उपाय नहीं किए गए हैं।[

विवाहिता ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। नगर कोतवाली क्षेत्र के बंकी नगर पंचायत में कल एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 27 वर्षीय विवाहिता ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार, बंकी नगर पंचायत के हुसैन पुरवा मोहल्ले के पास स्थित रेठ नदी पुल पर बुधवार सुबह 8 से 9 बजे के बीच यह हादसा हुआ। पटरी पर महिला को आता देख ट्रेन पायलट ने ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन तब तक महिला ट्रेन की चपेट में आ चुकी थी। घटना के तुरंत बाद ट्रेन पायलट ने मेमो के जरिए कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही बंकी चौकी पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में ले लिया। शुरुआत में महिला की पहचान नहीं हो सकी थी, जिसके बाद पुलिस ने आसपास के थानों और सोशल मीडिया के माध्यम से शिनाख्त के प्रयास तेज किए।कुछ ही घंटों की मशक्कत के बाद बुधवार दोपहर पुलिस को मृतका के मायके पक्ष का सुराग मिला। पुलिस ने मसौली थाना क्षेत्र के तकिया ग्राम निवासी परिजनों को सूचना दी।

विद्युत परिवर्तकों के समीप कूड़ा-कचरा न डालें एवं आग न लगाएं : विद्युत विभाग

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। उपखंड अधिकारी (विद्युत) प्रथम, श्री आनंद सिंह ने बताया कि आमजन द्वारा अनेक स्थानों पर विद्युत परिवर्तकों (ट्रांसफार्मरों) के निकट भारी मात्रा में कूड़ा-कचरा डाला जाता है। इसके अतिरिक्त कुछ लोगों द्वारा उक्त कूड़े एवं सूखे पत्तों में आग भी लगा दी जाती है, जिससे विद्युत परिवर्तकों में आग लगने की गंभीर आशंका बनी रहती है।उन्होंने बताया कि हाल ही में छाया चौराहा क्षेत्र में स्थापित विद्युत परिवर्तक के समीप डंप किए गए कूड़े में किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा आग लगा दी गई, जिसके कारण आग विद्युत परिवर्तक तक पहुंच गई और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना से क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति लगभग 5 घंटे तक बाधित रही, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा का सामना करना पड़ा तथा विभाग को भी आर्थिक क्षति हुई।उपखंड अधिकारी ने जनसामान्य से अपील की है कि विद्युत परिवर्तकों के आसपास कूड़ा-कचरा न डालें तथा किसी भी स्थिति में वहां आग न लगाएं।

मानक की विपरीत चल रहे कोचिंग एवं लाइब्रेरी सेंटर

स्वतंत्रभारत, रामनगर, बाराबंकी। राजधानी लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद प्रदेशभर में अवैध और मानकों के विपरीत संचालित कोचिंग संस्थानों एवं लाइब्रेरी के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई तेज कर दी गई है, लेकिन रामनगर कस्बे में इसका कोई असर दिखाई नहीं दे रहा है। बुढ़वल चौराहा, फतेहपुर मार्ग समेत विभिन्न स्थानों पर दर्जनों कोचिंग, कंप्यूटर और लाइब्रेरी सेंटर बिना सुरक्षा मानकों के संचालित हो रहे हैं, जबकि कार्रवाई के नाम पर स्थिति शून्य बनी हुई है।जानकारी के अनुसार अधिकांश संस्थान संकरी दुकानों और बहुमंजिला भवनों में संचालित हो रहे हैं, जहां छात्रों के आने-जाने के लिए केवल एक ही रास्ता है। आग लगने या किसी अन्य आपात स्थिति में यहां बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। कई संस्थानों में अग्निशमन यंत्र, आपातकालीन निकास द्वार, पर्याप्त वेंटिलेशन और अन्य जरूरी सुरक्षा सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि इन कोचिंग और लाइब्रेरी सेंटरों में प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं पढ़ाई करने पहुंचते हैं और उनसे मोटी फीस भी वसूली जाती है, लेकिन उनकी सुरक्षा को लेकर कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। लखनऊ हादसे के बाद अभिभावकों की चिंता और बढ़ गई है।बृहस्पतिवार को प्रशासनिक कार्रवाई की आशंका के चलते कई अवैध रूप से संचालित लाइब्रेरी सेंटरों के संचालकों ने अपने प्रतिष्ठानों पर ताला लगा दिया। इससे पढ़ाई करने पहुंचे छात्र-छात्राओं को सेंटरों के बाहर इंतजार करना पड़ा और उन्हें मायूस होकर वापस लौटना पड़ा।क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि कस्बे में संचालित सभी कोचिंग, कंप्यूटर और लाइब्रेरी सेंटरों की तत्काल जांच कराई जाए तथा सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे को टाला जा सके।

निकाला गया मजलिस के अलम का जुलूस

स्वतंत्रभारत जैदपुर बाराबंकी। वक्फ इमामबाड़ा गढ़ी जदीद तालुकदार जैदपुर में आठ मोहर्रम की रात दो बजे कर्बला ईराक से 150 वर्ष पूर्व लाए गए मोजिज़ाई अलम की ज़ियारत कराई गयी है और बाद मजलिस के अलम का जुलूस निकाला गया । अलम की मखसूस मजलिस को जनाब मौलाना फ़ैज़ अब्बास मशहदी साहब ने खिताब फरमाया । मौलाना ने विलायत के उनवान से मजलिस को खिताब फरमाते हुए कहा की अल्लाह ने अपनी और अपने रसूल और अहलेबैत की विलायत ईमान की निशानी क़रार दी है । मौलाना ने इसके बाद हज़रत अब्बास अलमदार के फज़ाएल और कर्बला में नहरें फुरात पर उनकी शहादत के मसाएब बयान किये जिसे सुनकर अज़ादार रो पड़े। मजलिस में हज़ारों की संख्या में सभी समाज के लोगों ने शिरकत की और अलम पर दुआएं मांगी।मजलिस से पूर्व सईद ज़ैदपुरी ने सोज़खवानी और सैयद कामिल रिज़वी ने पेशख्वानी की ।

सीएमओ ने निजी अस्पतालों को दी कड़ी चेतावानी

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुए अग्निकांड के बाद बाराबंकी स्वास्थ्य महकमा अलर्ट हो गया है। जिले में निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम में अग्नि सुरक्षा इंतजामों की पड़ताल की गई, जिसमें कई चौंकाने वाली खामियां सामने आईं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ. रंजन गौतम ने इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है।जांच के दौरान पाया गया कि शहर के कई निजी अस्पताल ऐसी इमारतों में चल रहे हैं जहां बड़ी संख्या में मरीज भर्ती हैं, लेकिन आग से बचाव के इंतजाम सिर्फ कागजों तक सीमित हैं। कई स्थानों पर अग्निशमन यंत्र एक्सपायर मिले, जबकि कुछ अस्पतालों में संकरी सीढ़ियां और आपातकालीन निकास की समुचित व्यवस्था नहीं थी।सीएमओ डॉ. रंजन गौतम ने कहा कि यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सीधे तौर पर लोगों की जिंदगी से जुड़ा मामला है। उन्होंने रजिस्ट्रेशन पटल देख रहे नोडल अधिकारी को तत्काल आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। मीडिया और अन्य माध्यमों से मिली जानकारियों के आधार पर, जिला प्रशासन और फायर विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर एक संयुक्त विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए एक विशेष टास्क फोर्स गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।डॉ. गौतम ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिन अस्पतालों द्वारा तीन दिन के भीतर सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जाएगी, या 30 जून तक बेसमेंट से अवैध रूप से संचालित सेवाओं को बंद नहीं किया जाएगा, उनके खिलाफ मौके पर ही कार्रवाई करते हुए पंजीकरण निरस्त कर दिया जाएगा।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने दो टूक कहा कि किसी की लापरवाही के कारण निर्दोष लोगों की जान खतरे में पड़े, यह किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

रेलवे स्टेशन के जनरेटर रूम में लगी आग

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर आज जनरेटर रूम में आग लग गई। भीषण आग के कारण जनरेटर से जुड़े डीजल टैंक में विस्फोट हो गया, जिससे स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जनरेटर रूम से धुआं उठता देख स्टेशन कर्मचारियों और यात्रियों में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में आग ने पूरे जनरेटर रूम को अपनी चपेट में ले लिया। आग की सूचना तत्काल फायर ब्रिगेड को दी गई। हालांकि, दमकल वाहन के देर से पहुंचने पर लोगों में नाराजगी भी देखी गई।इस घटना का असर रेल संचालन पर भी पड़ा। सुरक्षा कारणों से लखनऊ की ओर जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस को प्लेटफॉर्म से पहले ही रोक दिया गया। स्थिति सामान्य होने और सुरक्षा जांच के बाद ट्रेन को लगभग 15 मिनट की देरी से आगे रवाना किया गया।रेलवे कर्मचारियों और स्थानीय लोगों के सहयोग से आग पर प्रारंभिक नियंत्रण का प्रयास किया गया।

भेलसर-फतेहपुर मार्ग के चौड़ीकरण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने एवं समयबद्ध प्रगति सुनिश्चित करने पर दिया जोर

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने राज्य मार्ग-127 अंतर्गत भेलसर - टिकैतनगर -रामनगर -फतेहपुर मार्ग के चेनज 8.00 से 35.00 तक लगभग 27 किलोमीटर लंबाई में प्रस्तावित चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग ?91.87 करोड़ लागत की परियोजना की प्रगति का जायजा लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने विद्युत पोल शिफ्टिंग एवं मार्ग में बाधक वृक्षों के पातन की धीमी प्रगति पर रोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को समन्वय स्थापित कर कार्ययोजना के अनुसार इन कार्यों को तीव्र गति से पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि सड़क निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।इस दौरान जिलाधिकारी ने सड़क निर्माण में डाली जा रही जीएसबी परत का निरीक्षण कर उसकी गुणवत्ता का परीक्षण किया तथा निर्माण कार्यों को निर्धारित तकनीकी मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप संपादित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसी द्वारा स्थापित प्लांट का भी अवलोकन किया तथा कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता बनाए रखने एवं नियमित परीक्षण सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया।जिलाधिकारी ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्रीय आवागमन को सुगम बनाने तथा जनसामान्य को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।निरीक्षण के दौरान लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड-01 के अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'अल-अतश... अल-अतश...' की सदाओं में डूबा हर चौक और इमामबाड़ा

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। मोहर्रम की नौवीं तारीख़ पूरा बाराबंकी ग़मे-हुसैन में डूब गया। जिले के शहर से लेकर गांव तक हर तरफ़ 'या हुसैन... या अब्बास...' की सदाएं गूंजती रहीं और 'अल-अतश... अल-अतश...' की दर्दनाक पुकारों ने हर अज़ादार की आंखों को अश्कबार कर दिया। शबे आशूर की रात इबादत, मजलिस, मातम, नौहाख्वानी और ज़िक्रे-कर्बला के बीच गुज़रेंगी अज़ादारो की, जगह-जगह चौकों पर ताज़िए रखे गए, जिन्हें 10 मोहर्रम (यौमे आशूर) को पूरे अकीदत व एहतराम के साथ कर्बला में दफ़्न किया जाएगा।चिलचिलाती धूप हो या उमस भरी शाम, अज़ादारों के कदम नहीं रुके। पसीने से भीगे काले कपड़े, हाथों में अलम और लबों पर 'या हुसैन' की सदाओं के साथ बड़ी तादाद में लोग नंगे पांव इमामबाड़ों और अज़ाख़ानों तक पहुंचे। चौक, असंदरा, जैदपुर, सट्टी बाज़ार, देवा, टेसवा, कादिरपुर, बेलहरा ,केसरवा, फतेहपुर,देवा, मझगवा, बांसा, सआदत गंज,रामपुर कटरा,जहांगीराबाद,बड़ा गांव,चंदवारा,जैदपुर , किन्तूर, हजरतपुर, बदो सराय,रसूलपुर, बिलाव , मीरापुर, मोतिकपुर,आलमपुर,देवरा हैदरगढ, जरगावा और जिले के अनेक कस्बों में रखे गए ताज़ियों पर देर रात तक अकीदतमंदों का हुजूम उमड़ता रहा।इमामबाड़ों में गूंजे कर्बला के मसाएब, अश्कों से भीगती रहीं महफ़िलेंदेवा रोड स्थित गुलाम अस्करी हॉल में अशरे की नवमी मजलिस को मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी ने ख़िताब किया। उन्होंने शहीदान-ए-कर्बला के दर्दनाक मसाएब बयान किए, जिन्हें सुनकर पूरा मजमा अश्कबार हो उठा। अंजुमन गुलाम-ए-अस्करी और गुंचा-ए-अब्बासिया ने दर्दभरे नौहे पेश किए और सीनाज़नी कर इमाम हुसैन को पुरसा दिया।कटरा स्थित इमामबाड़ा मीर मासूम अली में मौलाना जाबिर जौरासी ने करबला की हक़ीक़तों पर रौशनी डाली।

मोहर्रम के दृष्टिगत डीएम एवं एसपी ने किया फ्लैग मार्च

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। मोहर्रम को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक ने नगर क्षेत्र में फ्लैग मार्च कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की तैयारियों का जायजा लिया। फ्लैग मार्च के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने नेबलेट तिराहे से सिटी इंटर कॉलेज, पीरबटावन एवं अन्य प्रमुख मार्गों पर पैदल मार्च किया तथा ताजिया जुलूस के प्रस्तावित मार्गों का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।अधिकारियों ने संवेदनशील स्थलों, बाजार क्षेत्रों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को सतर्कता बनाए रखने तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाए पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही स्थानीय नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर हेरम को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

आवास पर पहुंचकर सांसद तनुज पूनिया ने बंधाया ढांढस

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी । स्नान करते समय बुधवार सुबह अवसानेश्वर धाम घाट पर गोमती नदी के गहरे पानी में डूबकर हुई दो सगे भाइयों की मौत के दूसरे दिन उनके घर पर रिश्तेदारों का आना जाना और ढांढस बंधाने का सिलसिला जारी रहा। देर शाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ आवास पर पहुंचे सांसद ने ढांढस बंधाया। इस हादसे में जान गवाने वाले गजेंद्र पांडे उर्फ हनी 14 वर्ष एवं देवेंद्र पांडे उर्फ हैप्पी 18 वर्ष के लोनी कटरा थाना अंतर्गत बुढ़नापुर गांव स्थित आवास पर गमगीन माहौल दिखाई देता रहा। अपने दो पुत्रों को इस दर्दनाक हादसे में खोने के साथ ही लगभग पूरा परिवार खो चुके अशोक पांडेय बेसुध अवस्था में घर के बाहर बैठे नजर आए इस हादसे की खबर पाकर रिश्तेदारों के आने का जो सिलसिला शुरू हुआ था वह आज भी जारी रहा। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे शवों को अंत्येष्टि स्थल पर जब दो चिताओं पर लिटाया गया तो लोगों की आँख नम हो गई। इससे पहले बुधवार को इस दर्दनाक हादसे की जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी राजेश विश्वकर्मा राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे और रोते बिलखते परिजनों को ढांढस बंधाया था। उन्होंने परिवार को हर संभव सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन भी दिया था। वहीं बाराबंकी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे विधायक दिनेश रावत पूर्व विधायक रामनगर रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी दुखी परिजनों के आंसू पूछते हुए उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया था। उल्लेखनीय है कि एक साथ दो बेटों की मौत से अशोक पांडे के बुढ़ापे की लाठी टूट गई है ।गांव में पूजा पाठ करवरकर परिवार की आजीविका कमाने वाले पिता ने अपने बच्चों को बेहतर पढ़ाई करवाने के लिए अपने से दूर बाराबंकी में ताऊजी के यहां छोड़ रखा था जहां पर दोनों भाई खूब मन लगाकर पढ़ाई कर रहे थे।

स्वतंत्र भारत
लखनऊ, शुक्रवार, 26 जून. 2026

अयोध्या
अम्बेडकर नगर

आप के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज करेंगे रामलला का दर्शन

उन्होंने आज कहा कि– राम मंदिर से भगवान राम की पादुका, चढ़ाये गये गहने तथा करोड़ों रुपये की चोरी हो गयी है, इसीलिए मैं यहां दर्शन करने आया हूं

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी के बने भव्य और दिव्य राम मंदिर में विराजमान रामलला का दर्शन करेंगे। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अनिल प्रजापति ने स्वतंत्र-भारत से बातचीत में बताया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल वृहस्पतिवार को अयोध्या पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर में मत्था टेकने के बाद भव्य और दिव्य मंदिर में विराजमान रामलला का करीब 11 बजे दर्शन पूजन करेंगे। उन्होंने बताया कि अयोध्या के कुछ चुने हुए संत-धर्माचार्यों से भी भेंट करेंगे। माना जा रहा है कि इस समय रामलला के मंदिर में दान की गयी धनराशि की चोरी पर भी चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ लोकप्रिय नेता एवं राज्यसभा के सांसद संजय सिंह सहित कई विधायक और आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता भी शामिल रहेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल इसके पूर्व में भी रामलला का दर्शन-पूजन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद हो सकता है अयोध्या में ही पत्रकारों से भेंट कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अभी बुधवार को अर्थात् 24 जून को लोकप्रिय नेता एवं राज्यसभा की सांसद संजय सिंह अयोध्या आये थे और कुछ संत धर्माचार्यों से उन्होंने भेंट भी किया था। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के अयोध्या आगमन पर पूरी तैयारी का जायजा भी लिया था। इसके बाद वह लखनऊ के लिये रवाना हो गये। भव्य दिव्य राम मंदिर में विराजमान रामलला के चढ़ावे के चोरी की कई करोड़ रुपये गायब हो जाने से इस समय सनसनीखेज मचा हुआ है। ऐसे समय में पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल का आना बहुत महत्व रखता है। संतों से मिल करके वह अपनी बात रखेंगे और संत धर्माचार्यों का भी आशीर्वाद लेंगे। उनका यह कार्यक्रम शाम तक चलता रहेगा, उसके बाद वह दिल्ली के लिये रवाना हो जायेंगे।

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में शिकायतें सुनीं, तुरन्त कार्यवाही का दिया निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने आज कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में आमजन की समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। जनता दर्शन में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने भूमि विवाद, राजस्व, पुलिस, विद्युत, पेयजल, आवास, पेंशन एवं अन्य जनसमस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी कड़ी में दर्शन के दौरान बभनिया सोहावल निवासी कृष्णाराम निषाद द्वारा चकमार्ग पर अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु उच्च अधिकारियों से जांच एवं विधिक कार्यवाही किये जाने हेतु अनुरोध किया गया था, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सोहावल व एस.एच.ओ. रौनाही को प्रकरण को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया था, तत्क्रम में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये चकमार्ग पर लगे पेड़ो को कटवाकर चकमार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया साथ ही काटे गये पेड़ के संबंध में हल्का लेखपाल के तरफ से मु0अ0सं0 183/2026 धारा 2/3 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम बनाम अज्ञात लकड़ी ठेकेदार के विरूद्ध थाना रौनाही में अभियोग पंजीकृत कराया गया है। इसके साथ ही शिवनगर कॉलोनी पहाड़गंज श्री अजय कुमार जायसवाल द्वारा पारिवारिक विवाद के संबंध में अनुरोध किया गया था, जिस पर जिलाधिकारी ने एस.एच.ओ. नगर को निस्तारण के निर्देश दिये, तत्क्रम में संबंधित द्वारा आवेदक एवं विपक्षी में घर के बटवारे को लेकर कहासुनी के बाद आपसी समन्वय के साथ बटवारा करा कर निस्तारित कराया गया। इसी कडी में सोनौरा सदर निवासियों द्वारा जल निकासी की व्यवस्था व खलिहान को सुरक्षित रखे जाने हेतु अनुरोध किया गया, जिस पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी मया व एस.एच.ओ. गोशाईगंज को प्रकरण के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया, तत्क्रम में कार्यवाही करते हुये ग्राम प्रधान द्वारा जल भराव स्थलों पर सोख्ता निर्माण का कार्य करा कर शिकायत का निस्तारण कराया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि आमजन की समस्याओं का समाधान पारदर्शिता, समयबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से परीक्षण करते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

किसान चौपाल में मंत्री शिवराज ने दिए किसानों को टिप्स

स्वतंत्र भारत कुमारगंज (सं.) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सबसे पहले डेयरी प्रक्षेत्र पहुंचे और गायों को गुड़ और चारा खिलाया। उसके बाद किसानों के साथ कृषक चौपाल में हिस्सा लिया। चौपाल के दौरान गोपालकों से वार्ता की तथा उनके द्वारा पाले पशुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उनकी समस्याओं को भी सुना। इसके उपरांत प्राकृतिक खेती परिसर में माननीय मंत्री जी ने मछलियों को दाना खिलाया तथा प्राकृतिक विधि द्वारा की जा रही हल्दी की खेती का निरीक्षण किया। वहां उपस्थित कृषकों से उन्होंने विस्तृत रूप से प्राकृतिक खेती में उपयोग की जा रही विधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा भविष्य में मृदा संरक्षण के लिए प्राकृतिक खेती पर बल दिया। विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय कृषि मंत्री ने धान की रोपाई भी की। इस अवसर पर उन्होंने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी को साझा किया। चौपाल में उन्होंने आधुनिक तकनीक, वैज्ञानिक पद्धतियों और नवाचारों को अपनाकर किसान उत्पादन बढ़ाने के साथ अपनी आय में भी वृद्धि करने की सलाह दी। केंद्रीय मंत्री ने किसानों से सरकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने तथा कृषि के साथ संबद्ध गतिविधियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। किसान चौपाल के अंत में किसानों, पशुपालकों एवं मत्स्य पालकों ने अपनी समस्याओं को सीधे केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखने का अवसर मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

सामूहिक विवाह समिति की हुई बैठक

स्वतंत्र भारत अम्बेडकरनगर (सं.) कलेक्ट्रेट सभागार में विवाह कार्यक्रम समिति की बैठक जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सामूहिक विवाह में नवविवाहित जोड़ों को प्रदान की जाने वाली उपहार सामग्री, जैसे प्रेस, पैंट-शर्ट, साड़ी, कंबल, बेडशीट, डिनर सेट, गद्दा आदि का क्रय निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के अनुरूप किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत प्राप्त सभी ऑनलाइन आवेदनों का सत्यापन पूरी गंभीरता एवं पारदर्शिता के साथ किया जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पात्र एवं सत्यापित लाभार्थियों को ही योजना का लाभ प्रदान किया जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सामूहिक विवाह कार्यक्रम से संबंधित निविदा प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करते हुए शासनादेश एवं जेम पोर्टल के प्रावधानों के अनुरूप निविदा प्रकाशित कर आवश्यक कार्यवाही समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित की जाए। बैठक में जॉइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी अकबरपुर श्रीमती प्रतीक्षा सिंह, जिला विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, तथा जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को राष्ट्रीय छात्र संगठन ने दी श्रद्धांजलि, निकाला कैंडल मार्च

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) दर्दनाक अग्निकांड की घटना में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए राष्ट्रीय छात्र संगठन द्वारा गुरुवार को एक कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय छात्र संगठन के अध्यक्ष जय प्रताप गुप्ता ने किया। कैंडल मार्च सिविल लाइंस स्थित शहीद स्तंभ से प्रारंभ होकर गांधी पार्क तक निकाला गया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर राष्ट्रीय छात्र संगठन के अध्यक्ष जय प्रताप गुप्ता ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक है। संगठन मृतकों के परिजनों के साथ खड़ा है तथा प्रशासन से पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की मांग करता है। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस पार्टी के महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम ने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज को झकझोर देती हैं। सरकार एवं संबंधित विभागों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मृतकों के परिवारों की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन प्रशासन को राहत एवं पुनर्वास कार्यों को पूरी संवेदनशीलता के साथ संचालित करना चाहिए। उन्होंने सभी नागरिकों से पीड़ित परिवारों के प्रति सहयोग एवं संवेदना व्यक्त करने का आह्वान किया। उक्त अवसर पर प्रमुख रूप से सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा अशोक कनौजिया, बृजेश रावत, सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुरेंद्र प्रताप सिंह, कवींद्र साहनी, धीरेंद्र सिंह बबलू, विशाल दुबे अशोक कुमार शर्मा, कल्लू शर्मा सहित राष्ट्रीय छात्र संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे।

यात्रियों को ठंडे शरबत का किया गया वितरण

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) सोशल एम्पावरमेंट एंड वेलफेयर एलायंस ट्रस्ट ने आज सिविल लाइन बस अड्डे पर एक सराहनीय पहल करते हुए राहगीरों और यात्रियों के लिए ठंडे शरबत का वितरण किया। गर्मी के इस प्रकोप को देखते हुए, इस ट्रस्ट के सदस्यों ने न केवल यात्रियों को प्यास बुझाने के लिए शीतल शरबत उपलब्ध कराया, बल्कि सेवा भाव का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया। भीषण तपती धूप में सफर कर रहे लोगों को यह ठंडा शरबत किसी वरदान से कम नहीं लगा। इस सेवा कार्यक्रम का नेतृत्व सोशल एम्पावरमेंट एंड वेलफेयर एलायंस ट्रस्ट के फाउंडर और सचिव, एडवोकेट ज़ैद इलाही की देखरेख में किया गया। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में ट्रस्ट के सक्रिय सदस्य हमज़ा कमाल, मोहम्मद ओवैस, आकिब कमाल और मोहम्मद शाद ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर संस्था के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ट्रस्ट केवल एक सीमित दायरे तक कार्य नहीं करता है, बल्कि मानवता के हर मैदान पर अपनी सेवाएँ पहुँचाने के लिए संकल्पित है। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएँ हों, या किसी गरीब और ज़रूरतमंद की सहायता करना–संस्था समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर तत्पर है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी जनहित के ऐसे सभी कार्यों को संस्था इसी सेवा भाव के साथ जारी रखेगी। स्थानीय लोगों ने ट्रस्ट की इस व्यापक सोच और पहल की जमकर सराहना की है।

पिछड़ा वर्ग का सम्मान बसपा में सुरक्षित

स्वतंत्र भारत गोसाईंगंज (सं.) उत्तर प्रदेश में चार बार बनी सरकार के समय में उचित सम्मान देकर पिछड़े वर्ग को राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने का ऐतिहासिक कार्य किया गया लोकसभा विधानसभा के चुनाव में जहां सर्वाधिक हिस्सेदारी मिली वहीं बहुजन समाज पार्टी के संगठन में भी पिछड़े वर्ग को सर्वाधिक हिस्सेदारी देने का कार्य करती है पिछड़ी वर्ग का सम्मान बहुजन समाज पार्टी में ही सुरक्षित है आने वाले विधानसभा के चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के साथ लाभ बंद होकर पिछड़ा वर्ग बहुजन समाज पार्टी में कार्य करें जिससे सत्ता में आने के बाद इस समाज का सामूहिक विकास हो सके उक्त बातें ग्राम पंचायत अमसिन के मजरा दहलवा में अशोक कुमार वर्मा के प्रतिष्ठान पर बहुजन समाज पार्टी के तत्वाधान में आयोजित पिछड़े वर्ग की विधानसभा स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए बहुजन समाज पार्टी अयोध्या मंडल के जोन प्रभारी दिलीप कुमार विमल ने कहीं। बैठक की अध्यक्षता ओबीसी समाज भाईचारा के जिला संयोजक गुरु प्रसाद निषाद एवं संचालन गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी वीरेंद्र कुमार गौतम ने किया।

फूल बंगला में बिराजे श्रीलाल साहेब सरकार

स्वतंत्र भारत अयोध्या (सं)। अयोध्या धाम की सिद्ध पीठ श्रीलालसाहेब दरबार में दिव्य-भव्य फूलबंगला झांकी सजाई गई। जिसने सभी का मन मोह लिया। अवसर निर्जला एकादशी के पावन अवसर का रहा। फूल बंगला महोत्सव को श्रीलालसाहेब दरबार के पीठाधिपति महंत रामनरेश शरण ने अपना सानिध्य व तपोवन मंदिर रांची झारखंड के महंत ओमप्रकाश शरण ने संयोजन प्रदान किया। महोत्सव में कई कुंटल देशी-विदेशी फूलों का प्रयोग किया गया। जिससे पूरा मंदिर परिसर अलोकित रहा। गुरुवार की सायंकाल सर्वप्रथम मठ के गर्भगृह में विराजमान श्रीलालसाहेब सरकार का पूजन-अर्चन, वंदन कर फल-मिष्ठान समेत विविध पकवानों का भोग लगाया गया। उसके बाद भगवान की दिव्य, भव्य आरती उतारी। तदुपरांत साधु-संत एवं भक्तजनों के दर्शनार्थ मंदिर के पट खोल दिए गए। सुभव्य फूलबंगला झांकी में भगवान श्रीलालसाहेब सरकार बिराज रहे थे, जिनका दर्शन कर संतों-भक्तजनों ने अपना जीवन कृतार्थ किया और पुण्य के भागीदार बने। आश्रम के गर्भगृह से लेकर पूरे परिसर को कई रंगों के गेंदा, बेला, गुलाब, कमल समेत अन्य देशी-विदेशी सुगंधित फूलों से सजाया गया था। जिसकी शोभा देखते हुए रही थी। साथ ही साथ रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी फूलबंगला महोत्सव की शोभा बढ़ा रहे थे। मंदिर में श्रीलालसाहेब सरकार की सुंदर एवं मनोरम फूलबंगला झांकी दर्शन का सिलसिला सायंकाल से शुरु होकर देरात्रि तक चलता रहा। भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें अयोध्या के नामचीन कलाकारों ने अपने गायन-वादन से फूलबंगला महोत्सव की शोभा बढ़ा दी। इससे उत्सव में चार-चांद लगा दिया, जिससे श्रोतागण मंत्रमुग्ध हो गए। श्रीलालसाहेब दरबार के पीठाधीश्वर महंत रामनरेश शरण और तपोवन मंदिर रांची झारखंड के महंत ओमप्रकाश शरण महाराज द्वारा कलाकारों को न्यौछावर भी भेंट किया गया। महंत रामनरेश शरण महाराज ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी निर्जला एकादशी पर मंदिर में फूलबंगला झांकी सजाई गई। जेठ महीने की भीषण तपिस से भगवान को बचाने के लिए फूलबंगला झांकी का आयोजन किया जाता है।

बसपा नेता को दी गयी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं ग्राम पंचायत रनापुर पूरे झगरू पूरवा निवासी स्व. जंग बहादुर यादव के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल तथा चर्चित समाजसेवी एवं समाजसेवी संस्थान अयोध्या धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता एवं समर्थक उनके पैतृक आवास पहुंचे। इस दौरान नेताओं ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा पार्टी और सामाजिक संगठनों की ओर से परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर महेन्द्र आनन्द, बसपा जिला अध्यक्ष कृष्ण कुमार पासी, इरशाद क़ाज़ी, अमरनाथ शर्मा, मो. मुस्लिम, दिनेश गौतम, नितिन चौधरी, बृजेश्वर कोरी, रामगोपाल, जीवन बहादुर यादव,अकबर खान,अनिल गौतम, मुंगेन्द्र गौतम, रजित गौतम, शिवदर्शन गौतम, छोटेलाल गौतम, राजमाय प्रजापति, धनेराम निषाद, हरीश निषाद पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विद्यालय खुलने पर भीषण गर्मी, समय बदलने की मांग

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अयोध्या द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए समय परिवर्तन करने की हुई मांग। ग्रीष्मावकाश के बाद आज बच्चों के लिए विद्यालय खुलने पर भीषण गर्मी के कारण बच्चे दिन भर विद्यालयों में अकुलाते रहे।इस विषम स्थिति में जबकि तापमान 40 डिग्री के पार हो पठन पाठन नितांत कठिन प्रतीत हो रहा है। अतः उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अवधेश यादव एवं जिलामंत्री अशोक वर्मा द्वारा जिलाधिकारी को ज्ञापन प्रेषित करते हुए विद्यालय का समय 7 बजे से 12 बजे तक करने की मांग की है। 5 घंटे का समय पठन पाठन के लिए पर्याप्त होता है। विभिन्न जनपदों में समय संशोधित भी किया गया है। नौनिहालों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत भी समय परिवर्तन आवश्यक प्रतीत होता है। दोपहर 2 बजे ही उच्चतम तापमान होता है ऐसे समय में ही विद्यालय का अवकाश होने पर चिलचिलाती धूप में बच्चों का पैदल व साइकिल से घर के लिए जाना निश्चित ही कठिन कार्य है। बच्चों की उम्र और उनकी बीमारियों के प्रति सुभेद्यता को देखते हुए भी समय परिवर्तन आवश्यक हो जाता है।अतः जिलाधिकारी से संवेदनशीलता पूर्वक निर्णय लेकर विद्यालय का समय 7 बजे से 12 बजे तक किए जाने की सादर अपेक्षा है। अशोक वर्मा जिलामंत्री शिक्षक घर नेता मौजूद है।

ट्रक कंटेनर पेड़ से टकराने के बाद लगी आग

स्वतंत्र भारत मवई (सं.) पटरंगा थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे प्रिंस ढाबा गनौली गांव के निकट बीती रात करीब एक बजे दूध लेकर जा रहा एक अनियंत्रित ट्रक कंटेनर पेड़ से टकरा गया जिसके चलते ट्रक कंटेनर में आग लग गई सूचना पर पहुंची फायर बिग्रेड टीम ने मौके पर पहुंच जल रहे ट्रक को कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार थाना पटरंगा क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग प्रिंस ढाबा गनौली गांव के पास ट्रक कंटेनर संख्या यूपी 80 एल टी 0315 जो सीतापुर से गोरखपुर दूध लेकर जा रहा था। तभी अचानक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गया जिसके चलते आग लग गई। ट्रक में आग लगने की सूचना पर फायर बिग्रेड टीम के चालक बृजपाल, सद्दाम हुसैन, फैयाज अहमद,राम बहादुर के साथ मौके पर पहुंच ट्रक में लगी आग काफी मशक्कत के बाद पर काबू पाया गया। फायर कर्मी सद्दाम हुसैन ने बताया कि ट्रक कंटेनर पेड़ से टकराने के बाद आग लगने की सूचना मिली थी जिसपर फायर बिग्रेड टीम ने पहुंच आग पर काबू पाया गया।

निर्जला एकादशी व्रत से जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलती है : महावीर

स्वतंत्र भारत अयोध्या (सं)। प्रसिद्ध पीठ श्रीहनुमत केलकुंज गोलाघाट, अयोध्या धाम के पीठाधीश्वर श्रीमहंत महावीर शरण महाराज ने बताया कि गुरुवार को निर्जला एकादशी यानी भीमसेनी एकादशी धूमधाम के साथ मनाई गई। इस दिन लोगों ने पूरे दिन निर्जल रहकर व्रत रखा और पुण्य लाभ अर्जित किया। साथ ही जल दान कुंभ के साथ गुड़, चीनी, पंखा, फल आदि दान दिया। जिसका ब्राह्मणों को देने का विधान है और इसका बहुत ही महत्व बताया गया है। निर्जला एकादशी हिंदू धर्म के सबसे पवित्र और आध्यात्मिक रूप से शक्तिशाली दिनों में से एक मानी जाती है। यह व्रत कठिन अवश्य है, लेकिन इसे श्रद्धा और नियमपूर्वक करने से व्यक्ति में आत्मसंयम, भक्ति और सकारात्मकता का विकास होता है। साथ ही भगवान विष्णु की कृपा और आशीर्वाद प्राप्त होने की भी मान्यता है। इसे भगवान विष्णु की सबसे प्रिय तिथि भी माना गया है। उन्होंने कहा कि निर्जला एकादशी का व्रत करने से जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति मिलती है। निर्जला एकादशी का व्रत करने वाले भक्त को मोक्ष प्राप्त होता है। निर्जला एकादशी को पांडव भीम एकादशी या पांडव निर्जला एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। भीमसेनी एकादशी, जिसको निर्जला एकादशी भी कहते हैं। इस दिन सुबह से लेकर दिन भर निर्जला रहने का विधान शास्त्र में बताया गया है। यह एकादशी ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष में प्रतिवर्ष पड़ती है। यह सिर्फ एक व्रत नहीं, बल्कि भगवान विष्णु की भक्ति, सेवा और आत्मसंयम का विशेष दिन है। इस दिन लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार व्रत रखा, हरिनाम जप कर दान-पुण्य किया और सेवा भाव अपनाया। मान्यता है कि श्रद्धा और नियमपूर्वक किया गया यह व्रत वर्ष भर की सभी एकादशियों के समान पुण्य प्रदान करता है। निर्जला एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि समाप्त होने से पहले करना जरूरी माना गया है। अगर द्वादशी तिथि सूर्योदय से पहले समाप्त हो जाती है तो निर्जला एकादशी व्रत का पारण सूर्योदय के बाद ही किया जाता है। द्वादशी तिथि के भीतर पारण न करना शुभ नहीं माना जाता है।

बोलेरो की टक्कर से स्कूटी सवार युवक घायल, चालक समेत वाहन पुलिस हिरासत में

स्वतंत्र भारत मिल्कीपुर (सं.) थाना इनायतनगर क्षेत्र के पलिया लोहनी गांव निवासी एक युवक सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत सामान्य बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पलिया लोहनी निवासी 19 वर्षीय अभिषेक कुमार पुत्र राजेंद्र कुमार कुमारगंज से क्रिकेट खेलकर अपनी बैटरी स्कूटी से मिल्कीपुर की ओर लौट रहा था। मिल्कीपुर चौराहे से आगे एक पेट्रोल पंप के पास पीछे से आ रही बोलेरो (संख्या यूपी 62 एएन 1121) ने उसकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस से घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिल्कीपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायल का हालचाल लिया। पुलिस ने परिजनों को भी दुर्घटना की सूचना दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य अस्पताल पहुंच गए। थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि दुर्घटना में शामिल बोलेरो और उसके चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम है।

आज से कल तक यातायात रहेगा प्रतिबंधित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो (अयोध्या) अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग अयोध्या ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि वर्तमान में नाका हनुमानगढ़ी से चुंगी तिराहा (अग्रसेन तिराहा) तक सी0सी0 मार्ग का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। कार्य के दौरान कोई दुर्घटना न हो इसलिए 26 जून से 27 जून तक मार्ग पर यातायात प्रतिबन्धित रहेगा। अतः समस्त यात्रीगण, श्रद्धालुगण एवं स्थानीय नागरिकों से अनुरोध है कि चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग के किमी0 13 से बायें रामनगर मार्ग होते हुये रायबरेली-अयोध्या मार्ग सुगम यातायात हेतु प्रयोग करें।

लद्दाख हादसा : द्रास नदी में गाड़ी गिरी तीन की मौत, एक लापता, बचाव जारी

लद्दाख। लद्दाख की द्रास नदी में एक निजी वाहन गिरने से बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में तीन लोगों की दुखद मौत हो गई है और एक व्यक्ति लापता है। यह हादसा 23-24 जून की दरमियानी रात द्रास जिले के मारपूचू इलाके में हुआ था। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने लापता लोगों को खोजने के लिए एक बड़ा बचाव अभियान शुरू किया। रात के अंधेरे और नदी के तेज बहाव के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आईं। बुधवार सुबह तक तीन शव नदी से बरामद कर लिए गए थे। लापता चौथे व्यक्ति की तलाश अभी भी जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने घटना पर दुख व्यक्त किया है।

बचाव अभियान और चुनौतियां

बचाव अभियान में पुलिस के साथ राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के जवान भी शामिल हैं।

स्थानीय स्वयंसेवक भी इस कार्य में सहयोग कर रहे हैं। गोताखोरों की मदद से नदी के गहरे पानी में खोजबीन की जा रही है। नदी के पानी का बहाव तेज होने से बचाव कर्मियों को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दुर्गम पहाड़ी इलाका भी बचाव कार्य को कठिन बना रहा है। अभियान रात भर चला और बुधवार सुबह भी जारी रहा।

मृतकों की पहचान और जांच

पुलिस ने बरामद तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतकों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। लापता व्यक्ति की तलाश में विशेष टीमें लगाई गई हैं। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना वाहन चालक के नियंत्रण खोने के कारण हुई प्रतीत होती है। हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। प्रशासन ने परिजनों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

नवीं माहे मोहर्रम

अक़ीदत के फूल चढ़ाने और बोसा लेने को बेताब रहे अज़ादार

प्रयागराज। करबला में हक़ और बातिल की जंग को चौदह सौ साल गुज़रने के बाद भी आज तक हुसैन ए मज़लूम के चाहने वाले अश्क बहा कर मजलिस मातम और शहादत का बयान कर रहे हैं। मोहर्रम के चांद के दीदार से शुरु हुआ ग़म का सिलसिला आज माहे मोहर्रम की नवीं को भी शिद्दत से याद किया गया। चक ज़ीरो रोड स्थित इमामबाड़ा डिप्यूटी ज़ाहिद हुसैन में नवीं मोहर्रम की मजलिस को मौलाना सैय्यद ज़मीर हैदर रिज़वी साहब क़िब्ला ने खिताब करते हुए इमाम हुसैन के फरज़न्द हम शक्ले पैयम्बर हज़रत अली अकबर और छै माह के हज़रत मासूम अली असग़र की शहादत का ज़िक्र किया तो हर तरफ से आहो बुका की सदाएं बुलन्द होने लगीं। मजलिस से पहले रज़ा इस्माईल सफवी व साथियों ने पुरदर्द मर्सिया पढ़ा। गुलाब व चमेली के फूलों से सजा ताबूत हज़रत अली अकबर व हज़रत मासूम अली असग़र का झूला जब निकाला गया तो अक़ीदतमन्दों का सैलाब ज़ियारत को उमड़ पड़ा। या अली या हुसैन की सदाओं के साथ मातमदारों ने जम कर मातम किया। अन्जुमन हुसैनिया क़दीम के बुज़ुर्ग नौहाख्वान शाह बहादुर ने करबला की दर्दअंगेज़ मंज़र कशी करते हुए नौहा पढ़ा तो हर आंख अश्कों से सराबोर हो गई। वहीं दूसरा नौहा यूशा बहादुर व मोहम्मद अहमद गुड्डू व साथियों ने पढ़ा। छोटी चक इमामबाड़ा वज़ीर हैदर में अशरे की नवीं मजलिस को ज़ाकिरे अहलेबैत अशरफ अब्बास खां ने खिताब किया।

मीरगंज से निकाला गया अलम व जुलजनाह का जुलूस

मीरगंज स्थित इमामबाड़ा स्व रज़ी अस्करी के अज़ाखाने से नवीं मोहर्रम का दुलदुल व अलम का जुलूस अक़ीदत व ऐहतेराम के साथ निकला। अन्जुमन मोहाफिज़े अज़ा क़दीम दरियाबाद व अन्जुमन अब्बासिया रानीमंडी ने मीरगंज से निकले जुलूस मे नौहा और मातम की सदा बुलन्द की। लोकनाथ चौराहा, कोतवाली , डॉ चड्ढा रोड से रानी मंडी होते हुए जुलूस इमाम बारगाह आग़ा महमूद पर पहुंच कर सम्पन्न हुआ।

86 गेस्ट हाउस होटलों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

प्रयागराज। मुख्य अग्निशमन अधिकारी की रिपोर्ट के आधार पर, अपर जिलाधिकारी (नगर) सत्यम मिश्र ने शहर के 86 गेस्ट हाउस, बैंक्वेट हॉल, होटल और लॉज के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया है। यह कदम लखनऊ में हुए अग्निकांड के बाद प्रयागराज जिला प्रशासन ने अग्नि सुरक्षा को लेकर उठाए गए हैं। लखनऊ की घटना जैसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रयागराज प्रशासन ने अब शहर के व्यावसायिक परिसरों की गहन जांच शुरू की है। एडीएम सिटी ने स्पष्ट किया कि लखनऊ जैसे हादसों से सबक लेते हुए सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। जांच के दौरान पाया गया कि इन 86 प्रतिष्ठानों के मालिकों और प्रबंधकों ने अपने व्यावसायिक परिसरों के लिए अनिवार्य अग्नि सुरक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया था। एडीएम सिटी ने बताया कि प्रमाण पत्र के बिना इनका संचालन करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह जनहित के भी खिलाफ है। सुरक्षा मानकों के अभाव में किसी भी समय अग्निकांड जैसी बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिससे बड़े पैमाने पर जनहानि की आशंका बनी रहती है। अग्नि सुरक्षा के प्रति इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए, एडीएम सिटी ने सराय एक्ट के तहत इन सभी 86 प्रतिष्ठानों के आवेदनों को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि आदेशों के बाद भी ये प्रतिष्ठान खुले पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई की जद में आए प्रमुख प्रतिष्ठानों में खुशी बैंक्वेट लॉज, प्लेटिनम इन गेस्ट हाउस, अम्बर विला गेस्ट हाउस, पंखुड़ी गार्डेन, प्रयाग पैलेस, राधे-राधे लॉज, प्रीमियम लॉज, रमेश पैलेस, न्यू ग्रीन गार्डेन, आर्यन पैलेस, मेसर्स जे.के. महल गेस्ट हाउस, रॉयल होटल और द गोल्डेन ट्री सहित कुल 86 गेस्ट हाउस और होटल शामिल हैं।

राजाजी में गूंजेगी दहाड़, कॉर्बेट से पांच और बाघ लाने की मिली मंजूरी

ऋषिकेश। राजाजी टाइगर रिजर्व के पश्चिमी-दक्षिणी क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ी सफलता मिली है। पार्क प्रशासन को अब कार्बेट नेशनल पार्क से पांच और बाघों को लाने के लिए राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) से सहमति मिल गई है। इनमें तीन बाघिन

■ कुनबे का होगा विस्तार

और दो बाघ शामिल हैं। पार्क प्रशासन ने इसके लिए एनटीसीए के समक्ष प्रस्तुतीकरण दिया था। इससे क्षेत्र पार्क के पश्चिमी क्षेत्र में बाघों के कुनबे के विस्तार और जैव विविधता संरक्षण को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जगी है। पिछले कई वर्षों से राजाजी टाइगर रिजर्व के पश्चिमी क्षेत्र में बाघों की स्थायी आबादी विकसित करने के प्रयास किए जा रहे थे। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मार्गदर्शन में बाघ पुनर्वास परियोजना शुरू की गई थी। इसके तहत दिसंबर 2020 में पहला बाघ सफलतापूर्वक यहां लाया गया था। वर्ष 2020 से 2025 के बीच कार्बेट से कुल पांच बाघों (तीन बाघिन और दो बाघ) को

राजाजी के पश्चिमी क्षेत्र में स्थानांतरित किया गया। सभी बाघों का मेडिकल परीक्षण करने के बाद उन्हें सैटेलाइट रेडियो कॉलर पहनाकर जंगल में छोड़ा गया था, ताकि उनकी गतिविधियों और स्वास्थ्य पर लगातार नजर रखी जा सके। मई 2025 में पांचवें बाघ को मोतीचूर रेंज में छोड़े जाने के साथ परियोजना का पहला चरण पूरा हुआ था। अब दूसरे चरण के तहत फिर से तीन बाघिन और दो बाघ राजाजी लाए जाएंगे। वन अधिकारियों का मानना है कि इससे पश्चिमी-दक्षिणी क्षेत्र में बाघों की संख्या बढ़ने के साथ-साथ उनका प्राकृतिक प्रजनन भी तेज होगा। इससे न केवल वन्यजीव संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि राजाजी देश के प्रमुख बाघ आवासों में और अधिक मजबूत पहचान बना सकेगा।

पूर्व में उम्मीदों को लगा था झटका-राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन नेशनल पार्क के पश्चिमी हिस्से में बाघों की आबादी बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। वर्ष 2024 में यहां बाघिन ने चार शावकों को जन्म दिया तो राजाजी प्रशासन को उम्मीदें भी जगीं, लेकिन इस कवायद को झटका तब लगा जब दो शावकों को गुलदार ने हमला कर शिकार बना लिया था। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गुलदार के निशान सामने आए थे। हालांकि बाद में दो शावकों का अभी भी पता नहीं चल पाया था। वहीं 2020 से 2025 तक लाए गए पांच बाघों में से तीन बाघों की पार्क की से बाहर चले जाने की आशंका है। जिनमें से एक बाघ कभी कभार पार्क सीमा के भीतर आ जाता है।

बाघ विहीन था पश्चिमी क्षेत्र

राजाजी टाइगर रिजर्व में कुल 55 बाघ हैं। सभी बाघ पूर्वी क्षेत्र में हैं क्योंकि यह क्षेत्र नेशनल कार्बेट पार्क से जुड़ा हुआ है। पश्चिमी हिस्सा बाघ विहीन हो गया था। अत्यधिक मानवीय निर्मित अवरोधों के चलते बाघों का मूवमेंट नहीं हो पा रहा था। राजाजी नेशनल पार्क गंगा के कारण पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र में बंटा हुआ है। पूर्वी क्षेत्र में तीन रेंज (गौरी, चोला व रवासन रेंज) और पश्चिमी क्षेत्र में सात रेंज (हरिद्वार, कांसरो, मोतीचूर, धोलखंड, बेरीबाड़ा, चीलावाली व रामगढ़) हैं। पश्चिमी क्षेत्र में मानव निर्मित अवरोध सड़कें व चीला नहर आदि होने से यहां बाघों का मूवमेंट नहीं हो पा रहा था जबकि यहां प्रचुर मात्रा में संसाधन हैं। यह क्षेत्र कहीं ज्यादा बाघों को वहन कर सकता है।

2016 में बनी थी बाघ शिफ्टिंग योजना

राजाजी टाइगर रिजर्व में बाघों का कुनबा बढ़ाने के लिए बाघ शिफ्टिंग योजना वर्ष 2016 में बनाई गई थी। वर्ष 2018 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण से इसे मंजूरी मिली। 24 दिसंबर 2020 को पहले बाघ को मोतीचूर में शिफ्ट किया गया था। इसके बाद नौ जनवरी 2021 को बाघिन, 20 मई 2023 को बाघिन, 16 मार्च 2024 को बाघिन और अब एक मई 2025 को एक बाघ को यहां शिफ्ट किया गया।

एक नजर

जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में सुनीं तमाम शिकायतें

श्रावस्ती। जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग ने प्रतिदिन की तरह गुरूवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कक्ष में आयोजित जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याओं को सुना और उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी को 13 शिकायतें प्राप्त हुई, जो विभिन्न विभागों से सम्बन्धित थी, इन शिकायतों को तत्काल निराकरण कर रिपोर्ट प्रेषित करने हेतु सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर अब अधिकारियों की जवाबदेही तय की जायेगी। इसलिए समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण अपने कार्यालय में समस्त कार्य दिवसों में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक स्वयं जनसुनवाई करें एवं उनकी समस्याओं का समय सीमा के अन्दर निस्तारण कराना भी सुनिश्चित करें।

उर्वरक की कालाबाजारी करते पाये जाने पर उर्वरक विक्रेता पर हुई कार्यवाही

श्रावस्ती। जिला कृषि अधिकारी डा0 उमेश कुमार गुप्ता ने बताया है कि दिनांक-13.06.2026 को मै0 विजय कुमार खाद बीज भण्डार भंगहा मोड़-तिलकपुर, विकास खण्ड हरिहरपुररानी के उर्वरक प्रतिष्ठान का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पाया गया कि श्री विजय कुमार द्वारा श्री सुनील को 03 बोरी यूरिया बिकी की गयी थी, परन्तु पी0ओ0एस0 मशीन से 32 बोरी यूरिया खारिज कर दी गई। साथ ही 198 बोरी यूरिया अन्य गोदाम में भण्डारित किया गया था। जो उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश 1985 की धारा 35ए एवं 8 (2) का उल्लंघन है एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत दण्डनीय अपराध है। जिलाधिकारी महोदया के निर्देशानुसार प्रो0 विजय कुमार खाद पुत्र बालक राम निवासी भंगहा मोड-तिलकपुर, विकासखण्ड हरिहरपुर रानी थाना-कोतवाली भिनगा के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3ध्7 के तहत कोतवाली भिनगा में अभियोग पंजीकृत करा दिया गया है।

भाजपा जनसुनवाई में गूंजी जनता की आवाज

फतेहपुर। भारतीय जनता पार्टी के जेल रोड स्थित जिला कार्यालय में गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं पार्टी पदाधिकारियों के समक्ष रखीं। जनसुनवाई में दिवस प्रभारी के रूप में जिला उपाध्यक्ष कुलदीप भदौरिया एवं जिला महामंत्री सुशीला मौर्या ने फरियादियों की शिकायतें सुनकर उनके शीघ्र एवं प्रभावी निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान अयाह शाह विधानसभा क्षेत्र के बरौहां गांव निवासी सुशील कुमार ने विद्युत विभाग द्वारा कथित रूप से गलत तरीके से बिजली लाइन खींचे जाने से उत्पन्न हो रही समस्याओं को लेकर लिखित शिकायत सौंपी। भाजपा पदाधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों से वार्ता कर नियमानुसार समाधान कराने की बात कही। वहीं ग्राम बेनू के पूर्व प्रधान मुन्ना कुशवाहा ने उत्सव भवन के स्थान परिवर्तन से जुड़ी शिकायत दर्ज कराते हुए पुनर्विचार की मांग की। जनसुनवाई में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने बिजली, सड़क, विकास कार्यों तथा अन्य जनसुविधाओं से जुड़े कई मुद्दे उठाए। पार्टी पदाधिकारियों ने सभी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों तक पहुंचाकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार और संगठन जनता की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं तथा जनसुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन और प्रशासन के बीच संवाद को मजबूत करना है। इस अवसर पर रामप्रकाश गुप्ता, मंजू शुक्ला, विनोद गौतम सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने शुरु किया छात्रों की गूंज अभियान

प्रयागराज। देश भर के छात्रों की आवाज को एक मंच देने, शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी अभियान छात्रों की गूंज की शुरुआत की है। यह 40 दिनों का अभियान देश के 28 प्रमुख शहरों में छात्रों, अभ्यर्थियों, कोचिंग हब, कॉलेज कैंपस, पुस्तकालयों और युवा समूहों के बीच चलाया जाएगा। गुरुवार को मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि देश की शिक्षा एवं भर्ती प्रणाली गंभीर संकट से गुजर रही है और लाखों युवाओं का भविष्य लगातार प्रभावित हो रहा है। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि नीट सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आए पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने की घटनाओं ने करोड़ों छात्रों और उनके परिवारों को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था आईसीयू में है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों की मेहनत, भारी आर्थिक निवेश और परिवारों की उम्मीदें जुड़ी होती हैं, लेकिन बार-बार होने वाली अनियमितताएं युवाओं का भरोसा तोड़ रही हैं। कांग्रेस पार्टी 25 जून से 9 अगस्त तक देश के 28 प्रमुख शहरों में छात्रों और युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करेगी। अभियान के तहत 'शिक्षा बचाओ, युवा बचाओ' और 'छात्र सत्याग्रह' जैसे कार्यक्रम चलाए जाएंगे, जिनके माध्यम से छात्रों की समस्याओं, परीक्षा व्यवस्था में सुधार और पारदर्शिता की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया जाएगा।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्र सत्याग्रह में भाग लेने के लिए प्रयागराज आएंगे और छात्रों के साथ संवाद करेंगे। उनके आने की तारीख व स्थान अभी तय नहीं है। इस अभियान के कोऑर्डिनेटर अनिल यादव ने बताया कि 27 जून से शहर में पर्चा वितरण, नुक्कड़ बैठक और छात्र संपर्क अभियान शुरू होगा। जुलाई महीने में साप्ताहिक कार्यक्रम, कैंपस संपर्क और अंबेडकर संवाद होगा।

छत्तीसगढ़ में मानसून सक्रिय, कई जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट

छत्तीसगढ़। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सक्रिय होने के बाद मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। राजधानी रायपुर सहित कई जिलों में बीते दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में अगले दो दिनों तक बारिश, गरज-चमक और वज्रपात की संभावना जताई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राजस्थान से लेकर पश्चिम बंगाल तक फैली मौसमी द्रोणिका और मध्य प्रदेश के दक्षिण-पूर्वी हिस्से में बने चक्रवाती परिसंचरण के कारण प्रदेश में नमी बढ़ी है। यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियां लगातार बनी हुई हैं। प्रदेश के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। इसके साथ ही कुछ स्थानों पर गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने

की संभावना भी जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी 48 घंटों तक प्रदेश में वर्षा की गतिविधियां बनी रहेंगी। कई क्षेत्रों में बादल गरजने, तेज हवाएं चलने और वज्रपात की घटनाएं हो सकती हैं। राजधानी रायपुर में गुरुवार को दिनभर बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है। गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के विभिन्न संभागों में मध्यम से तेज बारिश दर्ज की गई। दंतेवाड़ा और रायगढ़ जिले के कुछ क्षेत्रों में भारी वर्षा भी रिकॉर्ड की गई है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है, हालांकि बिलासपुर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजनांदगांव में न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संजय झील की रीमॉडलिंग से दिल्ली के फेफड़ों को मिलेगी नई ऑक्सीजन

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली की जीवनरेखा और 52 एकड़ में फैली संजय झील अब अपने पुराने गौरव को हासिल करेगी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने झील और उसके आसपास के 165 एकड़ संरक्षित वन क्षेत्र के पुनरुद्धार कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया और स्पष्ट किया कि इस प्राकृतिक संपदा को उसकी पुरानी चमक वापस लौटाना नॉन-

■ 5000 पेड़ों से महकेगी फिजा

नेगोशिएबल (अपरिहार्य) है। एलजी ने दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली जल बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि वे मिशन मोड में काम करते हुए दल्लूपुरा एसटीपी से उपचारित पानी की निरंतर आपूर्ति यहां सुनिश्चित करें, ताकि झील का जलस्तर बना रहे।

लगेंगे ये पेड़- झील की पारिस्थितिक जैव विविधता को बढ़ाने के लिए वहां 5,000 स्थानीय (नेटिव) पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में यहां यूकेलिप्टस, नीम, अर्जुन, पापड़ी और अशोक जैसे पेड़ मौजूद हैं, लेकिन नई योजना के तहत मिट्टी की सेहत और वातावरण को देखते हुए कनीर, चंपा और पिलखन जैसी प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यह कदम न

केवल प्रदूषण कम करेगा, बल्कि कल्याणपुरी, त्रिलोकपुरी और मयूर विहार फेज-2 जैसे घनी आबादी वाले इलाकों के लिए शुद्ध हवा का स्रोत बनेगा।

गंदा पानी और गाद बीते दिनों की होगी बात-एलजी ने झील की दयनीय स्थिति, गाद और कचरे के जमाव पर सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल सफाई के निर्देश दिए हैं। वर्तमान में झील से लगातार खरपतवार और काई हटाने का काम चल रहा है। पानी की गुणवत्ता सुधारने के लिए भविष्य में बायो-रेमेडिएशन तकनीक का उपयोग किया जाएगा और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने के लिए झील में फव्वारे लगाए जाएंगे।

दो चरणों में बदलेगी तस्वीर-

पुनरुद्धार का कार्य दो चरणों में बांटा गया है। पहले चरण को अगस्त 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है, जिसमें रुके हुए पानी को झील तक पहुंचाना और पैदल रास्तों (पाथवे) की मरम्मत शामिल है। दूसरा चरण मई 2027 तक चलेगा, जिसमें बायो-स्वैल्स की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि बारिश का पानी सीधे जमीन के अंदर जाए और भूजल स्तर में सुधार हो सके। एलजी ने मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए जियो-टेक्सटाइल तकनीक के उपयोग करने को कहा है।

विभागीस सुस्ती नहीं चलेगी- काम में देरी को रोकने के लिए उपराज्यपाल ने डिपार्टमेंटल साइलोस (विभागीय खींचतान) को खत्म करने की बात कही है। उन्होंने पार्क के प्रबंधन में स्थानीय आरडब्ल्यूए को शामिल करने और सीएसआर फंड का उपयोग करने का सुझाव दिया है। उनका विजन है कि संजय झील न केवल एक पर्यटन स्थल बने, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक लचीला और टिकाऊ ब्लू-ग्रीन एसेट साबित हो।

शेयर बाजार में राहत, सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर हुए बंद

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में 25 जून 2026 को निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। मजबूत कारोबारी रुझान और प्रमुख सेक्टर्स में व्यापक खरीदारी के दम पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ। घरेलू बाजार के साथ-साथ चुनिंदा वैश्विक बाजारों (ग्लोबल मार्केट) के इंडेक्स में भी सकारात्मक रुख दर्ज किया गया है।

सेंसेक्स और निफ्टी के क्लोजिंग आंकड़े क्या रहे?

कारोबारी दिन के अंत में बाजार के प्रमुख सूचकांकों ने मामूली लेकिन ठोस बढ़त दर्ज की। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 109.25 अंक (0.14त्न) की तेजी के साथ 77,100.47 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 34.35 अंक (0.14त्न) की बढ़त लेकर 24,056.00 के स्तर पर पहुंच गया।

बाजार की इस तेजी में किन शेयरों और सेक्टर्स ने दिखाया दम?

इस रैली में मुख्य रूप से अर्थव्यवस्था के प्रति संवेदनशील सेक्टर्स का दबदबा रहा। रियल्टी, ऑटो, वित्तीय सेवाओं और सीमेंट शेयरों ने बाजार में शानदार प्रदर्शन किया। निवेशकों के सकारात्मक नजरिए के चलते बैंकिंग शेयरों ने भी इस तेजी में अपना अहम योगदान दिया। अगर व्यक्तिगत कंपनियों की बात करें, तो दिग्गज ऑटो कंपनियों महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति के शेयरों में 4-4 प्रतिशत का शानदार उछाल दर्ज किया गया।

किन सेक्टर्स में निवेशकों ने की मुनाफावसूली?

हालांकि बाजार का ओवरऑल मूड पूरी तरह से सकारात्मक रहा, लेकिन कुछ सेक्टर्स में निवेशकों ने चुनिंदा तौर पर मुनाफावसूली भी की। इस बिकवाली के कारण मेटल और मीडिया सेक्टर के शेयरों में सुस्ती देखी गई और ये बाजार की रफ्तार में पीछे रह गए।

ग्लोबल मार्केट के इंडेक्स क्या संकेत दे रहे हैं?

अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले-जुले लेकिन मुख्य रूप से सकारात्मक संकेत मिले हैं। लंदन के समय के अनुसार सुबह 6:56 बजे तक एसएंडपी 500 फ्यूचर्स में 0.6त्न और नैस्डैक 100 फ्यूचर्स में 2त्न की मजबूत बढ़त दर्ज की गई। यूरो स्टॉक्स 50 फ्यूचर्स 0.3त्न चढ़ा, जबकि डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज फ्यूचर्स में कोई खास बदलाव नहीं देखा गया। एशियाई बाजारों में रुझान मिश्रित रहा; जापान के टोपिक्स इंडेक्स में 1.6त्न की तेजी आई, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग 1.7% और ऑस्ट्रेलिया का S&P/ASX 200 इंडेक्स 0.6त्न गिरकर कारोबार कर रहा था।

चांदी 5,494 सस्ती व सोना 2,305 गिरकर 1.40 लाख पर आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 25 जून को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 1 किलो चांदी आज चांदी 5,494 रुपए घटकर 2.17 लाख रुपए पर आ गई है। चांदी 3 दिन में ही 21 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है। वहीं 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 2,305 रुपए गिरकर 1.40 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.42 लाख पर था। सोना के दाम इस महीने 16 हजार रुपए और चांदी के 46 हजार रुपए गिरे हैं। 1 जून को सोना ?1.56 लाख/10 ग्राम और चांदी ?2.63 लाख/किलो थी। -- चांदी इस साल 1.69 लाख रुपए गिरी -- इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 36 हजार रुपए सस्ता हो चुका है। वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए तक पहुंच गई थी। यह चांदी के अब तक की सबसे ज्यादा दाम थे। तब से अब तक 147 दिन में चांदी 1.69 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

सोने-चांदी के दाम में गिरावट की वजह

यूएस-ईरान समझौता-अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम समझौता साइन हुआ है। इसकी वजह से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा कम हो गया, जिससे निवेशकों ने सोने-चांदी जैसे सुरक्षित निवेश से अपना पैसा निकालना शुरू कर दिया।

यूएस फेडरल रिजर्व का रुख- फेडरल रिजर्व ने हाल ही में संकेत दिए हैं कि वह इस साल ब्याज दरों में कटौती करने के बजाय उन्हें बढ़ा सकता है। ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीद से सोने जैसी बिना ब्याज वाली धातु की चमक कम हो जाती है।

मजबूत अमेरिकी डॉलर- फेडरल रिजर्व के संकेतों के बाद वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर इंडेक्स मजबूत हुआ है। आमतौर पर जब डॉलर मजबूत होता है, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें गिरती हैं।

मुनाफावसूली- पिछले कुछ समय पहले सोने और चांदी की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुकी थीं। दामों में इतनी बड़ी तेजी आने के बाद बड़े निवेशकों और ट्रेडर्स ने मुनाफावसूली की, जिससे कीमतों में अचानक तेज गिरावट आई।

विदेश जाना हुआ महंगा - सरकार ने बढ़ाए पासपोर्ट के शुल्क, 1 जुलाई से 36 पेज के लिए देने होंगे 2,500

नई दिल्ली। वदेश घूमने, पढ़ाई करने या काम के सिलसिले में देश से बाहर जाने की योजना बना रहे लोगों की जेब पर अब अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। केंद्र सरकार ने नया पासपोर्ट बनवाने और पुराने को रिन्यू कराने की फीस में भारी इजाफा कर दिया है। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी पासपोर्ट (संशोधन) नियम, 2026 के तहत नई दरें 1 जुलाई, 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएंगी। आइए, आसान भाषा में समझते हैं कि आपकी जेब पर इसका कितना असर होने वाला है।

18 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए अब क्या होगी नई फीस?

नए नियमों के अनुसार, 18 साल या उससे अधिक उम्र के वयस्कों के लिए पासपोर्ट सेवाओं की दरों में सीधे तौर पर बदलाव किया गया है- 36-पेज का पासपोर्ट- पहले इसके लिए 1,500 रुपये देने होते थे, लेकिन अब नॉर्मल फीस बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दी गई है। वहीं, अगर आप इसे तत्काल सेवा के तहत बनवाते हैं, तो आपको कुल 5,000 रुपये चुकाने होंगे। 60-पेज का पासपोर्ट- जो लोग ज्यादा सफर करते हैं और 60 पेज का जंबो पासपोर्ट बनवाते हैं, उन्हें अब 2,000 रुपये के बजाय 3,500 रुपये देने होंगे। इसका तत्काल शुल्क

6,000 रुपये तय किया गया है।

बच्चों (18 साल से कम) के पासपोर्ट पर महंगाई का कितना असर पड़ा है?

बच्चों के पासपोर्ट की फीस भी बढ़ा दी गई है। 18 वर्ष से कम आयु के आवेदकों के लिए नया 36-पेज का पासपोर्ट बनवाने का शुल्क 1,000 रुपये से बढ़ाकर 1,750 रुपये कर दिया गया है। यदि बच्चों का पासपोर्ट तत्काल श्रेणी में बनवाना है, तो इसके लिए 4,250 रुपये देने होंगे। ध्यान रहे, नाबालिगों का पासपोर्ट 5 साल या उनके 18 वर्ष का होने तक (जो भी पहले हो) ही वैध रहता है।

पासपोर्ट खोने या डैमेज होने पर कितना लगेगा चार्ज- अगर आपका पासपोर्ट गुम हो जाता है या किसी वजह से खराब (डैमेज) हो जाता है, तो डुप्लीकेट पासपोर्ट निकलवाना अब काफी महंगा सौदा होगा- **36-पेज रिप्लेसमेंट**- नॉर्मल कैटेगरी में इसके लिए 5,000 रुपये और तत्काल में 7,500 रुपये लगेंगे। **60-पेज रिप्लेसमेंट**- नॉर्मल में 6,000 रुपये और तत्काल में 8,500 रुपये चुकाने होंगे। **बच्चों का रिप्लेसमेंट (36-पेज)**- नॉर्मल कैटेगरी में 4,250 रुपये और तत्काल में 6,750 रुपये फीस निर्धारित की गई है। **पुलिस क्लीयरेंस और अन्य जरूरी सर्टिफिकेट के लिए क्या हैं नए रेट**-पासपोर्ट सेवाओं से जुड़े अन्य दस्तावेजों के शुल्क में भी बदलाव किया गया है। अब पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट, सरेंडर सर्टिफिकेट और ग्लोबल एंट्री प्रोग्राम वेरिफिकेशन जैसे अन्य विविध प्रमाणपत्रों के लिए 750 रुपये का शुल्क देना होगा। इसके अलावा, सर्टिफिकेट ऑफ आइडेंटिटी बनवाने का खर्च 1,000 रुपये होगा। **क्या बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सरकार से कोई राहत मिलेगी**- राहत की बात यह है कि सरकार ने कुछ विशेष वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की छूट को बरकरार रखा है। 8 साल तक के छोटे बच्चों और 60 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों (सीनियर सिटीजन) के नए आवेदन पर यह 10 फीसदी की छूट मिलती रहेगी। पासपोर्ट बनवाने जा रहे लोगों को 1 जुलाई 2026 से नई और बढ़ी हुई दरों के हिसाब से ही अपना बजट तैयार करना होगा। हालांकि, वयस्कों के लिए जारी किया गया पासपोर्ट पहले की तरह ही 10 साल तक वैध रहेगा।

ट्रेन हादसे में कितना मुआवजा देता है रेलवे?

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे हर रोज एक बड़ी संख्या में अलग-अलग जगहों के लिए ट्रेनों का संचालन करती है। गंतव्य तक ट्रेन समय पर पहुंच सके, इसके लिए रेलवे के कई अधिकारी जमीन पर रहकर काम करते हैं। रेलवे ने अलग-अलग चीजों को लेकर अलग-अलग नियम बना रखे हैं। जैसे- अगर ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होती है तो किस आधार पर कितना मुआवजा दिया जाएगा।

ट्रेन हादसा होने पर कितना मुआवजा मिलता है?

हादसा होने पर ट्रेन यात्रियों की मदद रेलवे के नियमों के तहत की जाती है। इसमें टिकट बुकिंग के समय लिए जाने वाले ट्रैवल इंश्योरेंस का भी फायदा मिल सकता है।

इसके लिए ट्रेन टिकट बुक करते समय कुछ पैसे लिए जाते हैं ट्रेन हादसे में अगर किसी यात्री की जान चली जाती है, तो रेलवे यात्रा बीमा के तहत उसके परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जा सकता है।

दिव्यांग होने पर भी 10 लाख रुपये तक की रकम दी जाती है रेलवे ट्रैवल इंश्योरेंस के तहत ट्रेन हादसे में घायल हुए यात्रियों की भी आर्थिक मदद की जाती है।

ट्रेन हादसे में अगर किसी यात्री को स्थायी आंशिक दिव्यांगता होती है, तो उसे 7.5 लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जा सकता है।

जबकि, घायल हुए यात्रियों को अस्पताल में भर्ती होने के लिए 2 लाख रुपये तक की मदद की जा सकती है इसके अलावा जब कोई ट्रेन हादसा होता है, तो सरकारें भी आर्थिक मदद करती है।

जहां केंद्र सरकार आर्थिक सहायता राशि मृतकों के परिवारों और घायलों को देती है। वहीं, राज्य सरकारें भी मदद करती है।

मोदी सरकार में किसी राज्य को कम नहीं मिलेगा हक का पैसा, : वित्त मंत्री

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को तमिलनाडु के कांचीपुरम में एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने दोहराया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी राज्य को उसके हक से कम धन न मिले। वित्त मंत्री ने तमिलनाडु को मिलने वाले सभी बकाया धन को पारदर्शी तरीके से जारी करने का आश्वासन दिया। उनका यह बयान राज्य के विकास और केंद्र-राज्य संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। सीतारमण ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि किसी भी राज्य को उसके हिस्से से कम वित्तीय सहायता नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु को आवश्यक वित्तीय सहायता लगातार प्रदान कर रही है। राज्य को मिलने वाला धन बिना किसी बाधा के जारी किया जाएगा। वित्त मंत्री ने तमिलनाडु सरकार के केंद्र के साथ सहयोगात्मक संबंध बनाए रखने के इरादे पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसा दृष्टिकोण राज्य के विकास के लिए बेहद फायदेमंद होगा। सीतारमण ने क्षेत्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए प्रशासनिक कदमों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे का जिक्र किया। केंद्र ने तीन साल पहले ही राज्य की आवश्यकतानुसार चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना के लिए हर संभव सहायता देने की इच्छा व्यक्त की थी।

क्या ऋण का उपयोग केवल कल्याणकारी योजनाओं के लिए होना चाहिए?

वित्त मंत्री ने व्यापक आर्थिक प्रथाओं और राजकोषीय प्रबंधन पर भी बात की। उन्होंने जोर दिया कि ऋण का उपयोग स्थायी संपत्ति बनाने के लिए किया जाना चाहिए। इसका उद्देश्य रोजगार के अवसर पैदा करना भी होना चाहिए। सीतारमण ने स्पष्ट किया कि उधार लिए गए धन का उपयोग केवल कल्याणकारी योजनाओं और सब्सिडी आधारित सहायता के लिए नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन निधियों को दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि और विकास में योगदान देना चाहिए।

तमिलनाडु को केंद्र से कितनी वित्तीय सहायता मिल रही है?

सीतारमण ने आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार तमिलनाडु को लगातार वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। राज्य को उसका पूरा बकाया धन बिना किसी बाधा के जारी किया जाएगा। यह पारदर्शिता और बिना किसी चूक के सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने तमिलनाडु सरकार के साथ सहयोग की इच्छा पर भी संतोष व्यक्त किया। यह सहयोगात्मक संबंध राज्य के समग्र विकास को गति देगा।

'अमेरिका से व्यापार समझौता करीब, पर भारत को चाहिए प्रतिस्पर्धी शुल्क लाभ' : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के साथ व्यापार समझौता अंतिम चरण में है। हालांकि, यह समझौता तब तक लागू नहीं हो सकता, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों पर शुल्क में लाभ न मिले। उन्होंने इंडिया ग्लोबल फोरम के यूके-इंडिया वीक कार्यक्रम में यह बात कही। गोयल ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। मंत्री ने इस सप्ताह नई दिल्ली में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर के साथ दो दिवसीय वार्ता की थी। यह वार्ता भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण पर केंद्रित थी। वाणिज्य मंत्रालय के बयान में 24 जुलाई को समाप्त हो रहे 10 फीसदी अस्थायी शुल्क से पहले सभी मतभेदों के सुलझने का कोई संकेत नहीं मिला। गोयल ने स्पष्ट किया कि मुक्त व्यापार समझौते का मूल उद्देश्य बाजार पहुंच में प्रतिस्पर्धी देशों पर तुलनात्मक लाभ प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि जब तक यह प्रतिस्पर्धी लाभ सुनिश्चित करने का ढांचा अंतिम रूप नहीं लेता, अमेरिका के साथ समझौता लागू नहीं हो सकता। अमेरिका को ऐसे कानूनी उपकरण और समर्थन खोजना होगा जो भारत को यह बढ़त दे सकें। समझौते का ढांचा इस साल छह फरवरी को अंतिम रूप दिया गया था। तब से दोनों टीमें बारीकियों को अंतिम रूप देने पर काम कर रही हैं।

क्या है प्रतिस्पर्धी शुल्क लाभ की चुनौती?

समझौते के पहले चरण के ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने पर भारत को आसियान देशों, श्रीलंका, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धियों पर लाभ था। तब अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 18 फीसदी शुल्क की घोषणा की थी। उस समय भारत के प्रतिस्पर्धी देशों पर शुल्क 19 से 20 फीसदी के बीच था। लेकिन अब सभी देशों को समान 10 फीसदी अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ रहा है। गोयल ने बताया कि यह समझौता भारत पर 50 फीसदी शुल्क को घटाकर 18 फीसदी करने के लिए किया गया था। इस बदलाव ने भारत के लिए समझौते को आकर्षक बनाया था।

समझौते में देरी क्यों हो रही है?

अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने 3 जून को मुंबई में कहा था कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता 99 फीसदी पूरा हो चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि शेष 1 फीसदी मुद्दों को अगले कुछ हफ्तों में सुलझा लिया जाएगा। गोयल ने बताया कि जब भारत ने अमेरिका के साथ समझौता अंतिम रूप दिया था, तब अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम के तहत शुल्क लागू थे। अब बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अस्थायी 10 फीसदी शुल्क व्यवस्था की पृष्ठभूमि में हो रही है। यह व्यवस्था एक महीने में यानी 24 जुलाई को समाप्त होने वाली है।

भारत को अब क्या चाहिए?

गोयल ने कहा कि पूरा समझौता उस प्रतिस्पर्धी लाभ पर केंद्रित था जो भारत को 18 फीसदी शुल्क के साथ पड़ोसी और प्रतिस्पर्धी देशों पर मिला था। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा ट्रंप के व्यापक शुल्कों को रद्द करने और 24 जुलाई को अतिरिक्त अस्थायी शुल्क समाप्त होने के बाद, भारत को समझौते को लागू करने का कोई ठोस कारण चाहिए। मंत्री ने कहा कि अब ध्यान इस बात पर है कि भारत को वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, मलेशिया, इंडोनेशिया, चीन, बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों पर प्रतिस्पर्धी शुल्क लाभ मिले। ये देश विकास के समान चरण में हैं या भारत जैसी ही लागत संरचना रखते हैं। भारत चाहता है कि उसके उत्पादों को बाजार में बेहतर पहुंच मिले।

अर्थव्यवस्था में नकदी बढ़ाने के लिए ऋह्लह्लु करेगा बड़ा बदलाव

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने देश के वित्तीय बाजार को और अधिक मजबूत तथा पारदर्शी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। गुरुवार, 25 जून 2026 को केंद्रीय बैंक ने मनी मार्केट (मुद्रा बाजार) में तरलता (लिक्विडिटी) बढ़ाने और सरकारी प्रतिभूतियों के लेनदेन नियमों को आसान बनाने के लिए दो नए ड्राफ्ट दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

केंद्र ने कॉमर्शियल एलपीजी कोटा 70% से बढ़ाकर 100% किया

इंडस्ट्रीज को भी पहले की खपत का 50% मिलेगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों को एक बार फिर LPG सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। सरकार ने 25 जून को कॉमर्शियल LPG सिलेंडर सप्लाई पर लगी सभी सेक्टर-वाइज पाबंदियां हटा दी हैं। गैस संकट को देखते हुए सरकार ने कॉमर्शियल LPG सिलेंडर सप्लाई में कटौती की थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि इसके अलावा, गैस संकट की शुरुआत में इंडस्ट्रीज को रोकी गई बल्क LPG की सप्लाई में भी ढील दी गई है। इसे संकट से पहले की खपत के स्तर का 50% कर दिया गया है। यह बहाली LPG सप्लाई की स्थिति में हाल ही में हुए सुधार के बाद की गई है।

घरेलू उत्पादन में सुधार और इंपोर्टेड कार्गो आने की उम्मीद से लिया फैसला- पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि घरेलू स्तर पर LPG के उत्पादन में सुधार और विदेशों से आने वाले LPG कार्गो के भारत पहुंचने की उम्मीद के बाद कॉमर्शियल सप्लाई पर लगी रोक हटा ली गई है। इसके अलावा संकट की शुरुआत में पूरी तरह रोक दी गई बल्क LPG की सप्लाई को भी पहले की कुल खपत (प्री-क्राइसिस लेवल) 50% स्तर तकरूप से दोबारा शुरू कर दिया गया है, जिससे बड़े औद्योगिक उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी। सप्लाई चेन सुधरने के बाद अब सरकार ने C3 और C4 हाइड्रोकार्बन स्ट्रीम्स के डायवर्जन को कम करने का फैसला किया है। इससे पेट्रोकेमिकल और अन्य डाउनस्ट्रीम उद्योगों को उनका पुराना कोटा वापस मिल सकेगा। हालांकि, पेट्रोलियम मंत्रालय ने साफ किया है कि यह ढील इस शर्त पर दी गई है कि देश में घरेलू LPG की कुल उपलब्धता प्रभावित नहीं होनी चाहिए और रोजाना उत्पादन कम से कम 40,000 टन बना रहना चाहिए।

अब अंत्योदय परिवारों को प्रति व्यक्ति सात किलो अनाज देने की तैयारी, जानिए सरकार के नए प्रस्ताव में क्या

नई दिल्ली। देश में गरीबों में भी सबसे गरीब माने जाने वाले तबके के लिए राशन से जुड़ी एक अहम नीतिगत पहल होने जा रही है। सरकार अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के तहत मिलने वाले राशन के आवंटन नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रही है। इसका मुख्य उद्देश्य वितरण प्रणाली में मौजूद असमानताओं को दूर कर बड़े और गरीब परिवारों को राहत देना है।

सरकार अंत्योदय अन्न योजना में क्या नया बदलाव करने जा रही है?

खाद्य व सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ह्लस्रह्र), 2013 में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इस संबंध में खाद्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा जारी करते हुए आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव व आपत्तियां मांगी हैं। मंत्रालय ने इच्छुक लोगों से 13 जुलाई तक अपने सुझाव भेजने का आग्रह किया है, जिसके बाद प्राप्त टिप्पणियों के आधार पर विधेयक के अंतिम स्वरूप पर विचार किया जाएगा। मौजूदा समय में सरकार अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के तहत हर परिवार को हर महीने 35 किलो खाद्यान्न (अनाज) एकमुश्त देती है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने अब इस तय सीमा को बदलकर प्रति व्यक्ति 7 किलो प्रतिमाह करने का प्रस्ताव रखा है। हालांकि, एक परिवार के लिए राशन की अधिकतम सीमा (कैप) अभी भी 35 किलो ही तय रहेगी।

राशन के पुराने नियमों में सरकार को क्या खामी नजर आई?

वर्तमान कानून के अनुसार, एएवाई परिवारों को परिवार के सदस्यों की संख्या की परवाह किए बिना फ्लैट 35 किलो राशन दिया जाता है, जबकि इसके उलट प्राथमिकता वाले परिवारों को प्रति व्यक्ति 5 किलो राशन मिलता है। सरकार का मानना है कि इस ढांचे के कारण एएवाई योजना के बड़े परिवारों को प्राथमिकता वाले परिवारों की तुलना में प्रति व्यक्ति कम राशन मिल पाता था, जबकि प्राथमिकता वाले परिवार एएवाई लाभार्थियों की तुलना में कम संवेदनशील माने जाते हैं। मंत्रालय ने अपने बयान में स्पष्ट किया कि पुरानी व्यवस्था सबसे कमजोर परिवारों की सुरक्षा के लिए बनाई गई थी, लेकिन परिवार के आकार के कारण इससे भारी असमानता पैदा हो रही थी।

नए नियमों के लागू होने से परिवारों को अनाज कैसे मिलेगा?

नए प्रस्तावित ढांचे के अनुसार, राशन का आवंटन परिवार के सदस्यों की संख्या के आधार पर होगा। उदाहरण के लिए, अगर किसी एएवाई परिवार में केवल दो सदस्य हैं, तो उन्हें हर महीने 14 किलो राशन मिलेगा। वहीं, यदि परिवार में पांच या उससे अधिक सदस्य हैं, तो वे मौजूदा अधिकतम सीमा यानी 35 किलो राशन के हकदार होंगे। छोटे परिवारों के लिए कुल आवंटन में शायद बहुत कम बदलाव हो, लेकिन बड़े परिवारों को इस नए नियम से सीधा फायदा होगा क्योंकि उनका राशन परिवार के आकार के हिसाब से बढ़ेगा। वर्तमान में एएवाई और प्राथमिकता वाले दोनों तरह के परिवारों को चावल और गेहूं मुफ्त में बांटा जाता है।

सरकार इस बदलाव को कानूनी रूप कैसे देगी?

इस बड़े बदलाव को लागू करने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 में संशोधन का प्रस्ताव पेश किया है। खाद्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा (संशोधन) विधेयक, 2026 का मसौदा तैयार कर लिया है और 13 जुलाई तक इस पर आम जनता से सुझाव और टिप्पणियां आमंत्रित की हैं।

EPFO पोर्टल 26-28 जून तक बंद रहेगा

नई दिल्ली। EPFO का ऑनलाइन क्लेम प्रोसेसिंग पोर्टल 26 से 28 जून तक बंद रहेगा। इसकी वजह सिस्टम माइग्रेशन और सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन है। इस दौरान पीएफ विड्रॉल, ई पासवबुक सर्विस और अन्य डिजिटल सर्विस बंद रहेंगी।

EPFO का ऑनलाइन पोर्टल कब से कब तक बंद रहेगा?

EPFO मेंबर पोर्टल पर जारी आधिकारिक नोटिस के मुताबिक, ऑनलाइन क्लेम सबमिशन और प्रोसेसिंग की सर्विस अगले साल 26 जून 2026 को रात 00:00 बजे से लेकर 28 जून 2026 को रात 23:59 बजे तक बंद रहेगी। सभी डिजिटल सेवाएं 29 जून 2026 को रात 00:00 बजे से दोबारा शुरू हो जाएंगी।

> ■ सॉफ्टवेयर अपग्रेडेशन के कारण क्लेम प्रोसेस नहीं होंगे

निवेश विस्तार पर जोर-नई नोवा दो सीरीज़ के दो फाइव जी स्मार्टफोन की बिक्री शुरू हो गई है, जिनमें दमदार प्रोसेसर, बड़ी बैटरी और एआई फीचर्स दिए गए हैं। एआई+ स्मार्टफोन ने नोवा दो प्रो और नोवा दो नियो को बाजार में उतारा है। सीईओ माधव शेठ ने कहा कि भारतीय बाजार में अच्छा प्रतिसाद मिलेगा।

इस 3 दिन के शटडाउन की मुख्य वजह क्या है?

EPFO अपने डेटाबेस को मजबूत करने के लिए एक बड़ा डेटाबेस कंसोलिडेशन (डेटाबेस एकीकरण) और सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन का अपग्रेडेशन कर रहा है। संगठन के मुताबिक, यह एक तय शेड्यूल के तहत किया जा रहा सिस्टम माइग्रेशन है। इसका उद्देश्य भविष्य में ग्राहकों को तेज, सुरक्षित और ज्यादा भरोसेमंद सर्विस देना है।

इस शटडाउन का ब्लब्ल खाताधारकों यानी सब्सक्राइबर पर क्या असर पड़ेगा?

इस तीन दिनों के दौरान कोई भी खाताधारक नया ऑनलाइन क्लेम सबमिट नहीं कर पाएगा। इसके अलावा जो क्लेम पहले से प्रोसेस में हैं, उन पर भी काम रोक दिया जाएगा। जिन लोगों को इमरजेंसी में पैसों की जरूरत है, उन्हें ट्रांसफर या विड्रॉल के लिए इंतजार करना होगा। इसके अलावा ई पासवबुक सर्विस, श्वष्टक फाइलिंग और ह्र को अकाउंट से लिंक नहीं कर सकेंगे।

स्विट्जरलैंड ने कनाडा को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप बी मुकाबले में स्विट्जरलैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कनाडा को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही स्विट्जरलैंड ने ग्रुप बी में शीर्ष पर रहते हुए राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली है। हार के बावजूद कनाडा की टीम भी नॉकआउट स्टेज में पहुंचने में सफल रही है। बीसी प्लेस स्टेडियम में खेला गया यह मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। दोनों ही टीमों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। स्विट्जरलैंड और कनाडा की टीम ने कई मौके बनाए, लेकिन पहले हाफ में किसी भी टीम को सफलता हाथ नहीं लगी। दोनों ही टीमों का डिफेंस शुरुआती 45 मिनटों में बेहद मजबूत दिखाई दिया। हालांकि, दूसरे हाफ के आगाज के साथ ही स्विट्जरलैंड ने मैच का पहला गोल दागा। रूबेन वर्गास ने बेहतरीन गोल करते हुए स्विट्जरलैंड को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई। टीम की इस बढ़त को जल्द ही 20 वर्षीय खिलाड़ी जोहान मंजाम्बी ने दोगुना कर दिया। मैच के 57वें मिनट में मंजाम्बी ने स्विट्जरलैंड की तरफ से दूसरा गोल किया और कनाडा को मुकाबले में बुरी तरह से बैकफुट पर धकेल दिया। मंजाम्बी पूरे मुकाबले में शानदार लय में दिखाई दिए और उन्होंने कनाडा के डिफेंस के लिए खासी दिक्कतें पैदा कीं। स्विट्जरलैंड की 2-0 की बढ़त को देखकर लग रहा था कि टीम आसानी से इस मुकाबले को अपने नाम करने में सफल रहेगी। हालांकि, मैच के 76वें मिनट में कनाडा ने मुकाबले में वापसी की। सबस्टिट्यूट खिलाड़ी के तौर पर मैदान में उतरे प्रॉमिस डेविड ने कनाडा के लिए पहला गोल किया और अचानक से मैच को बेहद रोमांचक बना दिया। स्कोर 2-1 करने के बाद कनाडा ने बराबरी करने के काफी प्रयास किए, लेकिन स्विट्जरलैंड के मजबूत डिफेंस ने उन्हें कोई और मौका नहीं दिया। स्विट्जरलैंड ने 3 मुकाबलों में 7 प्वाइंट अर्जित करते हुए नॉकआउट स्टेज में अपनी जगह बनाई और टीम ग्रुप बी में पहले स्थान पर रही। वहीं, कनाडा ने 3 मुकाबलों में 4 प्वाइंट के साथ राउंड ऑफ 32 का टिकट हासिल किया।

बोस्निया एंड हर्जेगोविना को मिला नया 'सिकंदर' कतर को रौंदकर नॉकआउट में पहुंचा

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में बोस्निया-हर्जेगोविना ने राउंड ऑफ 32 का टिकट हासिल कर लिया है। ग्रुप बी के मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना ने कतर को एकतरफा अंदाज में 3-1 से हराया। हालांकि, कतर के खिलाफ मिली जीत के बावजूद बोस्निया-हर्जेगोविना के नॉकआउट स्टेज में पहुंचने की उम्मीदें अन्य ग्रुप के मुकाबलों के नतीजों पर टिकी हुई थीं। स्कॉटलैंड पर ब्राजील को मिली 3-0 की जीत और मोरक्को के खिलाफ हैती की 2-4 की हार के साथ ही बोस्निया-हर्जेगोविना का राउंड ऑफ 32 में खेलने का सपना साकार हो गया।

सिएटल स्टेडियम में हुए मुकाबले में बोस्निया-हर्जेगोविना की टीम शुरुआत से ही कतर पर हावी नजर आई। टीम के लिए मैच का पहला गोल 18 वर्षीय खिलाड़ी केरिम अलाजबेगोविच ने दागा। उन्होंने मैच के 29वें मिनट में बॉक्स के बाहर से बेहतरीन गोल करते हुए बोस्निया-हर्जेगोविना को 1-0 की बढ़त दिलाई। टीम की यह बढ़त सिर्फ 5 मिनट बाद ही दोगुनी हो गई, जब कतर के गोलकीपर सुल्तान अलब्राके एडिन जेको के क्रॉस को क्लियर करने के प्रयास में खुद का ही गोल कर बैठे। हालांकि, मैच के 42वें मिनट में कतर ने मुकाबले में शानदार वापसी की। टीम के अनुभवी खिलाड़ी हसन अलहायदोस ने बेहतरीन गोल करते हुए स्कोर को 2-1 कर दिया। हालांकि, इसके बाद पहले हाफ में कोई और गोल नहीं लगा। दूसरे हाफ में कतर ने आक्रामक खेल दिखाया और स्कोर को बराबर करने की पूरी कोशिश की, लेकिन बोस्निया-हर्जेगोविना के डिफेंस ने दमदार प्रदर्शन करते हुए उन्हें कोई मौका नहीं दिया। मैच के 80वें मिनट में सबस्टिट्यूट खिलाड़ी के तौर पर आए एरमिन माहमिक ने डिफ्लेक्टेड शॉट से बोस्निया-हर्जेगोविना के लिए तीसरा गोल दागा और टीम की जीत पर मुहर लगा दी। 3 मुकाबलों में 4 प्वाइंट होने के बावजूद बोस्निया-हर्जेगोविना को किस्मत का अच्छा साथ मिला, जिसके दम पर टीम ने अगले राउंड में जगह बना ली है।

मोरक्को की राउंड ऑफ 32 में धमाकेदार एंट्री, हैती को 4-2 से धोया

नई दिल्ली। मोरक्को ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 के एक जबरदस्त मुकाबले में हैती की टीम को 4-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 (नॉकआउट स्टेज) में धमाकेदार एंट्री कर ली है, हालांकि मोरक्को की टीम ग्रुप ष्ट में टॉप पर नहीं रह सकी. मोरक्को टीम ने ग्रुप स्टेज का समापन ब्राजील के बराबर ही सात अंकों के साथ किया. ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराया था, लेकिन गोल अंतर के कारण मोरक्को की टीम को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा. मोरक्को को ग्रुप स्र की टॉप टीम के खिलाफ राउंड ऑफ 32 (नॉकआउट स्टेज) में मुकाबला खेलना है. ग्रुप स्र में टॉप पर नीदरलैंड की टीम है। पहले ही बाहर हो चुकी हैती की टीम ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 टूर्नामेंट में अपने सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक किया और एक रोमांचक मुकाबले में 2-0 से बढ़त बनाई. हैती के आक्रामक खेल ने मोरक्को को पूरे समय परेशान किया और यह सुनिश्चित किया कि मुकाबला लंबे समय तक बराबरी का बना रहे. हैती की टीम ने 10 मिनट बाद पहला गोल किया. जोसुए कैसिमिर ने शानदार ढंग से गेंद को संभाला और फिर जीन-केविन डुवर्न को पास दिया. उनके द्वारा एरिया में डाली गई गेंद लेनी जोसेफ के पास पहुंची, जिन्होंने चालाकी से बैकहील शॉट मारा. गेंद मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनो से दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से टकराकर नेट में चली गई।

मोरक्को का गेंद पर कब्जा ज्यादा रहा और उन्होंने कई मौके बनाए, लेकिन हैती के अनुभवी गोलकीपर जॉनी प्लासिड ने कई महत्वपूर्ण बचाव करके अफ्रीकी टीम को बार-बार निराश किया. आखिरकार हाफ-टाइम से छह मिनट पहले दबाव का असर दिखा. बिलाल अल खानूस ने एरिया में एक खतरनाक गेंद डाली और प्लासिड के उसे केवल दूर धकेल पाने के बाद, कसान अशरफ हकीमी ने सबसे तेजी से रिएक्ट करते हुए बराबरी का गोल दाग दिया. हैती ने तुरंत ही जवाब दिया. पहले हाफ के अंतिम पलों में, जीन-केविन डुवर्न ने फिर से मदद की और विल्सन इसिडोर को गेंद पहुंचाई, जिन्होंने दूर से एक जबरदस्त शॉट मारकर अपनी टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया और मोरक्को के फैंस को हैरान कर दिया।

मैदान पर कदम रखते ही नेमार ने रचा इतिहास, ब्राजील ने स्कॉटलैंड को को रौंदा किया नॉकआउट के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। ब्राजील ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह पक्की कर ली. मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में स्टार खिलाड़ी विनीसियस जूनियर ने दो गोल दागे, जबकि मैथियस कुन्हा ने एक गोल किया. इस मुकाबले में नेमार की लंबे समय बाद ब्राजील की टीम में वापसी हुई. नेमार कोई गोल को नहीं कर पाए, लेकिन उन्होंने एक मेगा रिकॉर्ड अपने नाम किया, जो इससे पहले सिर्फ पेले कर पाए थे।

ब्राजील ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और स्कॉटलैंड पर लगातार दबाव बनाए रखा. मैच के छठे मिनट में ही ब्राजील ने 1-0 की बढ़त हासिल की. स्कॉटलैंड के डिफेंस से हुई गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने शानदार गोल दागा. विनीसियस ने यह टूर्नामेंट का अपना चौथा गोल दागा और वह इस गोल के साथ ही गोल्डन बूट की रेस में शामिल हो गए हैं. उन्होंने किलियन एम्बाप्पे और एरलिंग हालैंड की बराबरी कर ली है। पहले गोल के बाद भी ब्राजील का दबदबा जारी रहा. विनीसियस ने एक और गोल किया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की जांच के बाद उसे फाउल करार देते हुए रद्द कर दिया गया. हालांकि, पहले हाफ के अतिरिक्त समय में विनीसियस ने हाथ आए मौके को भुनाया और ब्राजील को मैच में 2-0 से आगे कर दिया. ब्रूनो गिमाराइश के बेहतरीन क्रॉस पर विनीसियस ने शानदार हेडर मारते हुए गेंद को गोल पोस्ट में पहुंचाया। स्कॉटलैंड ने मैच में वापसी करने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह ब्राजील के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद सका. ब्राजील का तीसरा गोल मैथियस कुन्हा ने किया. ब्रूनो गुइमारेस के बेहतरीन पास पर कुन्हा ने शानदार फिनिश करते हुए टीम की बढ़त 3-0 कर दी. इस गोल ने ब्राजील की जीत पर मुहर लगाने का काम किया।

भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया,शेफाली वर्मा की फिफ्टी से आसान हुआ लक्ष्य, श्री चरणी का रिकॉर्ड स्पेल बना जीत की सबसे बड़ी ताकत

नई दिल्ली। भारत ने महिला टी20 विश्व कप 2026 में अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जीवित रखते हुए गुरुवार को ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेले गए मैच में बांग्लादेश को पांच विकेट से हरा दिया। शैफाली वर्मा के तेजतर्रार अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने 137 रन के लक्ष्य को 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया। इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 20 ओवर में 136/8 के स्कोर पर रोक दिया। हालांकि भारतीय टीम की फील्डिंग एक बार फिर सवालों के घेरे में रही और खिलाड़ियों ने चार कैच छोड़े, लेकिन गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

बांग्लादेश की ओर से निगार और जुआइरिया ने संभाली पारी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की शुरुआत धीमी रही। रेणुका सिंह ठाकुर ने शुरुआती झटका देते हुए दिलारा अख्तर को सिर्फ चार रन पर आउट कर दिया। इसके बाद जुआइरिया फर्दौस और सोभाना मोस्टारी ने पारी को संभालने की कोशिश की। जुआइरिया ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 30 गेंदों पर 33 रन बनाए, जिसमें पांच चौके शामिल रहे। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। निगार सुल्ताना ने कप्तानी पारी खेलते हुए 24 गेंदों पर 32 रन बनाए। उन्होंने 14वें ओवर में नंदिनी शर्मा पर चार चौके जड़कर रन गति बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन 17वें ओवर की पहली गेंद पर स्टंप आउट होकर पवेलियन लौट गईं। उनके आउट होने के बाद बांग्लादेश की पारी लड़खड़ा गई और टीम बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सकी। भारत की ओर से वापसी कर रही बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट झटके। श्री चरणी ने भी दो विकेट लिए, जबकि रेणुका सिंह ठाकुर और नंदिनी शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

शेफाली की विस्फोटक बल्लेबाजी से आसान हुई राह

137 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने केवल 34 गेंदों में 53 रन की शानदार पारी खेली और बांग्लादेशी गेंदबाजों पर लगातार दबाव बनाए रखा। शेफाली के अर्धशतक ने भारत की जीत की नींव रखी, जिसके बाद मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने लक्ष्य तक पहुंचने में कोई बड़ी परेशानी नहीं होने दी। भारत ने 16.5 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बांग्लादेश की ओर से रितु मोनी सबसे सफल गेंदबाज रहीं। उन्होंने चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट हासिल किए।

डूरंड कप 2026: 25 जुलाई से सजेगा एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट का मंच

नई दिल्ली। एशिया के सबसे पुराने और 138 साल के समृद्ध इतिहास वाले प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट 'डूरंड कप' के आगामी सीजन की तारीखों का आधिकारिक ऐलान हो गया है।

■ रांची पहली बार करेगा मेजबानी

आयोजकों द्वारा गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार, इस भव्य फुटबॉल प्रतियोगिता का आगाज आगामी 25 जुलाई से होने जा रहा है, जबकि टूर्नामेंट का महामुकाबला (फाइनल) 23 अगस्त को खेला जाएगा। भारतीय सेना की पूर्वी कमान (ईस्टर्न कमांड) द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार कुल 24 टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी, जिसमें दो विदेशी टीमें भी शामिल हैं। इस बार का डूरंड कप भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए बेहद खास होने वाला है, क्योंकि इसके इतिहास में पहली बार झारखंड की राजधानी रांची एक मेजबान शहर के रूप में अपना डेब्यू करने जा रही है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले देश के पांच प्रमुख शहरों–कोलकाता, रांची, गुवाहाटी, इंफाल और शिलांग के 6 अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता अपने दो प्रतिष्ठित मैदानों–विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन (सॉल्ट लेक स्टेडियम) और किशोर भारती क्रीड़ांगन में मैचों की मेजबानी करेगा। इसके अलावा रांची का बिरसा मुंडा स्टेडियम, गुवाहाटी का इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम, इंफाल का खुमान लम्पक स्टेडियम और शिलांग का जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम अन्य मैचों के आयोजन स्थल होंगे। वर्ष 2019 में पूर्वी भारत में स्थानांतरित होने के बाद से डूरंड कप का कद और अधिक बढ़ा है। पहले इसमें केवल 16 टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन अब इसका विस्तार कर 24 टीमों की प्रतियोगिता के रूप में इसे देश की अग्रणी फुटबॉल प्रतियोगिताओं में स्थापित किया जा चुका है। यह टूर्नामेंट पीढ़ियों से युवा और उभरती प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का एक मजबूत मंच रहा है। सेना (सर्विसेज) की टीमों, पारंपरिक क्लबों, राज्यों की टीमों से लेकर उभरती हुई अकादमियों के खिलाड़ियों के लिए यह खुद को देश की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ परखने का एक सुनहरा अवसर होता है।

विमेंस वर्ल्ड कप से क्लैश के कारण बदली वैभव सूर्यवंशी की डेब्यू सीरीज की टाइमिंग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की संभावित इंटरनेशनल डेब्यू सीरीज के समय में अचानक बड़ा बदलाव किया गया है। भारत और आयरलैंड के बीच 26 और 28 जून को बेलफास्ट में खेले जाने वाले दोनों टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की टाइमिंग को रिशेड्यूल किया गया है। क्रिकेट आयरलैंड ने आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया कि ये दोनों मैच अब अपने पूर्व निर्धारित समय भारतीय समयानुसार शाम 7 बजे के बजाय एक घंटा पहले यानी शाम 6 बजे से शुरू होंगे। इस अचानक हुए बदलाव की मुख्य वजह विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के मैचों से होने वाला टकराव (क्लैश) है। दरअसल, 28 जून को विमेंस वर्ल्ड कप में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महामुकाबला शाम 7 बजे से खेला जाना है, जिससे ब्रॉडकास्टिंग और दर्शकों का टकराव टालने के लिए आयरलैंड सीरीज के समय को आगे बढ़ाया गया है। इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से शुरू होने वाली पांच मैचों की टी-20 सीरीज के शेड्यूल में भी बदलाव किया जा चुका है, जिसके तहत मैनचेस्टर और साउथम्प्टन के मैच शाम 7 बजे और बाकी तीन मुकाबले रात 10 बजे से खेले जाएंगे। इस सीरीज में सभी की निगाहें आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स के लिए 237.31 के तूफानी स्ट्राइक रेट से 776 रन कूटने वाले वैभव सूर्यवंशी पर टिकी हैं। वैभव ने हाल ही में श्रीलंका ए के खिलाफ ट्राई सीरीज के फाइनल में महज 29 गेंदों पर 94 रनों की आतिशी पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों में लिस्ट-ए क्रिकेट का सबसे तेज अर्धशतक जड़ने का विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था।

साई सुदर्शन का श्रीलंका ए के खिलाफ धमाकेदार शतक, गायकवाड़ और पडिकल फ्लॉप

पहले ही दिन इंडिया ए ने खड़ा किया 300 से अधिक रनों का पहाड़

नई दिल्ली। इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई दो मैचों की लाल गेंद की अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज के पहले ही दिन भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी साई सुदर्शन का जबरदस्त तूफान देखने को मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंडिया ए के लिए बाएं हाथ के इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज ने श्रीलंकाई सरजमीं पर धमाकेदार शुरुआत की। सुदर्शन ने मेजबान टीम के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए मैदान के चारों तरफ शानदार शॉट्स खेले और महज 175 गेंदों का सामना करते हुए 132 रनों की बेहद आकर्षक और मजबूत शतकीय पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 19 गगनचुंबी और कड़क चौके जड़े। यह सुदर्शन के फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर का नौवां शतक है। अपनी इस विस्फोटक और जिम्मेदारी भरी पारी की बदौलत उन्होंने उन तमाम आलोचकों को बल्ले से करारा जवाब दिया है, जो पिछले कुछ समय से लाल गेंद के प्रारूप में और टेस्ट टीम में उनकी जगह को लेकर लगातार सवाल खड़े कर रहे थे। सुदर्शन इस समय कमाल के फॉर्म में चल रहे हैं और इससे पहले अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए पिछले टेस्ट मैच में भी उन्होंने 81 रनों की जुझारू पारी खेली थी, जिसके बाद अब उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ शतक ठोककर अपनी श्रेष्ठता साबित कर दी है। हालांकि, एक तरफ जहां साई सुदर्शन क्रीज पर अंगद की तरह पैर जमाकर श्रीलंकाई गेंदबाजों की क्लास लगा रहे थे, वहीं दूसरी तरफ भारतीय टीम की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम के दरवाजे पर दस्तक दे रहे कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और बाएं हाथ के बल्लेबाज देवदत्त पडिकल जैसे अनुभवी खिलाड़ी इस सुनहरे मौके का फायदा उठाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए।

एथलीटों का महाधमाका : सिंधुश्री ने पोल वॉल्ट में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

नई दिल्ली। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित की जा रही 65वीं नेशनल सीनियर इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दूसरे दिन भारतीय एथलीटों ने ट्रेक एंड फील्ड पर शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। प्रतियोगिता के दौरान महिलाओं की पोल वॉल्ट स्पर्धा में सिंधुश्री ने 4.25 मीटर की ऐतिहासिक छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही उन्होंने अक्टूबर 2022 में बेंगलुरु में रोजी मीना पॉलराज द्वारा बनाए गए 4.21 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को ध्वस्त कर दिया। इसी स्पर्धा में बरानिका फ्लैंगोवन ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए 4.20 मीटर की छलांग लगाई और साल 2026 में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स (एशियाई खेलों) के लिए क्वालिफाई कर लिया। इस चैंपियनशिप में भारतीय धावकों (स्प्रिंटर्स) का भी पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला। पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में उभरते हुए सनसनी अनिमेष कुजूर ने सेमीफाइनल में ही 20.87 सेकंड का समय निकालकर एशियन गेम्स का क्वालिफिकेशन मानक हासिल कर लिया था, लेकिन उन्होंने यहीं रुकना मंजूर नहीं किया और फाइनल रेस में महज 20.74 सेकंड का समय निकालते हुए न सिर्फ स्वर्ण पदक अपने नाम किया बल्कि एशियाड के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा में भी दो एथलीटों ने जापान का टिकट पक्का किया, जिसमें उन्नथी बोल्लांडा ने 23.658 सेकंड और हरिता ने 23.55 सेकंड का समय लेकर एशियन गेम्स क्वालिफिकेशन मानक को सफलतापूर्वक पार किया।

10 जुलाई को लखनऊ में होगी किसान महापंचायत

भारतीय किसान समिति ने किया आह्वान

हलिया (मिर्जापुर)। भारतीय किसान समिति के बैनर तले 10 जुलाई को लखनऊ के इको गार्डन में किसान महापंचायत और धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जाएगा। समिति ने मिर्जापुर जनपद सहित प्रदेशभर के किसानों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप कुमार दुबे ने बताया कि महापंचायत का उद्देश्य किसानों की समस्याओं को संकलित कर सरकार तक पहुंचाना है। उन्होंने मिर्जापुर के किसानों से गांव और क्षेत्र की समस्याओं को संगठन के पदाधिकारियों तक पहुंचाने को कहा है।समिति की प्रमुख मांग है कि किसानों की फसल की खरीदारी डोर स्टेप सिस्टम के तहत की जाए। इसके तहत खेत से लेकर खलिहान तक, जहां भी किसानों को सुविधा हो, वहीं से सरकार फसल खरीद सुनिश्चित करे।कार्यक्रम में किसानों से अपनी समस्याएं और सुझाव साझा करने का आह्वान किया गया है। आयोजकों ने कहा कि ष्हमारी मांगे पूरी हो चाहे जो मजबूरी होष् के संकल्प के साथ किसान अपनी आवाज बुलंद करेंगे।कार्यक्रम का समापन ष्जय जवान, जय किसानष् के नारे के साथ होगा।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने हेतु ब्लॉक स्तरीय समीक्षा बैठक

हलिया मिर्जापुर। स्थानीय विकास खण्ड सभागार में गुरुवार को संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की अभिमुखीकरण बैठक का आयोजन खण्ड विकास अधिकारी विजय शंकर त्रिपाठी की अध्यक्षता में किया गया।बैठक के दौरान संचारी रोगों की रोकथाम हेतु संचालित गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई।

खण्ड विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी ग्राम पंचायतों में नियमित साफसफाई, जलभराव की समस्या का निराकरण, एंटी-लार्वा छिड़काव एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों को प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जाए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से घर-घर सर्वेक्षण कर बुखार एवं अन्य संक्रामक रोगों के संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है।

साथ ही लोगों को स्वच्छ पेयजल के उपयोग, व्यक्तिगत स्वच्छता एवं मच्छरजनित रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

बैठक में सभी विभागों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अभियान की दैनिक प्रगति की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर बल दिया गया खण्ड विकास अधिकारी ने आमजन से अपील की कि वे अपने घर एवं आसपास साफसफाई बनाए रखें, कहीं भी पानी एकत्रित न होने दें तथा किसी भी प्रकार के बुखार या बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।इस दौरान सहायक विकास अधिकारी पंचायत रुपेश श्रीवास्तव ,सीएम फेलो गौरव सिंह ,सहायक विकास अधिकारी सांख्यकी सुशील कुमार सिंह ,आरबीएसके डॉक्टर सुरेश कनौजिया ,बीएमसी यूनिसेफ अंकित शुक्ला ,प्रशासक काशी प्रसाद मिश्रा, रमेश मौर्य, विजय प्रकाश सिंह, मार्कण्डेय प्रसाद मौर्य आदि मौजूद रहे।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा गया

बढ़नी/ सिद्धार्थनगर। जनपद सिद्धार्थनगर की थाना कठेला समयमाता पुलिस ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए न्यायालय भेज दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए अभियुक्त अजीत कुमार पुत्र दुर्गा प्रसाद, निवासी ग्राम तौलिहवा, थाना कठेला समयमाता, जनपद सिद्धार्थनगर को इटहिया से बसहिया जाने वाले तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार अभियुक्त के विरुद्ध थाना कठेला समयमाता में मु.अ.सं. 66/2026 के तहत धारा 137(2), 70(2) बीएनएस तथा 5/6 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण कर आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार, उपनिरीक्षक ऋषिदेव प्रसाद, कांस्टेबल हरीकेश पासवान, महिला आरक्षी सुभाष कुमार तथा महिला आरक्षी अनुराग कुमार शामिल रहे।

लखनऊ अग्निकांड के मृतकों को श्रद्धांजलि, तुलसियापुर चौराहे पर निकाला गया कैंडल मार्च

बढ़नी, सिद्धार्थनगर। लखनऊ में हुए भीषण अग्निकांड में मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। इसी क्रम में समाजसेवी अनिल अग्रहरि के नेतृत्व में तुलसियापुर चौराहे पर क्षेत्रवासियों के साथ कैंडल मार्च एवं प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कैंडल मार्च के दौरान लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई। उपस्थित लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि हादसे में मृत मासूमों की आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। साथ ही अग्निकांड में घायल सभी लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की गई। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल अग्रहरि ने कहा कि यह हादसा अत्यंत पीड़ादायक और झकझोर देने वाला है। ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए सभी शिक्षण संस्थानों, कोचिंग सेंटरों और सार्वजनिक भवनों में अग्नि सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, युवा, महिलाएं एवं अन्य क्षेत्रवासी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। कार्यक्रम का समापन शोक प्रार्थना सभा के साथ हुआ।

28 जून को सुईया कला में अनुसूचित जाति महासम्मेलन

मीडिया के साथ होगा समस्या समाधान

हलिया, (मिर्जापुर)। क्षेत्र के सुईया कला में 28 जून रविवार को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनुसूचित जाति, अनुसूई, हैरिहर, धरकार, धर्मराज, वनवंशी आदिवासी समाज का महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा।आयोजकों के अनुसार सम्मेलन में मीडिया के साथ समस्याओं का सीधा समाधान किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. निर्मल, लखनऊ और वाराणसी से माधुरी वर्मा, संतनगर से आध्या प्रसाद, विंध्याचल से लालजी, रामचन्द्र, बकुराकला से धरकार विरदरी शामिल होंगे। धरकार विरदरी समाज की ओर से सभी समाजबंधुओं से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की गई है।

आजादी और लोकतंत्र के चेहरे पर शर्मनाक धब्बा है आपात काल : पूर्व मंत्री यशवंत सिंह

आजमगढ़। लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा है कि आपातकाल की अवधि भारतीय लोकतंत्र और आजादी के चेहरे पर काला धब्बा है। इसे किसी भी कीमत पर भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और आजादी हमारे देश की आत्मा है। इसलिए इसे लेकर हम लोगों को सदैव सजग रहने की जरूरत है। गुरुवार को चन्द्रशेखर चबूतरा पर आपातकाल को लेकर आयोजित सभा में पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने कहा कि 25/26 जून 1975 की रात लोकतंत्र और आजादी के लिए एक खौफनाक रात थी। इस रात में सत्ता के मद डूबी कांग्रेसी सरकार ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को रौंद दिया। लोकनायक जयप्रकाश नारायण, राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर, अटलबिहारी वाजपेई, चौधरी चरण सिंह, लोकबंधु राजनारायण सहित लाखों लोगों को जेल में डाल दिया। इसकी वजह से सियासी गलियारों में सन्नाटा पसर गया। उन्होंने कहा कि इस सन्नाटे को श्रीमती इन्दिरा गांधी ने मान लिया कि जनता आपातकाल के पक्ष में है। इसी पक्ष को कांग्रेस के पक्ष में करने के लिए उन्होंने लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी। पूर्व मंत्री यशवंत सिंह ने इस अवसर पर लोकनायक जयप्रकाश नारायण और राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को विशेष रूप से याद करते हुए कहा कि इस देश की महान जनता ने श्रीमती इन्दिरा गांधी के आपातकाल को चुनौती के रूप में लिया और प्रत्युत्तर में उत्तर भारत से कांग्रेस सफाया कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें इस बात का गर्व है कि तानाशाही बनाम लोकतंत्र और आजादी के बीच हुई इस लड़ाई में हम भी शामिल रहे हैं। सभा की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार/ जनकवि/लोकतंत्र सेनानी धीरेन्द्र नाथ श्रीवास्तव ने की। सभा में पूर्व विधायक लोकतंत्र सेनानी कुबेर भंडारी, भाजपा नेता रामहृदय राम,सामाजिक सेनानी अर्जुन सिंह, मनोज सिंह, संयोग सिंह, विजय शंकर चौबे, चतुर्भुज सिंह, संजय गुप्ता, अतुल चौबे, राहुल पाल, हरिकेश कनौजिया और पप्पू पाल आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

एसपी ने जीर्णोद्धारित पकवाइनार चौकी का किया गया उद्घाटन

बलिया। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशन में प्रदेश के सभी पुलिस थानों को आधुनिकीकरण के क्रम में आज दिनांक 25.06.2025 को पुलिस अधीक्षक श्री ओमवीर सिंह* द्वारा थाना रसड़ा अन्तर्गत जीर्णोद्धारित पकवाइनार चौकी भवन व बैरक का उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर आमजन मानस से आग्रह किया कि आगामी त्यौहारों पर मिलजुलकर सौहार्दपूर्ण मनायें । किसी भी आपात स्थिति में पुलिस से सहायता लें किसी भी प्रकार से कानून व्यवस्था का उल्लघंन न करें। इन कार्यक्रम के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी श्री दिनेश कुमार शुक्ला, क्षेत्राधिकारी रसड़ा श्री रजनीश कुमार, पीआरओ बलिया श्री कौशल कुमार पाठक, प्रभारी निरीक्षक रसड़ा श्री योगेन्द्र बहादुर सिंह और चौकी प्रभारी आशुतोष कुमार मद्धेशिया व अन्य कर्मचारीगण सहित थाना क्षेत्रों के सम्मानितगण आदि मौजूद रहें ।

बीमार सपा नेता का हाल जानने उनके घर पहुंचे जिलाध्यक्ष ने मदद का दिया भरोसा

हलिया (मिर्जापुर)। समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवीप्रसाद चौधरी मंगलवार को लालगंज ब्लॉक के वरिष्ठ सपा नेता सियाराम जैसल के घर पहुंचे।सपा नेता की तबीयत खराब होने की सूचना मिलने पर उन्होंने उनका हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुलाकात के दौरान जिला उपाध्यक्ष जुम्मन पठान, पूर्व प्रधान गायत्री सिंह पटेल, महावीर पाल, बिहारी यादव, आफ्ताब आलम, इमरान पठान सहित कई सम्मानित कार्यकर्ता और नेता उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के साथ हर सुख-दुख में खड़ी है। उन्होंने परिवार को आश्वस्त किया कि इलाज और अन्य जरूरतों में पार्टी की ओर से पूरा सहयोग किया जाएगा। बैठक के अंत में सभी नेताओं ने सियाराम जैसल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और ष्जय समाजवादष् के नारे के साथ समापन किया।

बुनकरों के घरों तक पहुंची महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी

स्वतंत्र भारत मऊ। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारु चौधरी ने बुधवार की रात को घोसी के बुनकर बाहुल्य क्षेत्र करीमुद्दीनपुर का दौरा कर बुनकर परिवारों के बीच पहुंचकर उनके जीवन और आजीविका से जुड़ी वास्तविक परिस्थितियों को करीब से देखा। उन्होंने घर-घर जाकर बुनकरों से संवाद किया तथा करघों पर चल रहे कार्य का अवलोकन करते हुए साड़ी निर्माण की पूरी प्रक्रिया की जानकारी ली। इस दौरान बुनकरों ने बताया कि एक साड़ी तैयार करने में कितनी मेहनत और समय लगता है, एक दिन में कितनी साड़ियों का उत्पादन हो पाता है और तैयार साड़ी पर उन्हें कितना लाभ मिल पाता है। उन्होंने बिजली आपूर्ति, बढ़ती लागत, मजदूरी और बाजार में उचित मूल्य न मिलने जैसी समस्याओं से भी अवगत कराया। बुनकरों ने यह भी बताया कि सीमित आमदनी के बीच किस प्रकार पूरा परिवार इस पारंपरिक व्यवसाय पर निर्भर होकर अपना जीवन-यापन करता है।श्रीमती चारु चौधरी ने बुनकर परिवारों के रहन-सहन, कार्यशैली और आर्थिक परिस्थितियों का जायजा लिया। उन्होंने महिलाओं एवं परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत कर उनकी दिनचर्या, रोजगार और सामाजिक स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि बुनकर समाज की समस्याओं और सुझावों को शासन स्तर तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।उन्होंने घोसी की पारंपरिक बुनकरी कला की सराहना करते हुए कहा कि यहां के बुनकर अपनी मेहनत और हुनर से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखे हुए हैं।

जुलाई से दिसम्बर तक निर्धारित हुई सम्पूर्ण समाधान दिवस की तिथियां

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने बताया है कि शासन द्वारा माह के प्रथम एवं तृतीय शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किये जाने के निर्देश दिए गये है। यह भी निर्देश दिये गये हैं कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दिन अर्थात् प्रथम व तृतीय शनिवार को यदि सार्वजनिक अवकाश पड़ता है तो उक्त तिथि का सम्पूर्ण समाधान दिवस अगले कार्य दिवस को आयोजित किया जायेगा, जिससे जन समस्याओं के निस्तारण में कोई बाधा न उत्पन्न हो सके। उक्त के क्रम में जनपद के समस्त तहसीलों में डीएम की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित करने हेतु चक्रानुक्रम कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। जिसके अन्तर्गत 04 जुलाई 2026 को तहसील बूढ़नपुर, 18 जुलाई को मेंहनगर, 01 अगस्त को सगड़ी, 15 अगस्त को लालगंज, 05 सितम्बर को फूलपुर, 19 सितम्बर को निजामाबाद, 03 अक्टूबर को सदर, 17 अक्टूबर को मार्टिनगंज, 07 नवम्बर को फूलपुर, 21 नवम्बर को निजामाबाद, 05 दिसम्बर को सदर एवं 19 दिसम्बर 2026 को तहसील मार्टिनगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया जायेगा। इसी प्रकार अपर जिलाधिकारी प्रशासन, एडीएम वि0/रा0 एवं मुख्य राजस्व अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन दिनांक 04 जुलाई 2026 को तहसील सदर, कलेक्ट्रेट एवं मेंहनगर में क्रमशः, 18 जुलाई को कलेक्ट्रेट, बूढ़नपुर, सगड़ी में क्रमशः, 01 अगस्त को मार्टिनगंज, फूलपुर, कलेक्ट्रेट में क्रमशः, 15 अगस्त को निजामाबाद, कलेक्ट्रेट, सदर में क्रमशः, 05 सितम्बर को कलेक्ट्रेट, सदर, मार्टीनगंज में क्रमशः, 19 सितम्बर को फूलपुर, मार्टीनगंज, कलेक्ट्रेट में क्रमशः, 03 अक्टूबर को बूढ़नपुर, कलेक्टेउट, निजामाबाद में क्रमशः, 17 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट, लालगंज, बूढ़नपुर मे क्रमशः, 07 नवम्बर को लालगंज, सगड़ी, कलेक्ट्रेट में क्रमशः, 21 नवम्बर को सगड़ी, कलेक्ट्रेट, लालगंज में क्रमशः, 05 दिसम्बर को कलेक्ट्रेट, मेंहनगर, फूलपुर में क्रमशः, 19 दिसम्बर 2026 को तहसील मेंहनगर, निजामाबाद एवं कलेक्ट्रेट में क्रमशः आयोजित किया जायेगा।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत डिलिवरी के पहले ही आवेदन सुनिश्चित करायें : डीएम

अतरौलिया, लालगंज, तरवां स्थित 100 बेड चिकित्सालय के प्रभारी को संस्थागत प्रसव बढ़ाने का डीएम ने दिया निर्देश

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभागार मे जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त एसीएमओ व डिप्टी सीएमओ को निर्देशित किया कि फील्ड विजिट कर सीएचसी/पीएचसी व स्वास्थ्य केन्द्रों की क्रियान्वयन को और अधिक प्रभावी बनायें। 51 स्वास्थ्य उपकेन्द्र के सापेक्ष 31 हेतु भूमि उपलब्ध तथा शेष 20 उपकेन्द्र हेतु भूमि उपलब्ध कराने हेतु जिलाधिकारी ने सीआरओ को निर्देशित किया।

जननी सुरक्षा योजना के अन्तर्गत संस्थागत प्रसव बढ़ाने पर डीएम ने बल दिया, साथ ही योजना का लाभ दिलाने हेतु डिलिवरी के पहले ही बैंक एकाउण्ट डिटेल लेकर आवेदन सुनिश्चित करायें। जिन सीएचसी/पीएचसी पर अपेक्षाकृत डिलिवरी अधिक होती है, वहां मैनपावर बढ़ाने पर जोर दिया गाय। अतरौलिया, लालगंज, तरवां के 100 बेड चिकित्सालय में पिछले 06 माह के प्रगति रिपोर्ट अवलोकन में कम डिलिवरी होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सीएमओ को अधिकृत किया कि स्पष्टीकरण लेटर भेजते हुए संस्थागत प्रसव को अधिकाधिक कराना सुनिश्चित किया जाए।

सुपरवाइजर, आशा व एएनएम के विगत वर्षों व माह के लम्बित भुगतान पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि कार्य के आधार पर नियमानुसार अगले डीएससी के बैठक के पूर्व भुगतान कराना सुनिश्चित करें। निक्षय पोषण योजना के अन्तर्गत टीबी मरीजों को डीबीटी के माध्यम से भुगतान हेतु आशा, एएनएम बैंक खाता खुलवाना सुनिश्चित करायें। एचपीवी वैक्सीन के प्रचार-प्रसार हेतु जिलाधिकारी ने प्रभारी को 10 हजार जागरूकता पोस्टर बनवाकर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, गर्ल्स कालेजों, सभी ग्राम पंचायतों पर चस्पा कराने के निर्देश दिये। 14 से 15 आयु वर्ग की बालिकाओं व उनके परिजनों को जागरूक किया जाय कि सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु पूर्व में ही यह टीका सरकार द्वारा सभी सीएचसी पर निःशुल्क लगाया जा रहा है। गोल्डेन कार्ड की प्रगति बढ़ाने हेतु अन्त्योदय कार्ड, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना व श्रम कार्ड के लाभार्थियों पर फोकस किया जाए। शासन के मंशानुरूप माँ व बच्चों के स्वास्थ्य को अच्छा रखने की प्रतिबद्धता के क्रम में जिलाधिकारी ने टीकाकरण पर विशेष बल दिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि जन औषधि केंद्रों में उपलब्ध दवाओं की सूची को बाहर लगाया जाए। सभी डॉक्टर बाहर की दवाई कदापि न लिखे, जो जन औषधि केंद्र में उपलब्ध है, वही लिखे। आयुष्मान गोल्डेन कार्ड की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि विशेष अभियान चलाकर गोल्डेन कार्ड बनाने में तेजी लाएं। टीकाकरण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शत प्रतिशत टीकाकरण कराते हुए यू-विन पोर्टल पर फीड करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि एमआर-1 एवं एमआर-2 टीकाकरण के कवरेज की प्रगति बढ़ायें एवं शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करें तथा उसको डाटा यू-विन पोर्टल पर भी फीड करें। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में टीकाकरण की प्रगति बेहद खराब है, उन क्षेत्रों में विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होने कहा कि पम्पलेट बनाकर किस स्थान पर एवं किस दिन एमआर-1 एवं एमआर-2 का टीका लगाया जायेगा, इसका प्रचार-प्रसार करायें।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कराते हुए शत प्रतिशत डाटा एचएमआईएस पोर्टल पर फीडिंग कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने परिवार नियोजन, संजीवनी ओपीडी, एनसीडी कैम्पेन, क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, यूनिसेफ के कार्यक्रमों आदि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

एक्सिस बैंक के सर्वर रूम में लगी आग, मची अफरा-तफरी

सीतापुर। शहर के आंख अस्पताल रोड स्थित एक्सिस बैंक की शाखा में गुरुवार दोपहर करीब दो बजे सर्वर रूम में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग एमसीबी में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिससे सर्वर रूम में धुआं भर गया और बैंक कर्मचारियों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बैंक परिसर से धुआं निकलता देख अफरा-तफरी मच गई। स्थिति को संभालते हुए कर्मचारियों ने तत्काल फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कर्मचारियों की तत्परता के चलते आग शुरुआती स्तर पर ही काबू में आ गई और बड़ा हादसा टल गया। फायर अलार्म बजने के बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन कर्मियों ने सर्वर रूम और बैंक परिसर का निरीक्षण कर आग पूरी तरह बुझने की पुष्टि की। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, हालांकि सर्वर रूम के उपकरणों के नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

ट्रम्प ने संसद से 8 लाख करोड़ की फंडिंग मांगी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने अमेरिकी संसद से 87.6 अरब डॉलर यानी

- बोले- ईरान जंग पर हुए खर्चों की भरपाई के लिए जरूरी
- संसद इसके खिलाफ

करीब 8.3 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त फंडिंग मंजूर करने की मांग की है। इसका बड़ा हिस्सा ईरान युद्ध से जुड़े खर्चों के लिए रखा गया है। व्हाइट हाउस के मुताबिक, यह रकम पिछले साल मंजूर किए गए करीब 1 ट्रिलियन डॉलर और अगले वित्तीय वर्ष के लिए मांगे गए 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट से अलग है। सरकार का कहना है कि यह पैसा युद्ध से जुड़े ऑपरेशन, सेना की तैयारी, हथियारों के भंडार को फिर से भरने और सीक्रेट रक्षा कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

वहीं, संसद में इस मांग का विरोध बढ़ रहा है। मंगलवार को सीनेट ने एक प्रस्ताव पारित कर ट्रम्प से ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकने को कहा। इससे पहले ऐसा ही प्रस्ताव लोअर हाउस भी पास कर चुकी है। चार रिपब्लिकन सांसदों ने भी डेमोक्रेट्स का साथ दिया।

उधर, अमेरिकी सैनिकों और उनके परिवारों ने आरोप लगाया है कि अमेरिका की सेना और पेंटागन ने ईरान के खिलाफ हुए युद्ध में लगी चोटों को कम करके बताया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक मामले में एक सैनिक को ऐसा झटका लगा जिसमें उसे कंशन (सिर में चोट), सुनने और देखने की क्षमता में कमी और फेफड़ों को नुकसान हुआ, लेकिन उसकी हालत को गंभीर नहीं बताया गया।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस युद्ध में कम से कम 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई। हालांकि अमेरिकी सेना ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उन्होंने किसी भी तरह से सैनिकों की चोटों को कम करके नहीं दिखाया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट कर बताया कि अमेरिकी सीनेट ने ईरान युद्ध अधिकार प्रस्ताव पर अपना रूख बदल दिया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा, सीनेट ने ईरान पर अपना वोट 50-48 के विरोध से बदलकर 50-47 के समर्थन में कर दिया। रैंड पॉल और बिल कैसिडी ने अपना रुख बदला। जॉन थ्यून, लिंडसे ग्राहम, बर्नी मोरेनो और सभी का धन्यवाद। यह वोट ईरान को साफ संदेश देता है।

यूक्रेन शांति समझौते पर अब यूएस के जवाब का इंतजार

रूसी विदेश मंत्री बोले अलास्का में बनी थी सहमति

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन में शांति समझौते को लेकर अमेरिका ने अभी तक अपने ही प्रस्तावों का जवाब नहीं दिया है, जो उसने अलास्का के एंकरेज में दिए थे। सर्गेई लावरोव ने प्रिमाकोव रीडिंग्स इंटरनेशनल साइंटिफिक और एक्सपर्ट फोरम में बोलते हुए कहा कि रूस-अमेरिका शिखर बैठक से पहले रूस को बहुत स्पष्ट प्रस्ताव दिए गए थे, जिन्हें रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने स्वीकार कर लिया था। रूसी समाचार एजेंसी टास के अनुसार, लावरोव ने कहा, हमें लगा था कि वहां एक सहमति बन गई है। लेकिन एक हफ्ता बीत गया, फिर दो हफ्ते। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूरोपीय नेताओं से सलाह लेने के लिए वॉशिंगटन चले गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से भी वहां किसी तरह चर्चा हुई। लेकिन आखिर में अभी तक हमें उस अमेरिकी प्रस्ताव का जवाब नहीं मिला है, जिसका हमने समर्थन किया था। फिलहाल स्थिति यही है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अलास्का में बनी सहमति पहले ही एक समझौते का रूप थी। उन्होंने कहा कि अब हमें कहा जा रहा है कि अभी बात नहीं बन रही है, कुछ और रियायत देनी होगी। हमने वहां कोई रियायत नहीं दी थी। हमने सिर्फ इस बात पर सहमति जताई थी कि लड़ाई कैसे खत्म की जाए और बाकी मुद्दों को बातचीत की मेज पर कैसे सुलझाया जाए। हमें भरोसा था कि इससे उन लक्ष्यों को हासिल करने में मदद मिलेगी, जिन्हें राष्ट्रपति ने तय किया है, और यह काम धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा।

बिल गेट्स का दावा- एपस्टीन ने ब्लैकमेल करने की कोशिश की

न्यूयॉर्क। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स ने अमेरिकी कांग्रेस के समक्ष गवाही में दावा किया है कि दिवंगत वित्त कारोबारी और यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने उनके विवाहेतर संबंधों से जुड़ी जानकारी के आधार पर उन्हें ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी। गेट्स ने कहा कि एपस्टीन उन्हें दोबारा अपने संपर्क में लाना चाहता था, लेकिन उसका प्रयास सफल नहीं हुआ। अमेरिकी हाउस ओवरसाइट कमेटी के समक्ष 10 जून को हुई बंद-दरवाजा गवाही का ट्रांसक्रिप्ट मंगलवार को सार्वजनिक किया गया। यह पूछताछ एपस्टीन के नेटवर्क और प्रभावशाली लोगों से उसके संबंधों की जांच का हिस्सा थी। गेट्स ने स्वीकार किया कि 2008 में यौन अपराध से जुड़ी सजा मिलने के बावजूद उन्होंने 2011 में एपस्टीन से संपर्क किया था। उन्होंने बताया कि 2014 में एपस्टीन से संबंध खत्म कर लिए गए।

होर्मुज में शुल्क मंजूर नहीं : ईरान

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को (स्थानीय समयानुसार) कहा कि अगर ईरान के साथ होने वाले किसी समझौते में

- कहा यूएस का दखल रहने तक क्षेत्र में नहीं आएगी शांति

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी या समुद्री गतिविधियों पर किसी भी तरह का शुल्क शामिल हुआ, तो यह उनके लिए अस्वीकार्य होगा। ट्रंप ने नाटो महासचिव मार्क रूटे के साथ पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान के साथ चल रहे संघर्ष में अमेरिका अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। जब उनसे पूछा गया कि यदि अंतिम ईरान समझौते में जहाजरानी पर किसी तरह का शुल्क शामिल हुआ तो क्या वह उसे रोक देंगे, इस पर ट्रंप ने कहा, हां, यह मेरे लिए अस्वीकार्य होगा, क्योंकि दुनिया में कई अन्य जलडमरूमध्य भी हैं। अगर आप उनके लिए ऐसा करते हैं, तो फिर आपको दूसरों के लिए भी ऐसा करना होगा। दूसरे जलडमरूमध्य भी हैं और मैं वहां भी इसकी अनुमति नहीं दूंगा। हां, यह पूरी स्थिति को बदल देने वाला कदम होगा। ट्रंप ने आगे कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी युद्ध हारना चाहती है। उन्होंने कहा, ईरान के साथ हमारी बातचीत बहुत अच्छी चल रही है। हम एक बेहद अहम मुद्दे के बीच में हैं, जिसे हम किसी भी तरह हासिल कर लेते। हमारे साथ चार रिपब्लिकन सीनेटर थे और सभी डेमोक्रेट दूसरी तरफ थे। आप जानते हैं। डेमोक्रेट युद्ध हारना चाहते हैं, क्योंकि वे मूर्ख हैं। इसलिए हम उन्हें डेमोक्रेट नहीं, 'डमोक्रेट' (मूर्ख) कहते हैं। मैं अब 'ई' की जगह 'यू' इस्तेमाल करता हूं। हम उन्हें 'डमोक्रेट' कहते हैं, क्योंकि वे मूर्ख हैं। उनकी नीतियां बहुत खराब हैं। उन्होंने कहा, युद्ध बहुत अच्छा चल रहा है। जैसाकि आप जानते हैं, हम बड़े अंतर से आगे हैं। ईरान बहुत बड़ी रियायतें दे रहा है। आगे क्या होता है, यह देखेंगे।

आपातकाल : जब आधी रात को लोकतंत्र कैद कर लिया गया...

25 जून 1975 की वह काली रात जब लोक पीछे छूटा और तंत्र सर्वोपरि हो गया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में कुछ तारीखें ऐसी हैं जो केवल कैलेंडर का हिस्सा नहीं होतीं, बल्कि राष्ट्र की सामूहिक स्मृति पर स्थायी रूप से अंकित हो जाती हैं। 25 जून 1975 ऐसी ही एक तारीख है। यह वह रात थी जब देश सोया तो लोकतंत्र था, लेकिन अगली सुबह जागा तो उसके मूल अधिकारों पर ताले लग चुके थे। सत्ता के गलियारों में लिए गए एक फैसले ने करोड़ों भारतीयों की अभिव्यक्ति, विरोध और स्वतंत्रता के अधिकार को अचानक सीमित कर दिया था।

उस रात राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ देश में आपातकाल लागू हुआ और लोकतंत्र की धड़कनों पर सरकारी नियंत्रण स्थापित हो गया। संविधान तो वही रहा, संसद भी वही रही, अदालतें भी मौजूद थीं, लेकिन लोकतंत्र की आत्मा पर पहरा बैठा दिया गया था। भारत ने पहली बार महसूस किया कि लोकतंत्र केवल चुनावों का नाम नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रताओं की निरंतर सुरक्षा का नाम है।

26 जून की सुबह देश के लिए एक असामान्य सुबह थी। रातोंरात विपक्ष के बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गए थे। हजारों राजनीतिक कार्यकर्ता जेलों में ठूंस दिए गए थे। जो लोग सरकार से असहमति रखते थे, वे अचानक व्यवस्था के लिए खतरा घोषित कर दिए गए। सत्ता के खिलाफ आवाज उठाना जोखिम बन गया था और विरोध की भाषा को अपराध की तरह देखा जाने लगा था।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान होती है–सवाल पूछने का अधिकार। लेकिन आपातकाल के दौरान सवाल पूछना भी संदिग्ध गतिविधि माना जाने लगा। संसद की गरिमा पर असर पड़ा, राजनीतिक संवाद सीमित हुआ और प्रशासनिक मशीनरी का बड़ा हिस्सा सत्ता की इच्छा का विस्तार बनकर रह गया। इतिहास के पन्नों में यह दौर इसलिए दर्ज है क्योंकि यहां लोक पीछे छूट गया था और तंत्र सर्वोपरि हो गया था।

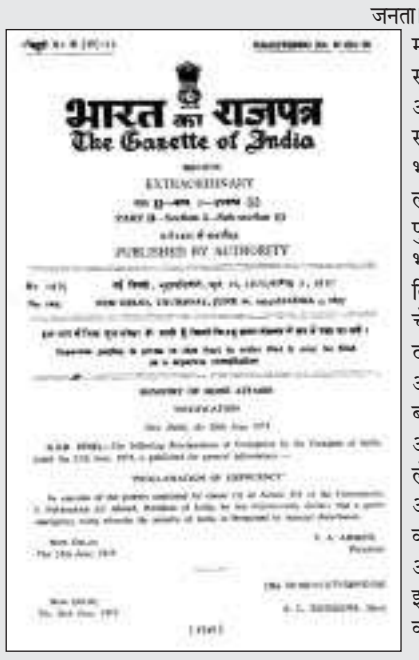

यदि किसी क्षेत्र को सबसे अधिक चोट पहुंची तो वह था स्वतंत्र प्रेस। अखबारों के दफ्तरों पर निगरानी थी, समाचारों पर सेंसरशिप थी और संपादकों के सामने सरकारी निर्देशों की दीवार खड़ी कर दी गई थी। कई अखबारों की बिजली काट दी गई ताकि वे अगले दिन की खबरें प्रकाशित न कर सकें। पत्रकारों को यह बताया जाने लगा कि क्या लिखना है और क्या नहीं। खबरों के शब्दों से अधिक उनकी अनुमति महत्वपूर्ण हो गई थी।

भारतीय पत्रकारिता के इतिहास में वह समय एक ऐसी कसौटी बन गया, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि प्रेस की स्वतंत्रता केवल मीडिया का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जीवनरेखा है। जब अखबारों की स्याही पर नियंत्रण हो जाता है, तब नागरिकों की चेतना भी सीमित होने लगती है।

आपातकाल के दौरान सत्ता के समानांतर प्रभाव रखने वाले कुछ व्यक्तियों की भूमिका भी लगातार चर्चा का विषय रही। नसबंदी अभियान, जबरन विस्थापन, झुग्गियों पर बुलडोजर और प्रशासनिक कठोरता की घटनाओं ने आम लोगों के मन में भय का वातावरण पैदा किया। शासन और जनता के बीच संवाद की जगह आदेशों ने ले ली थी। नागरिक अधिकारों की जगह सरकारी निर्देश अधिक प्रभावशाली दिखाई देने लगे थे। इतिहासकारों का मानना है कि आपातकाल केवल राजनीतिक संकट नहीं था, बल्कि भारतीय संविधान की आत्मा की परीक्षा थी। संवैधानिक संशोधनों के जरिए कार्यपालिका की शक्तियों को बढ़ाने के प्रयास हुए। न्यायपालिका की भूमिका सीमित करने की कोशिशें हुईं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच संतुलन कमजोर पड़ता दिखाई दिया। यह वही समय था जब देश ने महसूस किया कि संविधान की रक्षा केवल उसके प्रावधान नहीं करते, बल्कि उन्हें जीवित रखने वाली संस्थाएं और जागरूक नागरिक भी करते हैं।

फिर भी भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत अंततः सामने आई–जनता। 1977 में जब चुनाव हुए तो मतदाताओं ने सत्ता को स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है। सत्ता बदल गई, लेकिन उससे भी बड़ी बात यह हुई कि लोकतंत्र ने स्वयं को पुनर्जीवित कर लिया। भारत ने दुनिया को दिखाया कि लोकतांत्रिक चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

आज आपातकाल को बीते पांच दशक से अधिक समय हो चुका है, लेकिन उसकी स्मृति आज भी प्रासंगिक है। कारण यह नहीं कि हमें अतीत में जीना है, बल्कि इसलिए कि हमें भविष्य को सुरक्षित रखना है। इतिहास तब उपयोगी होता है जब वह हमें गलतियों को दोहराने से रोकता है। आपातकाल हमें याद दिलाता है कि नागरिक अधिकार कभी स्थायी रूप से सुरक्षित नहीं होते; उनकी रक्षा के लिए निरंतर सतर्कता आवश्यक होती है।

लोकतंत्र की हत्या एक दिन में नहीं होती। वह तब शुरू होती है जब सवाल पूछने वालों को चुप कराया जाता है, जब आलोचना को दुश्मनी माना जाता है, जब संस्थाओं की स्वतंत्रता कमजोर पड़ती है और जब नागरिक अपनी स्वतंत्रताओं के महत्व को भूलने लगते हैं। इसलिए 25 जून केवल एक ऐतिहासिक तारीख नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक चेतना का दर्पण है। आज जब भारत विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है, तब आपातकाल की स्मृति हमें यही संदेश देती है कि लोकतंत्र की रक्षा का सबसे बड़ा हथियार जागरूक नागरिक, स्वतंत्र मीडिया, निष्पक्ष न्यायपालिका और जवाबदेह शासन है। इतिहास की वह काली रात बीत चुकी है, लेकिन उसकी सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

'परमाणु हथियार हासिल करने के बेहद करीब था ईरान'

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एक बैठक में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) महासचिव मार्क रूटे ने

- ट्रंप के साथ बातचीत में बोले नाटो प्रमुख?

ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ईरान की परमाणु क्षमता को लेकर जो कदम उठाए जा रहे हैं, वे बहुत अहम हैं। उनके मुताबिक, ईरान लगभग परमाणु क्षमता हासिल करने के बहुत करीब था, जो क्षेत्र और पूरी दुनिया के लिए बड़ा खतरा बन सकता था।

मार्क रूटे ने कहा कि जी-7 के सभी नेताओं ने इस बात की सराहना की है कि ईरान की परमाणु क्षमता को कमजोर किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि छह हफ्तों के इस युद्ध के दौरान यूरोप के ठिकानों से करीब 4,000 से 5,000 अमेरिकी विमान उड़ान भरते रहे। उन्होंने कहा कि रोमानिया के बुखारेस्ट हवाई अड्डे को भी वाणिज्यिक उड़ानों के लिए बंद करना पड़ा, ताकि सैन्य अभियान जारी रह सके।

रूटे ने कहा कि कुछ अलग-अलग घटनाएं हुई हैं जिनसे निराशा हुई है। लेकिन कुल मिलाकर यूरोपीय सहयोगी अमेरिका के साथ खड़े रहे हैं। इस पर जब राष्ट्रपति ट्रंप से पूछा गया कि क्या उनके यूरोपीय सहयोगियों ने उनके साथ ठीक व्यवहार नहीं किया, तो उन्होंने कहा कि अगर कोई और इस स्थिति में होता तो आज यह बैठक भी नहीं हो रही होती। ट्रंप ने कहा कि यह अच्छा होता, अगर सहयोगी देश मदद की इच्छा जताते। उन्होंने कहा कि अगर वे किसी से मदद मांगते तो वह शायद मदद करने का तरीका निकाल लेते।

उन्होंने कहा कि वह इटली, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस से निराश थे। स्पेन को उन्होंने बहुत खराब स्थिति बताया। हालांकि, उन्होंने नाटो महासचिव मार्क रूटे के प्रति सम्मान भी जताया और कहा कि वे आगे चर्चा करेंगे कि क्या हुआ था और आगे क्या होगा। ईरान समझौते में नौवहन पर किसी प्रकार के शुल्क को लेकर पूछे गए सवाल पर ट्रंप ने कहा कि यह उनके लिए स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा किया गया तो इसे अन्य देशों पर भी लागू करना पड़ेगा, जो संभव नहीं है।

आपराधिक रिकॉर्ड वाले ग्रीन कार्ड धारकों की बढ़ीं मुश्किलें

वाशिंगटन। भारत की एक सामान्य यात्रा भी अब कुछ अमेरिकी ग्रीन कार्ड धारकों के लिए अप्रत्याशित इमिग्रेशन का खतरा ला सकती है। आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे वैध स्थायी निवासियों को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण फैसले में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में तय किया है कि सीमा अधिकारी लौटने वाले ग्रीन कार्ड धारक को स्वचालित रूप से पुनः प्रवेश देने के बजाय देश में प्रवेश चाहने वाले व्यक्ति के रूप में मान सकते हैं। ब्लांच बनाम लाउ मामले में 6-3 के बहुमत से दिए गए फैसले ने कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन अधिकारियों को सीमा पर यह निर्णय लेने की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही, सरकार को निष्कासन की कार्यवाही के दौरान बाद में आवश्यक प्रमाण प्रस्तुत करने की छूट दी गई है। इमिग्रेशन वकीलों का कहना है कि यह फैसला उन ग्रीन कार्ड धारकों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा से जुड़े जोखिमों को काफी बढ़ा देता है, जिन पर आपराधिक आरोप लंबित हैं या जिनके आपराधिक मामले अभी सुलझे नहीं हैं। न्यूयॉर्क के इमिग्रेशन वकील साइरस डी. मेहता के अनुसार, यह फैसला अधिकारियों को अनुमति देता है कि वे केवल किसी आरोप या संदेह के आधार पर लौटने वाले ग्रीन कार्ड धारक को प्रवेश चाहने वाला मान लें, उनका ग्रीन कार्ड जब्त कर लें और निष्कासन की कार्यवाही पूरी होने तक व्यक्ति को पैरोल पर देश में रहने दें। मेहता ने कहा कि यह वही टाइम ट्रैवल है जिसकी जस्टिस जैक्सन ने अपनी असहमति में कड़ी आलोचना की है। उन्होंने सलाह दी कि आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे ग्रीन कार्ड धारकों को मामला लंबित रहने तक अंतरराष्ट्रीय यात्रा से बचना चाहिए।

दावा-स्विट्जरलैंड में पाक आर्मी चीफ को मारने का प्लान था

ब्रासीलिया। इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने स्विट्जरलैंड में ईरान शांति वार्ता के दौरान पाकिस्तान के आर्मी चीफ आसिम मुनीर और उनके डेलिगेशन की हत्या की साजिश रची थी। यह दावा ब्राजील के पत्रकार पेपे एस्कोबार ने एक पॉडकास्ट में किया है। पत्रकार के दावे के मुताबिक पाकिस्तानी अधिकारियों को जब ये बात पता चली तो उन्होंने धमकी दी जिसके बाद इजराइल को अपना प्लान बदलना पड़ा। यह दावा उस समय से जुड़ा है जब पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में मौजूद थे। वहीं ईरान और अमेरिका के बीच पश्चिम एशिया के संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत का पहला दौर पूरा हुआ था। पॉडकास्ट के दौरान पॉलिटिकल कमेंटेटर मारियो नॉफल के पॉडकास्ट में एस्कोबार ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को बेहद विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आदेश पर मोसाद हमला करने की तैयारी कर रहा है।

बाजार दर्पण